● वर्ष-3
● अंक-16
रायपुर, रविवार
27 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 27 अगस्त रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 29 अगस्त मंगलवार को प्रकाशित होगा।

अदाणी मामले में सेबी के अंतिम निष्कर्ष पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। सेबी ने अदाणी समूह और अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के मामले पर अपनी स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दिया है। वहीं कांग्रेस ने 25 अगस्त 2023 को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल सेबी की स्टेटस रिपोर्ट पर बयान जारी कर कहा कि अदाणी ग्रुप पर लगे राउंड-ट्रिपिंग और मनी-लॉन्ड्रिंग के आरोपों के मामले में किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने में सेबी की अक्षमता बेहद चिंताजनक है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी स्टेटस रिपोर्ट में इसे स्वीकार किया है और कहा है कि केवल एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ही इसकी जांच कर सकती है कि सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पसंदीदा बिजनेस ग्रुप की मदद के लिए मानदंडों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन कैसे किया। एक्स पर जारी किए गए बयान में कांग्रेस ने कहा कि सेबी ने इस मामले से संबंधित जिन 24 मामलों की जांच की, उनमें से दो अभी भी अंतरिम स्टेटस में है। अंतरिम रिपोर्ट्स में से एक उस महत्वपूर्ण प्रश्न से संबंधित है कि क्या अदाणी ने प्रतिभूति संविदा नियम के उपनियम 19 का उल्लंघन किया, जो कि न्यूनतम पब्लिक शेयर होल्डिंग से संबंधित है। क्या अदाणी समूह ने न्यूनतम पब्लिक शेयर होल्डिंग के तय पैमाने का पालन किया? आगे जयराम रमेश ने कहा बयान में कहा कि सरल शब्दों में कहें तो क्या अदाणी ने राउंड ट्रिपिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए विदेशी टैक्स हेवेन में स्थित अपारदर्शी संस्थाओं का उपयोग किया, जिनका विरोध करने का प्रधानमंत्री हमेशा दावा करते रहे हैं? सेबी ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि बाहरी एजेंसियों और संस्थाओं से जानकारी का अभी भी इंतजार है। जयराम रमेश ने कहा कि देश स्पष्ट रूप से 2018 में विदेशी फंड्स के मूल स्वामित्व से संबंधित रिपोर्टिंग की आवश्यकताओं को कमजोर करने और 2019 में इसे पूरी तरह से हटाने के सेबी के फैसले की भारी कीमत चुका रहा है।

शिव शक्ति बीजेपी-कांग्रेस के बीच जुबानी जंग

वैज्ञानिकों ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

बंगलूरू/मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना की। वे अपनी विदेश यात्रा के बाद सीधे बंगलूरू पहुंचे। उन्होंने शनिवार को कहा कि चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर उतरा, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा और चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने 2019 में अपने पदचिह्न छोड़े थे, उसे 'तिरंगा पॉइंट' के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा जिस दिन चंद्रयान ने सफल सॉफ्ट लैंडिंग की यानी 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने साधा निशाना

पीएम मोदी के दौरे को लेकर एक तरफ कुछ राजनीतिक दल इसे सियासी कार्यक्रम बनाने की कोशिश बता रहे हैं तो वैज्ञानिक पीएम के दौरे से काफी उत्साहित हैं। इस बीच महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि क्क्रू मोदी वैज्ञानिकों से मिलने गए, देश के प्रधानमंत्री को वैज्ञानिकों से मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने रोड शो क्यों किया? ये गर्व की बात होती अगर ये रोड शो उन वैज्ञानिकों के साथ किया जाता जिन्होंने इस मिशन को सफल बनाया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने कहा कि यह नाम हास्यास्पद है क्योंकि पीएम मोदी को चंद्रमा की सतह का नाम रखने का कोई अधिकार नहीं है। राशिद अल्वी ने एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा, सारी दुनिया हंसेगी। पीएम मोदी को चांद पर एक बिंदु का नाम बताने का अधिकार किसने दिया। हम उतर चुके हैं, बहुत अच्छा है। हमें इस पर गर्व है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन हम चंद्रमा या बिंदु के मालिक नहीं हैं।

कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप

भाजपा ने सबसे पुरानी पार्टी पर परिवार को पहले रखने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पर हमला बोल दिया। पीएम मोदी ने आज इसरो वैज्ञानिकों से मुलाकात की और इसरो कार्यालय से कई घोषणाएं कीं। पीएम मोदी ने कहा कि जिस स्थान पर चंद्रयान-3 उतरा, उसे शिवशक्ति के नाम से जाना जाएगा, चंद्रयान-2 के प्रभाव स्थल को तिरंगा कहा जाएगा और तीसरे चंद्र मिशन की सफल लैंडिंग के दिन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ट्विटर पर कहा, भारत पहले बनाम परिवार पहले! चंद्रमा पर प्रभाव/लैंडिंग बिंदु के नाम 1. चंद्रयान1ः जवाहर पॉइंट, 2. चंद्रयान2ः तिरंगा प्वाइंट 3. चंद्रयान 3ः शिवशक्ति बिंदु। विक्रम साराभाई के नाम पर लैंडर को विक्रम लैंडर कहा गया। अगर यूपीए होता तो उन्होंने चंद्रयान 2 और 3 कभी नहीं भेजा होता और अगर भेजा होता तो उसका नाम इंदिरा पॉइंट और राजीव पॉइंट रखा होता।

कैंपेन टूल का हिस्सा है इसरो

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा ने भाजपा की भक्त और ट्रोल सेना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवा पार्टी आगामी 2024 लोकसभा चुनावों के लिए इसरो को अपना प्रचार उपकरण बनाएगी। एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर निशाना साधते हुए मोइत्रा ने कहा कि इसरो के हर मिशन का इस्तेमाल अब भाजपा द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसरो अब बीजेपी का 2024 का कैंपेन टूल है। चुनाव से पहले राष्ट्रवादी उन्माद भड़काने के लिए हर मिशन का इस्तेमाल किया जाएगा।

रोबो महिला व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में भारत

भारत के चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने के कुछ दिनों बाद, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश गगनयान मिशन के तहत एक महिला रोबोट व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजेगा। सिंह ने कहा कि अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में अंतरिक्ष उड़ान का प्रायोगिक अभ्यास आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुरुआती परीक्षणों के बाद ही महिला रोबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। मंत्री ने आगे बताया कि महामारी के कारण परियोजना में देरी हुई।

महामारी के कारण हुई देरी

जितेंद्र सिंह ने कहा कि महामारी के कारण गगनयान परियोजना में देरी हुई। अब हम अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में पहले परीक्षण मिशन की योजना बना रहे हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उन्हें भेजना। सिंह ने पुष्टि की कि दूसरे मिशन में ही एक महिला रोबोट भेजी जाएगी और वह सभी मानवीय गतिविधियों की नकल करने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि दूसरे मिशन में एक महिला रोबोट होगी और वह सभी मानवीय गतिविधियों की नकल करेगी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो हम आगे बढ़ सकते हैं।

व्योममित्र रोबोट की मदद से इंसानों के जाने का रास्ता साफ होगा। 24 जनवरी 2020 को यह रोबोट पेश किया था। यह इसरो द्वारा निर्मित है। यह संस्कृत भाषा के दो शब्दों 'व्योम' और 'मित्र' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ क्रमशः अंतरिक्ष एवं मित्र है। अर्द्ध-मानव का यह प्रोटोटाइप एक महिला रोबोट है। इसके जरिए अंतरिक्ष में इंसानों पर पड़ने वाले असर को समझने की कोशिश की जाएगी। इसे दुनिया की बेस्ट स्पेस एक्सप्लोरर ह्यूमेनॉयड रोबोट का खिताब भी मिल चुका है।

ब्रिक्स में पाकिस्तान को रोकने में भारत कामयाब

नई दिल्ली। लंबी माथापच्ची यह तय हो गया कि सऊदी अरब, ईरान, यूएई, अर्जेंटीना, इथियोपिया और मिस्र ब्रिक्स के नए सदस्य होंगे। जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स सम्मेलन में समूह के विस्तार पर सभी सदस्य देशों ने सहमति दे दी। इस मामले में दक्षिण अफ्रीका के बाद ब्राजील के बदले रुख ने चीन की राह आसान कर दी। चूंकि रूस पहले ही इस मामले में चीन के साथ था। ऐसे में बदले हालात में चीन अपनी वैश्विक कूटनीति के लिए अहम देशों सऊदी अरब, ईरान, अर्जेंटीना और इथियोपिया के लिए ब्रिक्स में जगह बनाने में कामयाब हो गया।

भारत चाहता था कि ब्रिक्स के विस्तार से पहले ब्रिक्स बैंक कहे जाने वाले न्यू डेवलपमेंट बैंक का विस्तार हो। आर्थिक विकेंद्रीकरण के लिए ग्लोबल साउथ के देशों की अपनी वित्तीय एजेंसियां हो। ब्रिक्स

में उन्हीं देशों को शामिल किया जाए जो ब्रिक्स बैंक का भी सदस्य हो। इस मामले में पहले दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील की भी यही राय थी। हालांकि जोहानिसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के बाद ब्राजील का भी रुख बदल गया। विस्तार पर सहमति बनने के बाद भारत अपने करीबी यूएई को नए सदस्यों की सूची में शामिल कराने और पाकिस्तान का रास्ता फिलहाल रोकने में जरूर कामयाब हुआ।

द. अफ्रीकी वैज्ञानिकों से मिले मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख वैज्ञानिकों से साथ मुलाकात कर रोग जांच, ऊर्जा के भविष्य और सतत विकास के समाधान खोजने आदि पर चर्चा की। उनकी आनुवंशिकीविद् और दक्षिण अफ्रीका विज्ञान अकादमी की सीईओ डॉ. हिमला सूदयाल के साथ लंबी चर्चा हुई।

ब्रिक्स और चीन का दबदबा

वर्तमान में ब्रिक्स की वैश्विक जनसंख्या और जीडीपी में हिस्सेदारी क्रमशः 40 फीसदी और एक तिहाई है। नए सदस्यों के आने से यह हिस्सेदारी और बढ़ जाएगी। चीन की योजना विस्तार के जरिए ब्रिक्स को जी-7 से अधिक ताकतवर बनाना है। चूंकि ब्रिक्स पर चीन की छाप अभी से दिख रही है। ऐसे में ब्रिक्स की ताकत बढने से वैश्विक मंच पर चीन का भी दबदबा बढ़ेगा।

अनौपचारिक बातचीत पर ही ठहर गई जिनपिंग-मोदी की मुलाकात

भारतीय सूत्रों ने चीन के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया है कि भारत की मांग पर ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारत चीन के नेताओं के बीच बातचीत हुई। सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने चीन के दावे को यह कहकर खारिज कर दिया है कि लंबे समय से चीन की तरफ से ही द्विपक्षीय बातचीत की पेशकश की जा रही थी। बता दें कि ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच औपचारिक बातचीत नहीं हुई लेकिन लीडर्स लाउंज में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई। इस बातचीत में पीएम मोदी ने भारत-चीन के बीच एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं से अवगत कराया।

राज्यपाल श्री हरिचंदन से ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र की बहनों ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र रायपुर की संचालिका सुश्री सविता एवं अन्य बहनों ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित शांति सरोवर, सड्डू रायपुर में 31 अगस्त को आयोजित होने वाले सकारात्मक परिवर्तन समारोह के लिए राज्यपाल को न्यौता दिया। इस अवसर पर लीना बहन, नथमल भाई एवं महेश भाई भी उपस्थित थे।

प्रमुख समाचार

छापामार युद्ध रणनीति का उपयोग कर रहे हैं पवारः राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार अपनी पार्टी छोड़ने वालों से लड़ने के लिए छापामार युद्ध रणनीति का उपयोग कर रहे हैं। राउत ने पत्रकारों से यह भी कहा

कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के साथ युद्ध के मैदान में युद्ध लड़ रही है। उन्होंने कहा, ''शरद पवार और उनके सहयोगियों ने पार्टी छोड़ने वालों से लड़ने के लिए छापामार युद्ध रणनीति का चयन किया है।'' अजित पवार और राकांपा के आठ विधायक दो जुलाई को महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे, जिससे शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी में विभाजन हो गया था। राकांपा में कोई फूट नहीं होने और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पार्टी के नेता होने का दावा करने के कुछ घंटे बाद शरद पवार ने शुक्रवार को दावा किया था कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी। राउत ने कहा, शरद पवार कभी भी भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। वह महा विकास आघाड़ी और 'इंडिया' गठबंधन के एक महत्वपूर्ण नेता हैं।''

कांग्रेस ने खारिज किया भाजपा से 'मिलीभगत' के आरोप को

कोट्टायम। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा पार्टी पर भाजपा के साथ नापाक गठजोड़ के लगाए गए आरोप को शनिवार को चुटकुला करार देते हुए कहा कि वाम नेता के इस 'दुष्प्रचार' पर कोई बच्चा भी विश्वास नहीं करेगा। अखिल भारतीय

कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पूछा कि कांग्रेस कैसे भाजपा और उसकी सरकार से कोई समझौता कर सकती है जबकि वहउसके नेता राहुल गांधी के कथित राजनीतिक उत्पीड़न में लिप्त है। यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध है। वेणुगोपाल ने कहा, ''केरल के मुख्यमंत्री का आरोप सिर्फ एक चुटकुला है। इस देश का एक बच्चा भीपिछले छह महीनों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हमारे नेता को संसद से बाहर रखने के किये गए प्रयासों के बारे में जानता है। हम ऐसी किसी पार्टी से कैसे समझौता कर सकते हैं?'' हाल ही में यहां पुथुपल्ली में जन सभाओं को संबोधित करते हुए विजयन ने कांग्रेस पर भाजपा के साथ आंतरिक मिलीभगत का आरोप लगाया था।

घोसी उपचुनाव में कांग्रेस सपा का करेगी समर्थन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। इस उपचुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच है। कांग्रेस ने यहां अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। इन सबके बीच कांग्रेस

ने समाजवादी पार्टी का समर्थन करने की बात कही है। आज आधिकारिक तौर पर कांग्रेस की ओर से इसको लेकर एक पत्र भी जारी कर दिया गया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने अपने पार्टी समर्थकों को एक चिट्ठी जारी कर समाजवादी पार्टी का समर्थन करने की बात कही। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी की ओर से सुधाकर सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया गया है। अजय राय ने अपने पत्र में लिखा के समाजवादी पार्टी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंफोसिस एलायंस का हिस्सा है इसलिए दिनांक 5 सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद के अंतर्गत 354 घोसी विधानसभा में होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस समाजवादी पार्टी का समर्थन करेगी और अपने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान करती हैं।

कोर्ट में फायरिंग, भाजपा ने नीतीश से मांगा इस्तीफा

पटना। बिहार के समस्तीपुर कोर्ट परिसर में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गोलियों की आवाज सुनाई दी। इससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दो कैदियों को गोली मार दी, जिससे दहशत और अफरातफरी मच गयी। जेल में बंद व्यक्तियों की पहचान प्रभात चौधरी और प्रभात तिवारी के रूप में की गई, जिन्हें सुनवाई के लिए अदालत में लाया गया था। दोनों घायल कैदियों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है, जबकि हमलावर मौके से भागने में सफल रहे। मिली जानकारी के मुताबिक दोनों कैदी शराब से जुड़े मामले में जेल में बंद थे। शनिवार की सुबह, जब उन्हें अदालत ले जाया जा रहा था, चार हमलावरों ने उनका सामना किया और गोलियां चला दीं, जिससे प्रभात चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी जांघ में गोली लगी, जबकि प्रभात तिवारी के हाथ में गोली लगी। घटना के बाद, सभी हमलावर मुख्य द्वार से लगभग 30 से 40 मीटर की दूरी पैदल तय करके अदालत परिसर से भागने में सफल रहे। तनावपूर्ण माहौल के बीच कैदियों के साथ मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। ध

वायरल वीडियो में दिखी शिक्षिका ने कहा, वीडियो को एडिट किया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक वायरल वीडियो में छात्रों को अपने सहपाठी को पीटने के लिए उकसाते हुए देखी गई स्कूल शिक्षिका ने शनिवार को कहा कि जो वीडियो वायरल हुआ वह एडिट और काटा गया था और उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि इलाके में हिंदू और मुस्लिम एकता के साथ रहते हैं। नेहा पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल तृप्ता त्यागी, जो वायरल वीडियो में छात्रों को अपने सहपाठी को पीटने के लिए उकसाती नजर आ रही थीं, ने अपने सफाई में कहा कि हमारे स्कूल में कई छात्र मुस्लिम हैं, उस दिन वह बच्चा अपना होम वर्क करके नहीं लाया था और बच्चे के परिजनों के तरफ से कहा गया था कि इसपर सख्ती बरतें। प्रिंसिपल ने आगे कहा कि मैं विकलांग हूं इसलिए मैंने अन्य 2-3 छात्रों से पिटाई करवाई ताकि वह होम वर्क कर ले क्योंकि परीक्षा आने वाली है। वह 2 महीने से अपना होम वर्क नहीं करके आ रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने वायरल वीडियों में कहा था मुहम्मदन मां को अपने बच्चों को उनके मामा के घर नहीं ले जाना चाहिए क्योंकि परीक्षा नजदीक आ रही है। लेकिन उन्होंने इस वीडियो को काट दिया और मुहम्मदन शब्द रहने दिया। मेरा ऐसा इरादा नहीं था।

एनसीपी में टूट नहीं वाले बयान पर घमासान, टिप्पणी से इंडिया में टेंशन?

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में चाचा-भतीजे की लड़ाई सुर्खियों में है। शरद पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व में टूटकर एक गुट राज्य के सत्ताधारी एनडीए गठबंधन में शामिल हो गया। अब शरद गुट के नेताओं के हालिया बयान से राज्य की राजनीति को एक बार फिर गरमा दिया है।

दरअसल, एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने पार्टी के अंदर हुई टूट को मानने से इनकार किया है और कहा कि कुछ लोगों ने अलग राजनीतिक रुख अपनाया है। आखिर शरद पवार ने क्या बयान दे दिया जिससे राजनीति हलचल तेज हो गई? क्या ऐसा बयान किसी और नेता ने दिया है? इस पर एमवीए का क्या रुख है? इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक का

इस पर कोई प्रभाव पड़ेगा? चुनाव आयोग में एनसीपी का मामला कहां पहुंचा? आइये जानते हैं, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को एक बार फिर अपनी पार्टी में टूट से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि कुछ विधायक पार्टी छोड़कर चले गए हैं, लेकिन केवल विधायकों का मतलब पूरी राजनीतिक पार्टी नहीं है। शरद पवार ने कोल्हापुर में कहा कि वह एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और जयंत पाटिल इसकी राज्य इकाई के प्रमुख हैं। एनसीपी टूटी नहीं है। हालांकि यह सच है कि कुछ विधायक चले गए हैं, लेकिन विधायकों का मतलब राजनीतिक पार्टी नहीं है।

बागियों का नाम लेकर इतना महत्व क्यों दिया जा रहा

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पार्टी के बागियों के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं, पवार ने कहा, %बागियों के नाम लेकर उन्हें महत्व क्यों दिया जा रहा है।% इससे पहले शुक्रवार को जब पवार से उनकी बेटी और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के बयान के बारे में पूछा गया कि एसीपी टूटी नहीं है और अजित पवार उसके नेता बने रहेंगे, तो उन्होंने कहा, %हां... इस बारे में कोई विवाद नहीं है।% लेकिन कुछ घंटे बाद पवार ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। आगे पवार ने कहा कि मैंने यह नहीं कहा कि अजित पवार हमारे नेता हैं। यह आपकी (मीडिया की) गलती है। यह सुप्रिया ने कहा था और यह अखबारों में भी छपा। उन्होंने जिस तरह का रुख अपनाया है, उसे देखते हुए वह हमारे नेता नहीं हैं।

तो आखिर सुप्रिया सुले ने क्या बयान दिया था?

सुप्रिया सुले के जिस बयान का शरद पवार जिक्र कर रहे हैं वो गुरुवार का है। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने पुणे में कहा था कि पार्टी में कोई बंटवारा नहीं है और भाजपा केवल पार्टी के कुछ विधायकों को सत्तारूढ़ गठबंधन में लाने में कामयाब रही है।

उन्होंने कहा, पार्टी बिल्कुल भी टूटी नहीं है, कुछ ने भाजपा के साथ जाने का अलग निर्णय लिया है। हमने कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की है। एनसीपी में कोई फूट नहीं है। एनसीपी के प्रमुख शरद पवार हैं और राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल हैं। यही पार्टी की हकीकत और स्थिति है। एनसीपी का भाजपा के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं है।

इन बयानों पर एमवीए के नेताओं की क्या प्रतिक्रिया है?

महाराष्ट्र में फिलहाल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी विपक्षी गठजोड़ महाविकास अघाड़ी का हिस्सा हैं। ऐसे में शरद पवार के बयानों से तमाम दलों में भ्रम की स्थिति दिखाई पड़ती है। हालांकि, शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि शरद पवार अपनी पार्टी छोड़ने वालों से लड़ने के लिए गुरिल्ला युद्ध की रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी भाजपा के साथ युद्ध के मैदान में लड़ रही है। राउत ने कहा, शरद पवार कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। वह महा विकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन के एक अहम नेता हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह नहीं है कि वह दो पत्थरों पर खड़े हैं। शरद पवार के बारे में किसी को कोई भ्रम नहीं है।

शिवसेना (यूबीटी) एमएलसी अंबादास दानवे ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि शरद पवार के ऐसे बयान राज्य के कार्यकर्ताओं और लोगों के मन में भ्रम पैदा कर रहे हैं।

कांग्रेस निभाए अपना वादा, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को दे पट्टा : भाजपा

कोरबा। पट्टा अधिकार व प्रधानमंत्री आवास के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी ने धरना प्रदर्शन कर रैली निकाल कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष लखनलाल देवांगन ने कहा कि चुनाव के पूर्व कांग्रेस द्वारा घोषणा पत्र में पट्टा देने का वादा किया गया था। कांग्रेस ने झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीब मजदूरों को पट्टा देने का वादा किया था लेकिन आज तक किसी को पट्टा नहीं मिला।

घंटाघर मैदान में आयोजित भाजपा के सभा को पदाधिकारियों ने संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस मौके पर देवांगन ने कहा कि पिछले पांच साल से कोरबा की गरीब, मजदूर के साथ घोर अन्याय व शोषण हुआ। सरकार के कई अधिकारी जेल में हैं। उन्होंने कहा कि कोरबा में चारों ओर राखड व धूल के गुब्बारे उड़ रहे हैं। सड़कों की दुर्दशा से आम जनता त्रस्त है। कोरबा की जनता कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति चाहती है। देवांगन ने कहा कि उनके महापौर कार्यकाल में किए गए कार्य को क्षेत्र की जनता अभी भी याद करती है। इस मौके पर पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है।

चोरी, डकैती, रंगदारी, लूट, खुलेआम गुंडागर्दी कांग्रेस के संरक्षण में हो रहा है। क्षेत्र की जनता सब समझती है और अब बदलाव चाहती है। पूर्व महापौर जोगेश लांबा ने कहा कि भूपेश सरकार 16 लाख आवास को रोक कर गरीबों के साथ शोषण किया। निगम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहे हैं। कार्यक्रम में झुग्गी झोपड़ी के प्रदेश संयोजक महेंद्र पंडित, जिलाध्यक्ष डा राजीव सिंह, गोपाल मोदी, अशोक चावलानी हितानंद अग्रवाल, लक्ष्मण श्रीवास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर केदारनाथ अग्रवाल, प्रफुल्ल तिवारी, मनोज पराशर, मंजू सिंह, अजय विश्वकर्मा, परविंदर सिंह, शिव बालक सिंह, नरेंद्र देवांगन, दीपक जायसवाल, यासीन खान, रितु चौरसिया, मनोज यादव, संजय कुर्मवंशी, पार्षद चंद्रलोक सिंह, गोलू पांडे समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुकेश राठौर व एल्डरमैन रामगोपाल यादव ने भाजपा द्वारा किए गए आंदोलन को जनता को गुमराह करने का प्रोपेगेंडा करार दिया। कोरबा विधानसभा में प्रत्याशी की घोषणा होने के बाद भाजपा ने गरीबों को पट्टा दिलवाने का झूठा आश्वासन देकर सभा का आयोजन किया और इस दौरान लोगों से आवेदन भी भराया। इतना ही नहीं पट्टा वितरण की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। कांग्रेसी नेताओं ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार लगातार गरीबों के हित में कार्य कर रही है। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के विभाग द्वारा राजीव आश्रय योजना के तहत गरीबों को पट्टा देने की तैयारी हो चुकी है। अकेले कोरबा जिले में 14000 से अधिक आवेदन आए थे। पात्रता के आधार पर हितग्राहियों को पट्टा वितरण किया जाना है। इसके लिए राजस्व मंत्री ने आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। राजपत्र का भी प्रशासन हो चुका है। आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। लेकिन भाजपाई उलटी गंगा बहा रहे हैं। इन्होंने जनता को गुमराह करने वाला आवेदन पत्र जारी किया है। लोगों को भाजपाइयों ने असलियत नहीं बताई और उन्हें एक पेंपलेट की तरह दिखने वाला आवेदन सौंप दिया।

नक्सली दंपती को कोर्ट में पेश करने की मांग, नक्सलियों ने जारी किया पर्चा

कांकेर। छत्तीसगढ़ के हार्डकोर नक्सली दंपती को एमपी की एटीएस टीम ने गिरफ्तार किया है। नक्सली दंपतियों की गिरफ्तारी के बाद बस्तर सब जोनल कमेटी ने एक पर्चा जारी किया है।जिसमें जोनल कमेटी ने गिरफ्तार दोनों नक्सलियों को कोर्ट में पेश करने को कहा है।ये प्रेस नोट प्रवक्ता मंगली ने जारी किया है। इस प्रेस नोट में इस बात का जिक्र है कि दोनों नक्सली जिनके नाम अशोक रेड्डी उर्फ बलदेव और रैमती है,अपना इलाज कराने के लिए जबलपुर गए थे। जहां पर एटीएस की टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं नक्सलियों के गिरफ्तारी को लेकर एमपी की एटीएस ने भी जानकारी दी है। एटीएस के मुताबिक 62 साल के नक्सली अशोक रेड्डी को उसकी पत्नी के साथ गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (एम) की दंडकारण्य कमेटी के जोनल सदस्य हैं। अशोक रेड्डी उर्फ बलदेव अपनी पत्नी रैमती उर्फ कुमारी पोटाई के साथ जबलपुर में इलाज कराने के लिए आया था। इस बात की जानकारी गोपनीय तरीके से एटीएस को तेलंगाना की एटीएस टीम को दी थी।जिसके बाद मेट्रो हॉस्पिटल के बाहर टीम तैनात हुई।जैसे ही डॉक्टर से मुलाकात करने के बाद अशोक रेड्डी और रैमती हॉस्पिटल से बाहर आए दोनों को एटीएस ने हिरासत में ले लिया। आपको बता दें कि अशोक रेड्डी

मध्यप्रदेश के नक्सली इलाकों में दखल रखता है।

अशोक रेड्डी पर है लाखों का इनाम- अशोक रेड्डी गोलकुंडा तेलंगाना का रहने वाला है। आरोपी अशोक रेड्डी पर तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में हत्या, हत्या का प्रयास के प्रयास के मामले दर्ज हैं।इसके साथ ही डकैती, बलवा, पुलिस पर हमला, अपहरण, लूट, आगजनी सहित विस्फोटक अधिनियम,आर्म्स एक्ट से संबंधित 60 से अधिक गंभीर अपराध दर्ज हैं।सीपीआई (एम) की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य है।जिस पर तेलंगाना,महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और एमपी की पुलिस ने 82 लाख का इनाम रखा था। पुलिस ने अशोक रेड्डी के साथ उसकी पत्नी रैमती उर्फ कुमारी पोटाई को भी अरेस्ट किया है। रैमती नारायणपुर की निवासी है।जो उत्तर बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों के लिए प्रेस रिलीज का काम करती थी। रैमती साहित्य, पर्चे, पम्पलेट, प्रेस विज्ञप्ति, बैनर, पोस्टर को छपवाने का काम देखा करती थी।

विधायक रंजना ने सांकरा में किया भवन निर्माण का लोकार्पण व भूमिपूजन

धमतरी। आदिशक्ति जरही माता की पावन भूमि ग्राम सांकरा में विधायक निधि से स्वीकृत साहू समाज सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं विधायक की अनुशंसा से स्वीकृत सतनामी समाज समुदायिक भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहू संघ जिला अध्यक्ष अवनेंद्र साहू ने किया, विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थानीय जनपद सदस्य पूर्णिमा बनपेला उपस्थिति रही। सर्वप्रथम विधायक ने सतनामी समाज भवन निर्माण के लोकार्पण करते हुए परम पूज्य संत गुरु घासीदास बाबा जी की पूजा अर्चना किए एवं साहू समाज भवन में आराध्य देवी भक्त मां कर्मा की दीप जलाकर आरती किए। विधायक ने कहा कि सभी समाज संगठित होकर निरंतर शिक्षा स्वास्थ्य एवं जन जागरूकता के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। साहू समाज अध्यक्ष अवनेंद्र साहू ने निर्माण कार्यों की समाज जनों को बधाई दिए। जनपद सदस्य पूर्णिमा बनपेला अपने निज ग्राम सांकरा में निर्माण करो की स्वीकृति के लिए

विधायक का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम मुख्य रूप से सरपंच पार्वती ध्रुव, पुराणिक राम साहू, समाज वरिष्ठ मोतीराम साहू, तीजू राम साहू, दीनाराम साहू, ओम प्रकाश साहू, धनेंद्र साहू, पालकेश्वर, भिखूराम सोनवानी, रामेश्वर कोर्राम, प्रमोद कुमार बंजारे, कोमल सिंह नेताम, यशोदा, कला बंजारे, राजेंद्र कुमार साहू, बिंदा साहू, शांति बनपेला, तनु राम ध्रुव, धनेश साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व समाज जन उपस्थित रहे।

विधायक की अनुशंसा से रोशनी से रोशन होगा गांव

भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के अनुशंसा से धमतरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांव एवं नगर पंचायत आमदी के विभिन्न वार्डों में सोलर हाईमास्ट लाइट की स्वीकृति मिलने पर चौक चौराहे पूर्ण रूप से दूधिया रोशनी से रोशन होगा, इसके अंतर्गत ग्राम जवंरगांव में सोलर हाईमास्ट लाइट, रींवागहन में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम धौराभाठा में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम गुजरा में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम भानपुरी में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम पंचायत कुर्रा के आश्रित ग्राम भोथीपार में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम कंडेल में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम देवरी में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम झिरिया भाठापारा में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम सरसोपुरी में सोलर हाईमास्ट लाइट, नगर पंचायत आमदी वार्ड क्रमांक 14, नगर पंचायत आमदी वार्ड क्रमांक 01, नगर पंचायत आमदी वार्ड क्रमांक 04 में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम भोथली आनंद चौक में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम कानीडबरी में सोलर हाईमास्ट लाइट, ग्राम दर्री में सोलर हाईमास्ट लाइट निर्माण की स्वीकृति मिली है।

घोषणा पत्र के लिए छत्तीसगढ़िया के मन की बात जानने भाजपा निकालेगी यात्रा

■ कोर ग्रुप की बैठक मे हुई विभिन्न विषयों पर चर्चा

धमतरी। भाजपा धमतरी विधानसभा की कोर ग्रुप की बैठक मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय मे संपन्न हुई । बैठक मे पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की । जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार पार्टी प्रत्येक विधानसभा मे गाँव-गाँव यात्रा निकालेगी और घर-घर जाकर लोगों से सुझाव मांगेगी ताकि छत्तीसगढ़िया के मन की बात को घोषणा पत्र मे शामिल किया जा सके। इसके अतिरिक्त शक्ति केंद्र स्तर पर चल रहे लाभार्थी सम्मेलन की भी समीक्षा की गयी।

लाभार्थी सम्मेलन के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभांवित आम लोगों का भरपूर आशीर्वाद पार्टी को मिल रहा है और जिन शक्ति केंद्रों मे सम्मेलन नही हो पाया वहाँ नये सिरे से प्रभारी बनाकर आवश्यक रूप से कार्यक्रम संपन्न कराने हेतु रूपरेखा बनाई गयी । कोर ग्रुप मे मछुआ समुदाय की समस्याओं को लेकर आंदोलन की तैयारी एवं जर्जर सड़कों, बढ़ते अपराध, निगम मे व्याप्त भ्रष्टाचार इत्यादि विषय को लेकर हर सप्ताह एक आंदोलन करने

की भी योजना बनाई गयी।

बैठक मे मुख्य रूप से जिला भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार, प्रदेश मंत्री रामू रोहरा, विधानसभा प्रभारी राजीव पांडे, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य प्रीतेश गांधी, पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा अरविंदर सिंह मुंडी, चंद्रकला पटेल, उमेश कुमार साहू, रोहिताश मिश्रा, कैलाश सोनकर, जय हिंदुजा, प्रीतम साहू, मुरारी यदु, राजेश गोलछा, विजय साहू, हेमंत चंद्राकर, रेशमा शेख, डॉक्टर वीथिका विश्वास, श्यामा देवी साहू , मिलाल पटेल, बशीर अहमद, अखिलेश सोनकर, नीलेश लुनिया, प्रेम लाल, सोमेश यादव, चेतन प्रकाश हिंदूजा, ,भगत यादव ,हेमंत चंद्राकर, खुबलाल ध्रुव, पवन गजपाल एवं विनोद पांडे उपस्थित रहे ।

डिवाइडर से टकराई फॉर्च्यूनर कार, कांग्रेस नेत्री बची

दुर्ग। नशे में धुत्त होकर फॉर्च्यूनर कार चलाना शहर के जाने माने न्यूरो सर्जन के बेटे नमन तिवारी को महंगा पड़ गया और कार लक्ष्मी मार्केट के पास बने डिवाइडर से जा टकराई और 4 से 5 फीट उछलकर पलट गई। कार के अंदर बैठी कांग्रेस नेत्री सुभद्रा सिंह तो बच गई लेकिन नमन अंदर ही फंस गया और उसे लोगों ने कार का विंड ग्लास तोड़कर बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती किया जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना शनिवार सुबह हुई जब नमन तिवारी कांग्रेस नेत्री सुभद्रा सिंह की फॉर्च्यूनर कार को काफी तेजी से चला रहा था और डीपीएस की तरफ जा रहा था कि लक्ष्मी मार्केट के पास पहुंचने पर कार डिवाइडर से टकरा कर 4 से 5 फीट उछलकर पलट गई। इस दौरान कार ने एक बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया लेकिन गनीमत यह रही की बाइक चालक बच गया। एयर बैग खुल जाने से चालक और कार के अंदर बैठक सुभद्रा की जान बच गई। लोगों ने तुरंत 112 में फोन करके पुलिस को बुलाया और उतई पुलिस मौके पर पहुंचकर कार को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि नमन नशे में था, दुर्घटना के बाद वो कार के अंदर फंस गया और लोगों ने बड़ी मुश्किल से ड्राइवर के सामने का विंड ग्लास को तोड़कर उसे बाहर निकाला। नमन के चेहरे और अन्य जगह पर काफी चोटें आई हैं। हादसे के वक्त मार्केट के पास भीड़ नहीं थी। लोगों के मुताबिक अगर घटना कुछ समय बाद होती तो इससे कई लोगों की जान भी जा सकती थी। बाहर निकलने के बाद नमन किसी की स्कूटी में बैठकर अस्पताल पहुंचा जहां उसकी हालत खतर से बाहर बताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

राजनांदगांव व भिलाई में तीन दिवसीय खेलो इंडिया महिला बास्केटबॉल लीग आज से

राजनांदगांव। खेलो इंडिया द्वारा देश के पचास शहरों में एक साथ अस्मिता खेलो इंडिया महिला बास्केटबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है। उन पचास शहरों में एक साथ इस लीग का आयोजन 27 से 29 अगस्त 2023 तक किया जाना है। इस लीग में 17 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिका खिलाडी भाग लेंगी। खेलों इंडिया द्वारा विभिन्न खेलो में यह लीग 150 शहरों में आयोजित की जा रही है। छतीसगढ में यह लीग बास्केटबॉल की नर्सरी राजनांदगांव एवं भिलाई में आयोजित की जावेगी। 3म3 फार्मेट में राजनांदगांव में आयोजित इस लीग में स्थानीय 35 बालिका टीमों के भाग लेने की आशा है। राजनांदगांव में यह लीग दिग्विजय स्टेडियम में आयोजित की जाएगी।खेलों इंडिया द्वारा इस लीग का आयोजन महिलाओं में खेलों के विकास, महिला एथलीटों को सशक्त बनाने और खेलों में समानता को बढ़ावा देने में उनकी सक्रिय भूमिका के लिए कई जा रही है।

विधायक की अनुशंसा से मिला सांकरा को महतारी एक्सप्रेस

नगरी। गुरूवार को को विधायक सिहावा डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सांकरा पहुंचकर 102 महतारी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर सांकरा क्षेत्र के लोगों को राहत दी। ज्ञात हो कि सांकरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतर्गत 35 से 40 ग्राम आते है और 42000 जनसंख्या है। यहां के 1 वर्ष तक के बच्चों व गर्भवती माताओं का किसी भी बीमारी या प्रसव के स्थिति में 102 वाहन से अस्पताल पहुंचाया जाता है। यहां सांकरा में 102 की उपलब्धता होने से गर्भवती माताओं और बच्चों को नि:शुल्क 102 वाहन आसानी से उपलब्ध हो पायेगा। इस अवसर पर सांकरा अस्पताल में उपस्थित ग्रामीण कर्मचारी व जांच के लिए आने वाले 50-60 गर्भवती माताएं उपस्थित थे। जिनको विधायक महोदया लक्ष्मी ध्रुव के द्वारा फल वितरण किया गया अपने जन्म दिन के अवसर पर साथ ही साथ अस्पताल में मिलने वाले सेवाओं के बारे में मरीजों से पूछा और अस्पताल का चिकित्सक एवं स्टाफको उच्च गुणवत्ता के साथ सेवा देने के लिए निर्देशित किया गया।

भाजपा महिला मोर्चा की बहनों ने सजाई सुरक्षा बलों की कलाई रक्षा सूत्र से

नगरी। भारतीय जनता पार्टी मंडल नगरी, कुकरेल, बेलरगांव से महिला मोर्चा की बहनें नगरी सिहावा क्षेत्र में सुरक्षा मे लगे जवानों , थाना में तैनात पुलिस जवानों को रक्षा सूत्र बांधनें रवाना हुए क्षेत्र के बोरई थाना, बोरई सुरक्षा कैम्प सितानदी सुरक्षा कैम्प बिरनासिल्ली सुरक्षा कैम्प सिहावा थाना मेचका थाना मेचका सुरक्षा कैम्प और अंत नगरी थाना में जाकर क्षेत्र के सुरक्षा में लगे जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना किये, महिला मोर्चा की जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, मण्डल अध्यक्ष सुलोचना साहू, जिला पंचायत सदस्य अनिता ध्रुव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की परम्परा रही है कि सनातन हिन्दू धर्म की रक्षा सुरक्षा हेतु प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर हम महिला मोर्चा की बहनें थाना कैंपों में जाकर हमारी सुरक्षा में तैनात पुलिस जवानों सुरक्षा बलों को रक्षा सूत्र बांधकर दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं।

महापौर ने किया निर्माणाधीन सभा भवन का निरीक्षण

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 33 अंतर्गत सभा भवन तथा उसके सामने निर्माणाधीन बड़े नाले के कार्यो का निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी तथा निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभा भवन तथा बड़े नाले का काम को जल्द से जल्द पूरा कराये ताकि उसका लोकार्पण कार्य जल्द हो सके। श्री प्रसाद ने आगे कहा कि कार्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मद से स्वीकृत 05 करोड़ रूपये की राशि से भव्य सभागृह का निर्माण कराया जा रहा है। महापौर श्री प्रसाद ने निगम के निर्माणाधीन सभागृह का निरीक्षण किया, भू-तल एवं प्रथम तल का भ्रमण करते हुए उन्होने सभागृह की बैठक व्यवस्था, महापौर कक्ष, सभापति कक्ष, आयुक्त कक्ष, काउंसलर कक्ष, कार्यालय कक्ष, लाबी, गैलेरी सहित अन्य विभिन्न स्थलों का जायजा लेते हुए सभागृह की बेहतर व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होने सभागृह के बाहरी परिसर के निर्माण, सौदंर्यीकरण एवं गार्डनिंग तथा अन्य कार्यो हेतु तत्काल कार्य कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

राइस मिलर्स पर सख्ती छापेमारी से हड़कंप

बिलासपुर। बिलासपुर में कस्टम मिलिंग के तहत तय कोटे का चावल भारतीय खाद्य निगम (स्नष्टढ्ढ) के गोदाम में जमा नहीं किया गया, जिस पर खाद्य विभाग के अफसरों ने राइस मिलो में छापेमारी शुरू कर दी है। इस दौरान बिल्हा के राइस मिलर्स के संस्थान मां नारायणी राइस प्रोडक्ट में खाद्य विभाग के अफसरों ने जांच कर 10 हजार 800 क्विंटल धान एवं 400 क्विंटल चावल जब्त किया है। दरअसल, कलेक्टर संजीव कुमार झा ने जिले में कस्टम मिलिंग का चावल तय समय के भीतर उठाव करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने समयावधि में चावल जमा नहीं करने वाले राइस मिलर्स पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए भी कहा है। उनकी इस सख्ती के बाद भी कई राइस मिलर्स कस्टम मिलिंग के चावल स्नष्टढ्ढ गोदाम में जमा नहीं कर रहे हैं। जिले में खाद्य विभाग के अफसरों की लापरवाही के साथ ही राइस मिलर्स से मिलीभगत का खेल चल रहा है, जिसके कारण कस्टम मिलिंग के चावल को तय समय में जमा नहीं किया जा रहा है।

आऊटसोर्सिंग के बिजली कर्मी हड़ताल पर, तीनों कंपनी में काम प्रभावित

कोरबा। विद्युत कंपनी के उत्पादन, वितरण व ट्रांसमिशन में आउटसोर्सिंग से कार्यरत मजदूर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। इससे तीनों कंपनी में कामकाज प्रभावित हो गया। मजदूरों का कहना है कि सरकार वादा करने के बाद भी उन्हें नियमित नहीं कर रही है। एचटीपीपी में मजदूरों को रोकने के दौरान हंगामा भी हुआ, इससे तनाव की स्थिति निर्मित हो गई।

आउटसोर्सिंग से कार्यरत इन मजदूरों द्वारा लंबे समय से नियमितीकरण की मांग की जा रही है। उनका कहना है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पिछले विधानसभा चुनाव के वक्त सभी विभागों में कार्यरत कर्मियों को नियमित करने का आश्वासन दिया था, पर पौने पांच साल बीत रहे हैं और अभी तक सरकार ने वादा पूरा नहीं किया। नियमितीकरण के इंतजार में कार्य

कर रहे है। इसी तरह मुख्यमंत्री ने शासकीय विभागों में कार्य करने वाले अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल उच्च कुशल दर के कर्मचारियों को चार हजार रूपये मासिक की श्रम सम्मान राशि दिए जाने की घोषणा की गई थी, पर अभी तक आदेश जारी नहीं किया गया। प्रदेश में 30 हजार से भी अधिक अकुशल, अर्द्धकुशल व उच्च कुशल दर से कार्य करने वाले कर्मचारी. श्रमिक में नाराजगी बनी हुई है। विद्युत कंपनी भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है। इसलिए श्रम सम्मान राशि देने का आदेश जारी किया जाना चाहिए। मजदूरों ने कहा कि समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। वेतन की मांग करने पर ठेकेदार द्वारा काम से निकालने की धमकी दी जाती है। इसके अलावा सुरक्षा व दुर्घटना बीमा की भी मांग रखी है। आंदोलन के पहले दिन तीनों संयंत्र समेत वितरण व पारेषण कंपनी के लगभग पांच हजार कर्मी कार्य पर उपस्थित नहीं हुए। इससे कामकाज पर असर पड़ा।

शुक्रवार को हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम एचटीपीपीद्ध की तीनों चिमनी से तेज सफेद धुआं निकलने लगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि हड़ताल के वजह से संयंत्र में कर्मचारियों की कमी हो गई और नियमित कर्मी ही संयंत्र का संचालन कर रहे है। नियमित कर्मियों की संख्या कम होने की वजह से कई काम प्रभावित हो रहे हैं। साइलो में आंदोलन का जबरदस्त असर पड़ा है। प्रबंधन ने संयंत्र में लगे ईएसपी को बाइपास कर चिमनी से राख मिश्रित धुआं छोड़ा जा रहा है। इसी तरह वितरण विभाग में सभी सबस्टेशन व कार्यालय में कार्यरत मजदूर भी काम पर उपस्थित नहीं हुए। इससे सबस्टेशन संचालन में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

एचटीपीपी संयंत्र गेट के समक्ष शुक्रवार की विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई। आंदोलनकारियों ने बताया कि गुरूवार की नाइट शिफ्ट में गए ठेका कर्मियों से यह कहते हुए जबरदस्ती फार्म भराया कि सुबह रिलिवर आएंगे, तभी उन्हें छुट्टी दी जाएगी। शुक्रवार की सुबह हड़ताल होने से कोई भी ठेका कर्मी पर नहीं आए और नाइट शिफ्ट के कर्मी बाहर निकलने लगे। गेट में सुरक्षा कर्मियों द्वारा जब कर्मियों को रोका गया, तब जम कर हंगामा हुआ और तनाव की स्थिति निर्मित हो गई।

सिहावा में निगम की बड़ी कार्रवाई से दुकानदारों, व्यापारियों में हड़कंप

धमतरी। जिले में इन दिनों नगर निगम सिंगल यूज प्लास्टिक पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहा है। शुक्रवार को सिहावा में निगम की टीम ने तीन लाख रुपये का पॉलीथिन जब्त किया। पिछले दो दिन में टीम की ये बड़ी कार्रवाई है। निगम को सिहावा चौक स्थित सतनाम अगरबत्ती भंडार में भारी मात्रा में सिंगल यूज प्लास्टिक जमा करके रखने की सूचना मिली थी। निगम की टीम ने यहां दबिश दी। यहां गोडाउन में बड़ी संख्या में प्लास्टिक की पन्नी, डिस्पोजल ग्लास, प्लेट और कप मिले। 5 कार्टून में भरा प्लास्टिक का सामान मिला, जिसे जब्त किया गया। जब्त माल की कीमत 3 लाख रुपये बताई जा रही है। इससे पहले भी गुलाब ट्रेडर्स, वैभव प्रोविजन स्टोर्स, किशोर किराना में भी दबिश दी गई थी।

विजय खलको, उप अभियंता ने कहा प्रतिबंधित प्लास्टिक पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सतनाम अगरबत्ती भंडार में पॉलीथिन जब्ती की गई है। इसकी कीमत लगभग 3 लाख रुपये है।

1 जुलाई 2022 को केंद्र सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर देशभर में बैन लगा दिया था। इसके पीछे पर्यावरण सुरक्षा और लोगों के स्वास्थ्य का हवाला दिया गया था। इस घोषणा के कुछ दिनों तक तो मार्केट में कहीं भी प्लास्टिक नजर नहीं आया लेकिन कुछ दिनों बाद ही स्थिति जस की तस हो गई। पैसे कमाने के चक्कर में लोग पर्यावरण और लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ करने लगे। इसी को रोकने बीच बीच में प्रशासन की तरफ से कार्रवाई की जा रही है। धमतरी प्रशासन भी छापामार कार्रवाई कर भारी मात्रा में पॉलीथीन जब्त कर रहा है। दोषियों पर जुर्माना भी लगाया जा रहा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

गहलोत सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया : शाह

जयपुर। राजस्थान में होने वाले चुनाव को लेकर राजनीति खूब हो रहू है। इन सब के बीच गृह मंत्री अमित शाह आज राजस्थान में हैं। उन्होंने गंगापुर में सहकार किसान सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा। शाह ने कहा कि आज-कल राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत लाल रंग की डायरी से बहुत डर रहे हैं, क्योंकि उस डायरी में अनेक राज छुपे हैं। डायरी का रंग भले ही लाल है लेकिन उसके अंदर काले कारनामे और अरबों के भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया जबकि भाजपा की सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाये हैं। कांग्रेस की सरकार में कृषि बजट 22 हजार करोड़ रुपए था जिसे मोदी जी 6 गुना बढ़ा कर 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए करने का काम किया है। मैं यहाँ आया तो एक किसान ने कहा कि राजस्थान में बिजली की बहुत समस्या है, हमें बिजली ही नहीं मिलती।

मुजफ्फरनगर कांड के पीछे भाजपा की नफरत की राजनीति

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के एक स्कूल में एक बच्चे की पिटाई पार्टी की नफरत भरी राजनीति का नतीजा है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं देश की छवि को खराब करती हैं। उन्होंने कहा कि वह दोषियों को सख्त सजा देने की मांग करते हैं ताकि कोई भी इसे दोहराने की हिम्मत न कर सके। मुजफ्फरनगर में एक स्कूल शिक्षिका द्वारा अपने छात्रों से एक मुस्लिम लड़के को थप्पड़ मारने और उसके समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसकी कई राजनीतिक दलों ने कड़ी निंदा की है। खरगे ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, यूपी के एक स्कूल में जिस तरह एक अध्यापिका ने धार्मिक भेदभाव कर एक बच्चे को दूसरे बच्चों से पिटवाया है, वो भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी राजनीति का विचलित कर देने वाला परिणाम है। ऐसी घटनाएं हमारी वैश्विक छवि पर कालिख पोत देती हैं। यह संविधान के खिलाफ है।

मध्य प्रदेश में चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से 3 महीने पहले मंत्रिमंडल विस्तार किया गया है। यह कदम साल के अंत में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले उठाया जा रहा है। ब्राह्मण नेता और विंध क्षेत्र के रीवा से विधायक राजेंद्र शुक्ला और बालाघाट से विधायक गौरीशंकर बिसेन और राहुल लोधी को शामिल किया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शनिवार को तीन भाजपा विधायकों को मंत्री के रूप में शामिल करके अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। इसके साथ ही चौहान के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में अब 34 सदस्य हो गए हैं। राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने सुबह करीब नौ बजे यहां राजभवन में तीन विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। पूर्व मंत्री, ब्राह्मण नेता और रीवा से विधायक राजेंद्र शुक्ला, महाकोशल क्षेत्र के बालाघाट से विधायक एवं मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन और बुंदेलखंड क्षेत्र में टीकमगढ़ जिले के खरगापुर से विधायक राहुल लोधी ने मंत्री पद की शपथ ली।

जो 60 साल में नहीं हुआ, मोदी ने आठ साल में कर दिखाया

भोपाल। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत के ऐतिहासिक चंद्र मिशन चंद्रयान-3 और कई केंद्रीय योजनाओं का जिक्र करते हुए शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ साल में जो हासिल किया है, वह उनसे पहले 60 साल में नहीं हो सका। सूचना एवं प्रसारण तथा खेल और युवा मामलों के मंत्री ठाकुर ने कहा, हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतारने वाले दुनिया के पहले देश हैं। यह हमारे लिए गौरवशाली क्षण है। वह यहां प्रधानमंत्री मोदी के चुनिंदा भाषणों के संग्रह पर आधारित दो पुस्तकों 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विमोचन के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। ठाकुर ने कहा, जो 60 वर्षों में नहीं हो सका, वह मोदीजी ने केवल आठ वर्षों में कर दिखाया। चार करोड़ गरीबों को पक्के मकान बनाकर दे दिए। 12 करोड़ बहनों को और परिवारों को शौचालय बनाकर दे दिए। हर गांव तक बिजली पहुंचा दी।

निजी यात्रा पर श्रीनगर पहुंचीं सोनिया गांधी

श्रीनगर। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने शनिवार को श्रीनगर पहुंचकर निगीन झील में नाव की सवारी की। वह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़ेंगी, जो तीन दिवसीय निजी दौरे पर शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे। शनिवार दोपहर हवाईअड्डे पर पहुंचने पर सोनिया का उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया, जिनमें कांग्रेस केंद्रीय कार्य समिति के सदस्य और जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विकार रसूल वानी भी शामिल थे। अपने आगमन के तुरंत बाद, सोनिया ने यहां निगीन झील का दौरा किया और नाव की सवारी का आनंद लिया। वायनाड के सांसद निगीन झील में एक हाउसबोट पर रुके थे और परिवार के शनिवार को रैनावारी इलाके के एक होटल में रुकने की संभावना है। जम्मू और कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने संवाददाताओं से कहा, जम्मू और कश्मीर उनका घर है, वह यहां के लोगों और इस भूमि से प्यार करते हैं, इसलिए वह यहां दो दिन शांति से बिताना चाहते हैं। यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है, यह पूरी तरह से व्यक्तिगत और निजी यात्रा है।

चंद्रयान-3 जिस स्थान पर उतरा है, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा: मोदी

23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर उतरा है, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा और 23 अगस्त 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यूनान से सीधे बेंगलुरु पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। मोदी ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने 2019 में अपने पदचिह्न छोड़े थे, उसे 'तिरंगा पॉइंट' के नाम से जाना जाएगा और चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर (टच डाउन पॉइंट) उतरा है, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने की याद में भारत 23 अगस्त 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाएगा।

मोदी ने वैज्ञानिकों को चंद्रयान-3 मिशन की सफलता की बधाई देते हुए कहा, ''यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। यह अनंत ब्रह्मांड में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धि की जोरदार उद्घोषणा है।'' उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों से कहा, ''आपने एक पूरी पीढ़ी को जागृत किया है और उन पर गहरी छाप छोड़ी है।... आप 'मेक इन इंडिया' को चंद्रमा तक लेकर गए।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत चंद्रमा पर है और देश का राष्ट्रीय गौरव भी चंद्रमा पर है।

उन्होंने यहां स्थित 'इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क' (आईएसटीआरएसी) रवाना होने से पहले एचएएल (हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) हवाई अड्डे के बाहर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान और भविष्य में विश्वास करने वाले दुनियाभर के लोगों में भारत की इस उपलब्धि को लेकर उत्साह है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह देश लौटने पर इसरो के वैज्ञानिकों को धन्यवाद देने के लिए सबसे पहले इस शहर में आने से खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा, ''न केवल भारतीयों,

बल्कि विज्ञान में भरोसा रखने वाले, भविष्य की ओर देखने वाले और मानवता के प्रति समर्पित दुनियाभर के लोगों में उत्साह है।'' मोदी ने उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में आए बेंगलुरु के लोगों को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं देख रहा हूं कि बच्चों समेत ये लोग सुबह इतनी जल्दी उठकर आए हैं। ये बच्चे भारत का भविष्य हैं।

जहां छोड़े पदचिन्ह, अब वो पॉइंट होगा तिरंगा

पीएम मोदी चंद्रयान-3 की सफलता में चंद्रयान-2 की कोशिश को भी नहीं भूले और उन्होंने एलान किया कि चंद्रमा के जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने अपने पदचिन्ह छोड़े हैं, वह पॉइंट अब तिरंगा कहलाएगा। ये तिरंगा पॉइंट भारत के हर प्रयास की प्रेरणा बनेगा। ये तिरंगा पॉइंट हमें सीख देगा कि कोई भी विफलता आखिरी नहीं होती। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने साल 2019 में चंद्रयान-2 मिशन लॉन्च किया था। यह मिशन असफल हो गया था और चंद्रयान-2 का लैंडर चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर सका था। हालांकि चंद्रयान-2 की विफलता से सीखकर ही भारतीय वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 मिशन में सफलता हासिल की। यही वजह है कि पीएम मोदी ने तिरंगा पॉइंट को भारतीयों के लिए प्रेरणा बताया।

वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए भावुक हुए मोदी

बेंगलुरू में इसरो के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी चंद्रयान-3 की सफलता से भावुक हो गए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी, वैज्ञानिकों की तारीफ करते हुए थोड़ी देर के लिए चुप हो गए और अपनी भावनाओं को संभालते हुए उन्होंने आगे अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने वैज्ञानिकों की तारीफ करते हुए कहा कि आपकी मेहनत, आपके धैर्य को सैल्यूट। पीएम मोदी ने कहा कि यह आज का भारत है, जुझारू भारत। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा होता है जब बेसब्री हो जाती है, मेरे साथ भी इस बार ऐसा ही हुआ। मैं दक्षिण अफ्रीका में था और फिर ग्रीस जाना हुआ लेकिन मेरा मन आपके साथ था। मैं जल्द से जल्द आप लोगों से मिलना चाहता था और आपको सैल्यूट करना चाहता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं अलग तरह की खुशी महसूस कर रहा हूं। ऐसे पल दुर्लभ होते हैं।

प्रधानमंत्री के अनुसार, एक समय था, जब हमारी गिनती Third Row में होती थी। आज ट्रेड से लेकर तकनीक तक, भारत की गिनती पहली पंक्ति में खड़े देशों में हो रही है। तीसरी पंक्ति से पहली पंक्ति की इस यात्रा में हमारे इसरो जैसे संस्थानों की बड़ी भूमिका है। आज पूरी दुनिया भारत की वैज्ञानिक ताकत को पहचानती है। चंद्रयान महाभियान सिर्फ भारत की सफलता नहीं है बल्कि यह पूरी मानवता की सफलता है।

मोदी ने इसरो में महिला वैज्ञानिकों को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की महिला वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। ये महिला वैज्ञानिक चंद्रयान -3 मिशन का हिस्सा थीं। पीएम मोदी ने साफ्ट लैंडिंग के सफल मिशन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरे से सीधे बंगलुरू पहुंचे और वहां इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 की सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इसरो सेंटर पहुंचने पर इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ और अन्य वैज्ञानिकों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

विपक्षी गठबंधन इंडिया को मिलेगी नई पहचान: अशोक चव्हाण

31 अगस्त को पार्टी लोगो कर सकती है जारी

मुंबई। विपक्षी दलों का महागठबंधन इंडिया के नए लोगो को लेकर कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने शनिवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) के लोगो का अनावरण 31 अगस्त को होने की संभावना है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम चव्हाण ने कहा कि लगभग 31 अगस्त को मुंबई में नवगठित विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक में 26 से 27 दलों के भाग लेने की संभावना है। गौरतलब है कि मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अशोक चव्हाण ने कहा, बैठक में लगभग 26 से 27 दल भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि एक अनौपचारिक सभा 31 अगस्त की शाम को मुंबई में होगी और 1 सितंबर को औपचारिक बैठक होगी। अब तक दो बैठकें हो चुकी हैं इसलिए इस तीसरी बैठक में अगले एजेंडे पर चर्चा होगी। हम एक साझा लोगो बनाने का फैसला कर रहे हैं और हो सकता है 31 अगस्त को अनावरण होगा। इससे पहले कांग्रेस नेता पीएल पुनिया ने कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव में गठबंधन की जीत दर्ज होने के बाद इंडिया ब्लॉक के लिए प्रधानमंत्री पद के लिए नाम तय किए जाएंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, भारत गठबंधन ने फैसला किया है कि प्रधानमंत्री का फैसला सत्ता में आने के बाद किया जाएगा। निर्वाचित सांसद प्रधानमंत्री का चयन करेंगे। इंडिया गठबंधन ने तय किया है कि प्रधानमंत्री का फैसला सत्ता में आने के बाद किया जाएगा।

मालूम हो कि इंडिया या इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस कांग्रेस सहित 26 विपक्षी दलों का एक समूह है। पीएम मोदी की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मुकाबला करने और उसे 2024 के लोकसभा चुनावों में केंद्र में लगातार तीसरी बार जीतने से रोकने के लिए पार्टियां एक साथ आई हैं।

विपक्ष की पहली बैठक 23 जून को बिहार के पटना में और दूसरी बैठक 17-18 जुलाई को कर्नाटक के बेंगलुरु में हुई थी। इसके बाद तीसरी बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर को महाराष्ट्र के मुंबई में होने वाली है।

शरद पवार ने दोहराया- राकांपा में कोई विभाजन नहीं

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को एक बार फिर अपनी पार्टी में टूट से इनकार किया और कहा कि यह सच है कि कुछ विधायक पार्टी छोड़कर चले गए हैं, लेकिन केवल विधायकों का मतलब पूरी राजनीतिक पार्टी नहीं है। पवार ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में संवाददाताओं से कहा कि वह राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और जयंत पाटिल इसकी राज्य इकाई के प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, राकांपा विभाजित नहीं हुई है। हालांकि यह सच है कि कुछ विधायक चले गए हैं, लेकिन विधायकों का मतलब राजनीतिक पार्टी नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह पार्टी के बागियों के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, बागियों के नाम लेकर उन्हें महत्व क्यों दिया जा रहा है। शुक्रवार को जब पवार से उनकी बेटी और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के बयान के बारे में पूछा गया कि राकांपा विभाजित नहीं हुई है और अजित पवार उसके नेता बने रहेंगे, तो उन्होंने कहा, हां... इस बारे में कोई विवाद नहीं है। लेकिन कुछ घंटे बाद पवार ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया।

खेल
प्रमुख समाचार

रोनाल्डो ने करियर की 63वीं हैट्रिक बनाई

रियाद। खेलों की दुनिया में थोड़ा सा भी दखल रखने वाले लोग पुर्तगाल के फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम से वाकिफ होंगे। महानता का शब्द उनके कद के सामने छोटा पड़ जाता है। रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

पुर्तगाली लीजेंड ने अल-नासर की अल-फतेह पर शानदार जीत में अपनी हैट्रिक बनाई। रोनाल्डो की करियर की 63वीं हैट्रिक और सादियो माने के दो गोल की मदद से अल-नासर ने शुक्रवार को अल फतेह पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। गौरतलब है कि मैच के बाद रोनाल्डो हैट्रिक बॉल अपने साथ ले गए। फुटबॉल के इतिहास में किसी खिलाड़ी द्वारा करियर में सबसे ज्यादा हैट्रिक बनाने के मामले में रोनाल्डो दूसरे स्थान पर हैं। वह केवल दिग्गज पेले से पीछे हैं, जिनके नाम 92 हैट्रिक हैं। 2016 यूरो कप चैंपियन खिलाड़ियों में अग्रणी गोल-स्कोरर है और उसके फुटबॉल प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी 57 हैट्रिक के साथ उसके पीछे खड़े हैं। यह अल-अलामी (अल नासर) की सीज़न की पहली जीत थी, क्योंकि इससे पहले उन्हें दो हार का सामना करना पड़ा था। वे 2023 में 18-टीम ग्रुप चरण में 10वें स्थान पर हैं। रोनाल्डो के क्लब को अल एत्तिफ़ाक और अल तावौन के हाथों क्रमश: 1-2 और 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार, 29 अगस्त को अपने अगले ग्रुप गेम में उनका सामना अल शबाब से होगा। पांच बार बलोन डिओर जीत चुके रोनाल्डो अब तक रियाल मैड्रिड, युवेंटस और मैनचेस्टर युनाइटेड के लिये खेल चुके हैं। उन्होंने अल नासर क्लब के साथ विश्व कप के बाद जून 2025 तक का करार किया। विश्व कप में रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम क्वार्टर फाइनल में मोरक्को से हार गई थी। उन्हें नॉकआउट चरण के मैच में बेंच पर भी बैठना पड़ा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

भारतीय रियल एस्टेट बाजार 2047 तक बढ़कर 5,800 अरब डॉलर का हो जाएगा: रिपोर्ट

नईदिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार 2047 तक 12 गुना से अधिक होकर 5,800 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। पिछले साल यह आंकड़ा 477 अरब अमेरिकी डॉलर का था। नारेडको-नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी देने के साथ ही बताया गया कि यह क्षेत्र कुल आर्थिक उत्पादन में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान देगा। रियल एस्टेट कारोबारियों की संस्था नारेडको और संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने शुक्रवार को 'इंडिया रियल एस्टेट: विजन 2047' नाम से एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का आकार 2047 तक बढ़कर 5,800 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। इसके साथ ही रियल एस्टेट क्षेत्र की कुल आर्थिक उत्पादन में हिस्सेदारी बढ़कर 15.5 प्रतिशत जो जाएगी, जो इस समय 7.3 प्रतिशत है।

ईएमआई पर डिफॉल्ट किया तो खतरे में पड़ सकती है प्रॉपर्टी

नईदिल्ली। अगर कोई लोन लेता है और उसकी ईएमआई चुकाने में समस्या होती है, तो ऐसे में जिस बैंक से लोन लिया गया है उसके पास लोन की राशि को रिकवर करने के लिए कई अधिकार हैं। अगर कोई ईएमआई डिफॉल्ट करता है तो ऐसे में बैंक या वित्तीय संस्थाएं उसकी प्रॉपर्टी नीलाम कर सकती है। हालांकि इसके लिए कुछ नियम है और बैंक को कुछ प्रोसेस फॉलो करते होते हैं। इसी से जुड़ा एक्ट है सरफसी एक्ट जो प्रॉपर्टी को नीलाम करने से संबधित है। सरफेसी एक्ट 2002 में पारित हुआ था। जब लोन लेने वाला ,बकाया पैसा चुकाने में नाकाम होता है तो उस स्थिति में ये बैंक और वित्तीय संस्थाओं को लोन लेने वाले की संपत्ति बेचकर अपना पैसा वसूल करने का अधिकार देता है। इसके लिए उसे कोर्ट की मंजूरी नहीं लेनी पड़ती है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को 3,289 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले

नईदिल्ली। रक्षा क्षेत्र की नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को जुलाई और अगस्त 2023 में (अब तक) 3,289 करोड़ रुपये के नए रक्षा और गैर-रक्षा ठेके मिले हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि ये ठेके निचले स्तर के हल्के रडार, सोनार, आईएफएफ सिस्टम, सैटकॉम सिस्टम, ईओ/आईआर पेलोड, टीआरएम/डीटीआरएम, जैमर, एनक्रिप्टर, डेटा लिंक सिस्टम, फायर कंट्रोल सिस्टम, डायरेक्टेड एनर्जी सिस्टम के लिए रडार, सेमी रग्ड टेलीफोन एक्सचेंज, सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो और विभिन्न प्रकार के रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, एएमसी और कलपुर्जों की आपूर्ति के लिए हैं। बीईएल ने बयान में कहा कि इनमें फ्लीट सपोर्ट जहाजों के लिए सीएमएस, संचार प्रणाली, ईडब्ल्यू सिस्टम और अन्य सेंसर की आपूर्ति के लिए हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड से शुक्रवार को मिला 1,075 करोड़ रुपये का ठेका भी शामिल है।

फूड डिलीवरी कंपनी ने शुरू की आईपीओ की तैयारी

नईदिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी 2024 में शेयर बाजार में लिस्ट होने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपना आईपीओ लाने की काफी समय से प्लानिंग कर रही है, लेकिन शेयर बाजार में जारी भारी उतार-चढ़ाव को देखते हुए इस प्रक्रिया को रोक दिया था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने शुक्रवार (25 अगस्त) को एक रिपोर्ट में जानकारी दी कि कंपनी अपना आईपीओ के वैल्यूएशन का आकलन करने के लिए बैंकरों से बातचीत कर रही है। स्विगी की राइवल कंपनी जोमोटो पहले से ही खुद को शेयर बाजार में लिस्ट करवा चुकी है। कंपनी के शेयर्स को इस साल अब तक 54.8 फीसदी का मुनाफा कमाया। अब स्विगी भी अगले साल तक मार्केट में लिस्ट होने की तैयारी में जुट गई है। स्विगी में जापान की एक नामी इनवेस्टमेंट फर्म, साफ्टबैंक ने इसमें इन्वेस्ट किया हुआ है।

चीन में सुस्ती के बीच भारत में नए अवसर

डॉ जयंती लाल भण्डारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक-वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में दो महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन की सुस्ती का दौर है और भारत की विकास दर चीन की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। दो, चीन की बढ़ती हुई आर्थिक समस्याओं और आपदाओं के बीच भारत के लिए आर्थिक अवसरों का नया दौर आकार ग्रहण करते हुए दिखाई दे रहा है। चीन-ताइवान के बीच चरम पर पहुंची तनातनी और चीन के द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका विरोध की रणनीति के कारण चीन से निकलकर कई बड़ी कंपनियां भारत में काम शुरू कर चुकी है।

हाल ही में 3 अगस्त को दुनिया की दिग्गज आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाली ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 6.2 फीसदी के साथ चीन से अधिक है। इस दशक के अंत तक जहां भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत पर रहेगी, वहीं चीन 3.9 प्रतिशत की सुस्त दर से विकास करेगा यानी भारत की विकास दर की रफ्तार चीन से दो तिहाई ज्यादा रहेगी। खास बात यह है कि मॉर्गन स्टेनली ने भारत की इकोनॉमिक आउटलुक रेटिंग बढ़ाकर ओवरवेट, तो चीन की घटाकर इक्वलवेट की है। ओवरवेट रेटिंग का मतलब बाजार दूसरों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और आगे भी प्रगति की पूरी संभावनाएं है। भारत की इकोनॉमी अपनी श्रेणी के दूसरे देशों से बेहतर करेगी, जिसकी वजह से इसका शेयर बाजार भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। चीन की रेटिंग का इक्वलवेट होना बताता है कि चीन के प्रति वैश्विक निवेशकों की भावना नकारात्मक है।

यदि हम चीन की अर्थव्यवस्था को देखें तो पाते हैं कि वित्त वर्ष 2023-24 की डगर पर चीन की अर्थव्यवस्था निराशाओं और मुश्किलों से घिरी हुई है। विश्व बैंक के मुताबिक चीन की विकास दर करीब 5.6 फीसदी रह सकती है। चीन के बाजार में सुस्त उपभोक्ता खर्च, निर्यात में गिरावट, संकटग्रस्त संपत्ति बाजार, बढ़ती बेरोजगारी, भारी स्थानीय सरकारी ऋण, घरेलू मांग में कमी, कमोडिटी की कीमतों से लेकर इक्विटी बाजारों तक गिरावट, कर्मचारियों की छंटनी जैसी आर्थिक मुश्किलों और आपदाओं का परिवेश दिखाई दे रहा है। कुछ साल पहले बार-बार यह कहा जा रहा था कि चीन तेजी से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अमेरिका से आगे निकल जाएगा और वर्ष 2028 तक दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। लेकिन अब अमेरिका की आर्थिक स्थिति तक पहुंचने में चीन को निश्चित रूप से अधिक समय लगेगा। अर्थविशेषज्ञों का मत है कि चीन 30 वर्षों की अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि के बाद जापान शैली की धीमी विकास की स्थिति की तरह दिखाई दे रहा है। अमेरिका की इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के मुताबिक चीन को अमेरिका से आगे निकलने के लिए 2040 के दशक तक इंतजार करना होगा। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार के पास आर्थिक चुनौतियों के समाधान के लिए आसान विकल्प नहीं हैं। दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में भारत को एशिया के सबसे उभरते बाजारों की लिस्ट में पहले नंबर पर रखा है। भारत में ढांचागत विकास की तेजी, बढ़ते विदेशी निवेश, बढ़ते शेयर बाजार, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, मध्यम वर्ग की ऊंची क्रय शक्ति, कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती, प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम तथा बढ़ते हुए कामकाजी उम्र वाले लोग अर्थव्यवस्था की ताकत बढ़ा रहे हैं। एसएंडपी ग्लोबल ने अपनी 'लुक फॉरवर्ड: इंडियाज मोमेंट' रिपोर्ट 2023 में कहा है-वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2031-32 तक भारत औसतन 6.7 फीसदी सालाना दर से आगे बढ़ेगा। इस समयावधि में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.4 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 6.7 लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग दोगुना हो जाएगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि एक वर्ष पहले दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा।

टूटने लगा है चीन के शीर्ष नेतृत्व का गुरूर

उमेश चतुर्वेदी

जून 2020 में गलवान में भारतीय जांबाजों ने जिस तरह चीनी सैनिकों को जवाब दिया था, वह इतिहास में दर्ज हो चुका है। चीन को शायद गलतफहमी थी कि भारत 1962 का ही देश है, जब उसने शांतिप्रिय देश को धोखा दिया था। लेकिन भारतीय अभिमान अब जाग गया है और जून 2020 में देश के निहत्थे जाबांज सैनिकों ने चीन की सेना को नए भारत का तेवर दिखा दिया। तब से भारत ने जो रूख अख्तियार किया, उसके बाद चीन को जैसे सांप सूंघ गया। शायद उसी का असर है कि अब चीन के शीर्ष नेतृत्व का गुरूर टूटने लगा है। जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग की मुलाकात को चीन के बदलते रवैये के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन के राष्ट्रपति आखिरकार यह मानने को तैयार हो गए कि सीमा पर तनाव जारी रहेगा तो इसका असर दोनों देशों के आर्थिक हितों पर पड़ेगा। यह ठीक है कि चीन दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। लेकिन यह भी सच है कि गलवान के बाद जिस तरह भारत ने कार्रवाई की, चीन से आयात पर लगाम कसने की शुरुआत की, उसके कई ऐप को प्रतिबंधित किया, उससे थोड़ा ही सही, चीन पर असर पड़ा है। वैसे चीन की अर्थव्यवस्था इन दिनों हिचकोले खा रही है। उसकी साम्राज्यवादी नीतियों के चलते दुनियाभर में जो देश पहले उसके मुरीद होते थे, वे भी अब उससे या तो दूरी बनाने लगे हैं या फिर चीन की कंपनियों के खिलाफ उन देशों में प्रदर्शन शुरू हो गया है। हाल के वर्षों में कुछ अफ्रीकी देशों में चीनी कंपनियों के खिलाफ हुए प्रदर्शन इसके गवाह हैं। ले-देकर चीन के साथ पाकिस्तान खड़ा है। लेकिन उसके रोड एंड बेल्ट प्रोजेक्ट को लेकर पाकिस्तान की जनता में भी असंतोष पनपने लगा है। हाल के कुछ महीनों में चीनी कामगारों और इंजीनियरों की हत्या और उन पर हुए हमलों को इसी नजरिए से देखा जा रहा है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि शांति और अहिंसा के देव बुद्ध के अनुयायियों की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले देश की शासकीय नीति आधिपत्यवादी है। इस नीति के चलते उसके पड़ोसी देश, विशेषकर पूर्वी एशिया के देश भी उससे दूरी बनाने लगे हैं। वियतनाम जैसे देश तो कई बार खुलकर उसका विरोध करते हैं। इसलिए चीन पर दबाव स्वाभाविक है। शायद यही वजह है कि चीन के राष्ट्रपति को ब्रिक्स सम्मेलन में खुलकर कहना पड़ा कि उसकी नीति साम्राज्यवादी नहीं है। बल्कि चीन विकासशील देश है। शायद उनका आशय यह रहा कि चीन की नीतियां विकासवादी हैं, साम्राज्यवादी नहीं। चीन को अमेरिका चौतरफा घेरने की कोशिश में है। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ अमेरिका ने क्वाड का गठन करके एक तरह से चीन को सामरिक रूप से घेरने की कोशिश की है। इन सब घटनाओं का चीन की अंदरूनी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। बेशक शी जिनपिंग अब भी देश के सर्वोच्च नेता हैं, लेकिन उनके नेतृत्व को लेकर भी सबकुछ ठीक नहीं है। ऐसे में उन्हें भी पड़ोसियों की चिंता होने लगी है। इधर भारत न सिर्फ तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश है, वरन सीमा पर भारतीय सैनिकों ने चीन को मुंहतोड़ जवाब भी दिया है, शायद यही वजह है कि शी जिनपिंग को यह स्वीकार करना पड़ा है कि लद्दाख सीमा पर शांति होनी चाहिए, जो भारत और चीन के रिश्ते के लिए जरूरी है। जोहान्सबर्ग में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत का निचोड़ यही है। इसी बातचीत के दौरान दोनों शीर्ष नेता लद्दाख सीमा पर तनाव को कम करने को लेकर सहमत हुए। इसके बाद माना जा रहा है कि अब दोनों देशों के बीच हाल के वर्षों में जो कुछ असहजता थी, वह अब खत्म हो सकती है। इसे समझने के लिए हमें चीन के विदेश मंत्रालय के बयान को देखना होगा। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने दोनों शीर्ष नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद कहा है कि, शी जिनपिंग ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। दोनों नेताओं ने वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य सवालों पर स्पष्ट और गहन विचारों पर चर्चा की। ब्रिक्स बैठक में पहुंचे दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने द्विपक्षीय मसलों पर भी चर्चा की और नियंत्रण रेखा पर जारी तनाव को कम करने या खत्म करने को लेकर तकरीबन सहमत हो चुके हैं।

राहुल गांधी गलती दोहरा रहे

अजय सेतिया

राहुल गांधी 17 अगस्त को दो दिन के दौरे पर लद्दाख गए थे, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्होंने अपना दौरा बढ़ाकर नौ दिन का कर लिया। हालांकि उनके इस एडवेंचर दौरे के दौरान उनकी राजनीतिक गतिविधियां भी रहेंगी, लेकिन ज्यादातर समय विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण और कल्चरल प्रोग्रामों में हिस्सा लेने में बीतेगा। बहुत कम आबादी और एक लोकसभा सीट वाले केंद्र शासित क्षेत्र में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का नौ दिन रहना राहुल की विदेश यात्राओं की तरह चर्चा का विषय बन गया है। जब भी कभी उनकी राजनीतिक परिपक्वता की छवि बनने लगती है, वह कोई न कोई ऐसी घटना को अंजाम दे देते हैं, जिस पर दूसरे दल उन्हें संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं।

राहुल गांधी ने पिछले छह महीने में जितने भी भाषण दिए, उनमें अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र जरुर किया। उनकी यह भारत जोड़ो यात्रा राजनीतिक अनुभव और एडवेंचर का मिलाजुला रूप थी। हालांकि उन्हें राजनीतिक तौर पर पिछले बीस साल में चार बार लांच किया गया, लेकिन उनकी सबसे मजबूत लांचिंग भारत जोड़ो यात्रा से हुई है। कांग्रेस ने राहुल गांधी की अंतिम लांचिंग के दौरान ही गांधी परिवार से बाहर एक दलित को पार्टी अध्यक्ष बनाकर यह संकेत भी दिया कि कांग्रेस गांधी परिवार से बाहर भी सोच सकती है। कांग्रेस के गांधी परिवार से बाहर सोचने के नतीजे हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मिले। इसी बीच राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और संसद से उनकी बर्खास्तगी, दो ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने उनकी राजनीतिक छवि उभारने का काम किया। इसी के बाद विपक्षी एकता के प्रयास भी सफल हुए, क्योंकि क्षेत्रीय पार्टियों को एहसास हुआ कि कांग्रेस फिर से पटरी पर लौट रही है।

याद कीजिए इससे पहले ममता बनर्जी और केसीआर गैर कांग्रेस, गैर भाजपा दलों का गठबंधन बनाने की कोशिशें कर रहे थे। हालांकि ममता बनर्जी की रणनीति क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने के बाद उस गठबंधन का कांग्रेस से गठबंधन करने की थी। जबकि विपक्षी एकता की कोशिशों में बाद में जुड़े नीतीश कुमार और स्टालिन कांग्रेस की अगुआई में ही विपक्षी एकता के पक्षधर थे। जैसे ही कर्नाटक के चुनाव नतीजे आए ममता बनर्जी ने अपनी कोशिशें बंद करके कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों का मिलाजुला गठबंधन बनाने पर सहमति दे दी। अखिलेश यादव को साथ लाने में अहम भूमिका लालू यादव की रही, जबकि केजरीवाल को साथ जोड़ने में दिल्ली सेवा अध्यादेश की अहम भूमिका रही। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार दोनों केजरीवाल पर डोरे डाल रहे थे, लेकिन उन्हें सफलता तब मिली, जब केजरीवाल को दिल्ली सेवा बिल पर विपक्ष के समर्थन की जरूरत महसूस हुई। इंडिया नाम का जो गठबंधन बना है, उसमें भले ही थोड़ी बहुत, लेकिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की भी भूमिका रही है। राहुल गांधी के कन्विक्शन पर सुप्रीमकोर्ट का स्टे लगने और मानसून सत्र में उनके लोकसभा में दिए गए भाषण ने उन्हें फिर से हमलावर नेता के तौर पर प्रतिस्थापित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी की लोकसभा में वापसी के बाद उनकी छवि पर चीनी ठप्पा लगाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। लोकसभा में निशीकांत दूबे, स्मृति ईरानी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और कई अन्य भाजपा सांसदों ने गांधी परिवार और खासकर राहुल गांधी के चीन के साथ संबंधों पर सवाल उठाए थे। अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस की तरफ से किसी भी वक्ता ने उन सवालों का जवाब देने की जहमत नहीं उठाई।

राहुल गांधी संसद के भीतर और संसद से बाहर भी भारतीय भूभाग पर चीनी कब्जे और सीमान्त इलाकों में चीनी कम्युनिस्ट सेना के भारतीय सेना पर हावी होने के मुद्दे उठाते रहे हैं। वह फीडबैक उन्हें कुछ पत्रकारों से मिलता रहा है। चीन के लिए काम करने के आरोप में इस समय भी तीन पत्रकार भारतीय जेलों में हैं, जिनमें से एक तो दिल्ली में मुख्य धारा का पत्रकार था। अभी हाल ही में न्यूजक्लिक नामक भारतीय वेबसाईट के बारे में खुलासा हुआ है कि वह चीन के समर्थन में लेख लिखवाने के लिए चीन से भारी भरकम पैसा हासिल कर रही थी। भारतीय भूभाग पर चीनी कब्जे को लेकर भारतीय मीडिया में पिछले तीन दशक से खबरें चलती रही हैं। इसी साल जनवरी में हिन्दू अखबार की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख में जिन 65 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग किया करती थी, उनमें से 26 प्वाइंट्स पर चीन ने कब्जा कर लिया है। अखबार का दावा था कि दिल्ली में हुई वार्षिक पुलिस कांफ्रेंस में रखे गए एक पेपर मे यह बात कही गई है। इस खबर में यह भी कहा गया था कि हाल ही में पीपी 15 और पीपी 16 पर हुए समझौतों के परिणामस्वरूप भारत को गोग्रा पहाड़ियों, पेंगोग त्सो के उत्तरी तट और काक्जंग क्षेत्रों में चारागाह भूमि का नुक्सान हुआ है। इस तरह की खबरें यूपीए शासनकाल में भी आती रही हैं। भारत में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से एक दूसरे को कटघरे में खड़ा करने के लिए इन खबरों का राजनीतिक इस्तेमाल होता रहा है। इन राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों का चीन सरकार चीनी मीडिया में अपनी जनता का मनोबल बढ़ाने के लिए खूब इस्तेमाल करती हैं।

राहुल गांधी ने 20 अगस्त को अपने पिता राजीव गांधी का जन्मदिन पूर्वी लद्दाख की उसी 134 किलोमीटर लंबी पेंगोंग त्सो लेक पर श्रद्धांजलि देकर मनाने का फैसला किया है, जिसका 45 किलोमीटर हिस्सा भारत के नियन्त्रण में है, जबकि बाकी दो तिहाई हिस्सा चीन के नियन्त्रण में है। भारत तिब्बत सीमा पुलिस ने 15 अगस्त को वहां झंडा फहरा कर भारत माता की जय के नारे लगाए और राष्ट्रीय ध्वज के साथ परेड भी की थी। पेंगोंग त्सो लेक और गलवान घाटी वह इलाका है, जहां शुरू से भारत और चीनी सैनिकों के बीच झडप होती रही है। 15 जून 2020 को गलवान घाटी के पीपी 14 पर भारतीय और चीन की कमुनिस्ट सेना में मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ के बाद चीन और भारत दोनों ने पेंगोग लेक में पेट्रोलिग बोट्स की संख्या बढ़ा दी थी। जून 2020 की मुठभेड़ के बाद भारत ने इस पूरे इलाके में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रखी है। भारत ने 68 हजार सैनिकों को तैनात किया है और बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्टक्चर का निर्माण किया है। पेंगोग लेक पर आठ फिंगर प्वाइंट हैं। भारत का दावा है कि सभी फिंगर प्वाइंट इसके इलाके में आते हैं, लेकिन चीन फिंगर 5 से 8 पर दावा करता है। फींगर 4 पर भारतीय सेना की पोस्ट है। राहुल गांधी का लद्दाख जाना कतई विवाद का मुद्दा नहीं हो सकता, क्योंकि यह भारत के हर नागरिक का हक है। एक राजनीतिक नेता के नाते वह राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने कहीं भी जा सकते हैं। अगले महीने कारगिल हिल कौंसिल का चुनाव भी है। लेकिन अपना दौरा बढ़ा लेना और भारत चीन में टकराव का कारण बनी पेंगोग लेक पर जाना निश्चित ही राजनीतिक विवादों को जन्म देगा, जिससे राहुल गांधी को बचना चाहिए था। भाजपा इसे भुनाने का कोई मौक़ा नहीं चूकेगी और उनकी यह गलती इंडिया गठबंधन को महंगी पड़ सकती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

प्रजापति ने कहा-नृसिंह भगवान् अपनी महिमा से सभी लोकों, देवताओं, सब भूतों और सभी आत्माओं का निरन्तर उत्थान करते रहते हैं। सबकी सृष्टि करते, सबका विस्तार करते तथा संहार भी वे ही करते हैं। पूरी सृष्टि को अपने में लीन कर लेते हैं। वे ही संसार पर अनुग्रह करते तथा दूसरों से भी कराते हैं, उनको इसीलिए उग्र कहा जाता है। ऋग्वेद में इस विषय में कहा गया है कि जिनकी प्रार्थना श्रुतियाँ करती हैं, उन्हीं परमात्मा की स्तुति करो। परमात्मा हृदय रूपी गुफा में नव तारुण्य रूप में शोभायमान हैं। वे भगवान् सिंहरूप धारण करने के बाद भी भक्तों के लिए विकराल नहीं हैं। वे सर्वत्र सबके पास पहुँचकर सब पर अनुग्रह करने वाले हैं। साधकों का कल्याण और दुष्टों का संहार करने के कारण उन्हें उग्र कहा जाता है। है नृसिंह भगवन! हम आपकी प्रार्थना करते हैं, आप हमारा कल्याण करें। हमारे ऊपर आपकी भयंकर सेना आक्रमण न करे, कहीं अन्यत्र चली जाये। इन्हीं कारणों से उन्हें उग्रम कहा गया है।

देवताओं ने पुनः प्रश्न किया प्रभो! वीरम विशेषण भगवान् नृसिंह को क्यों दिया गया है? ब्रह्माजी बोले- वे अपनी महिमा से सभी लोकों, सभी आत्माओं, सभी देवताओं और सभी भूतों के साथ अनेक प्रकार से क्रीड़ा करते हैं, क्रीड़ा (का आनन्द प्राप्त) कराते हैं, सतत सबको उत्पन्न करते, सभी का उपसंहार करते एवं सभी को स्थिरता प्रदान करते हैं। (ऋग्वेद की ऋचाओं में भी कहा गया है कि) भगवान् नृसिंह भक्तों पर अविलम्ब कृपा करने वाले हैं। वे वीर हैं, कर्मठ रूप होकर सोमयाग में पाषाण युक्त होकर अध्वर्यु आदि के रूप में सोम अभिषुत करने वाले हैं। देवताओं को उत्पन्न करने की कामना भी वही करते हैं। इस कारण उन्हें वीरम कहा जाता है।

(देवताओं ने प्रश्न किया- भगवन! यह बताने की कृपा करें कि भगवान् नृसिंह को) महाविष्णुम् नाम से क्यों सम्बोधित करते हैं (प्रजापति बोले सभी भूतों, सभी देवों, सभी लोकों में भगवान् नृसिंह अपनी महिमा से समान रूप से व्याप्त हैं। जिस प्रकार से मांस पिण्ड में चिकनाई व्याप्त है, वैसे ही वे सभी अवयवों समेत पूरे शरीर में व्याप्त हैं। यह संसार उन्हीं से ओत-प्रोत होने के कारण प्रलयकाल में उन्हीं में लीन हो है। (इनकी महिमा का वर्णन ऋग्वेद में किया गया है) जो प्रजापालक, प्रजा द्वारा उपासना किये जाते हैं। सर्वत्र समान रूप से व्याप्त प्रजापालक हैं और जिनके समान कोई हुआ ही नहीं, वे भगवान् नृसिंह ज्योतियों में सोलह कलाओं से युक्त होकर व्याप्त रहते हैं, इसी कारण उन्हें महाविष्णुम कहा गया है।

क्रमशः...

सर डॉन जॉर्ज ब्रैडमैन विश्व के महानतम बल्लेबाज

सर डॉन जॉर्ज ब्रैडमैन ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर थे जो विश्व के महानतम बल्लेबाज माने जाते हैं। उनका जन्म आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के कोटा मुंद्रा शहर में 27 अगस्त 1908 को हुआ था। उनकी माता का नाम ऐमिली तथा पिता का नाम जॉर्ज ब्रैडमैन था। इनका एक भाई तथा तीन बहने थीं। भाई का नाम विक्टर तथा बहनों का नाम आईलेट, लिलियन तथा एलिजाबेथ मेय था। ब्रैडमैन को क्रिकेट से बहुत लगाव था और वे बचपन से ही बल्लेबाजी का अभ्यास करते रहते थे। उन्होंने खुद सोलो क्रिकेट की स्थापना की थी। सर ब्रैडमैन ने मात्र 12 साल की उम्र में अपने बाउरल स्कूल क्रिकेट टीम की तरफ से पहली सेंचुरी लगाई थी, 115 रन नॉट आउट।

ब्रैडमैन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैरियर की शुरुआत ब्रिसबेन में 30 नवंबर 1928 को इंग्लैंड के खिलाफ की थी परंतु इस मैच में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पहली पारी में 18 और दूसरी पारी में सिर्फ एक ही रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए दूसरी पारी में 742 रन बनाने थे परंतु वह सिर्फ 66 रन बनाकर आउट हो गई और इंग्लैंड ने यह मैच 675 रनों के भारी अंतर से जीत लिया था।

क्रिकेट जगत में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में भारत के सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा, गरी फील्ड सोवर्से, ऑस्ट्रेलिया के एलेन बॉर्डर, शेन वार्न और न्यूजीलैंड के रिचर्ड हेडली आदि का नाम सामने आता है, परंतु सर ब्रैडमैन का नाम इन सबसे ऊपर आता है। क्रिकेट में सर ब्रैडमैन के नाम बहुत सारे रिकॉर्ड्स हैं, उनमें से कुछ तो टूट गए परंतु कुछ अभी तक अछूते रहे हैं जैसे टेस्ट क्रिकेट में 99.94 का औसत जो टेस्ट क्रिकेट में असंभव लगता है। सर डॉन ब्रैडमैन 1930 से 1940 के दशक में क्रिकेट जगत पर पूरी तरह से छाए हुए थे। उस समय उनके रिकॉर्ड के आसपास भी दुनिया में कोई अन्य बल्लेबाज नहीं था।

ब्रैडमैन ने अपने 20 साल के क्रिकेट कैरियर में 52 टेस्ट मैचों की 80 पारियों में 99.94 के औसत से 6696 रन बनाए हैं, जिनमें 29 शतक शामिल हैं। यद्यपि उनके 29 शतकों की संख्या का रिकॉर्ड तो सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, एलन बॉर्डर आदि क्रिकेटरों ने तोड़ दिया है परंतु मात्र 80 पारियों में 29 शतक बनाने का रिकॉर्ड अभी तक नहीं टूटा है (अगले सबसे तेज 29 टेस्ट शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने इसके लिए 148 पारियां खेलीं)।

52 टेस्ट मैचों में 12 दोहरे शतक लगाने का रिकॉर्ड अभी भी सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। इतने टेस्ट मैचों में यह भी रिकॉर्ड टूटना असंभव है (श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 11 दोहरे शतक 223 पारियों में तथा वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा 9 दोहरे शतक 232 पारियों में बनाये थे)। ब्रैंडमैंन ने प्रथम श्रेणी मैचों में 234 मैचों में 95.14 की औसत से 28067 रन बनाए हैं जिसमें 117 शतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका उच्चतम स्कोर 334 तथा प्रथम श्रेणी में 452 नॉट आउट था।

20 साल के फर्स्ट क्लास करियर में उन्होंने 6 तिहरे शतक लगाए थे। एक घरेलू मैच के दौरान ब्रैडमैन ने सिर्फ 3 ओवरों में ही शतक ठोक दिया था, उस समय (1931में) ओवर 8 गेंदों का हुआ करता था। पहले ओवर में 30 रन, दूसरे ओवर में 40 रन तथा तीसरे ओवर में 27 रन बनाए थे।

निष्काम कर्मयोग के कीर्तिस्तम्भ स्वामी आत्मानंद

प्रो. अश्विनी केशरवानी

रायपुर जिलान्तर्गत मांढर से लगे गांव बरबंदा में कपसदा के मालगुजार श्री मंसाराम वर्मा के पुत्र श्री धनीराम और श्रीमती भाग्यवती के पुत्र रत्न के रूप में 06 अक्टूबर सन् 1929 को प्रातः 6.32 बजे विशाखा नक्षत्र में एक अद्भुत बालक का जन्म हुआ। सुन्दर सलौने और सूर्य के समान तेजस्वी इस बालक ने छत्तीसगढ़ को वेदांतीय आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनाया और स्वामी आत्मानंद के नाम से जग प्रसिद्ध हुआ। माता-पिता दोनों उन्हें महादेव का प्रसाद और आशीर्वाद समझ कर ग्रहण किया और उन्हें रामेश्वर नाम दिया।

बालक रामेश्वर अत्यंत सुन्दर और सुशील थे। उनके केश काले और घुंघराले तथा आंखें चित्राकर्षक थी। सारा गांव उनसे स्नेह रखता था। चार वर्ष की अल्पायु में उन्होंने अपने पिता से हारमोनियम बजाना और गीत गाना सीख लिया। स्कूल और गांव के कार्यक्रमों में हारमोनियम के साथ भजन गाकर वे सबको चमत्कृत कर देते थे। मेट्रिक की परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी में पास की। तत्पश्चात् उच्च शिक्षा के लिए उन्हें नागपुर भेजा गया। वे वहां श्रीरामकृष्ण मिशन के छात्रावास में रहने लगे और वहां के हिस्लाप कॉलेज में भर्ती हो गये। आश्रम के पुनीत परिवेश में उनकी गगनगर्भी आध्यात्मिकता की भूख तीव्र हो गयी। वे स्वामी रामकृष्ण परमहंस देव और स्वामी विवेकानंद की भावधारा से अनुप्राणित हो उठे। ऋषितुल्य सन्यासियों के सहचर्य में उन्हें अपने जीवन के महान् उद्देश्य का आभास होने लगा। आश्रम में उन्हें सब ''तुलेन्द्र'' के नाम से पुकारते थे। उनका जीवन बड़ा सात्विक था। धोती-कुर्त्रा उनकी पोशाक थी। उनका यही सादगीपन उन्हें विरागी होने का मार्ग दिखा। जब उनके पिता जी को उनके वैराग की ओर झुकाव का पता चला तब वे उन्हें वहां से हटाकर साइंस कालेज छात्रावास में दाखिल करा दिये। लेकिन उनका आश्रम से सतत संपर्क बना रहा। सन् 1949 में बी. एस-सी. की परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी में पास की। पूरे विश्वविद्यालय में मेरिट में उनका दूसरा स्थान था। इसके बाद उन्होंने सन् 1951 में गणित विषय में एम. एस-सी. प्रथम श्रेणी और विश्वविद्यालय में मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें ''गोल्ड मेडल'' प्रदान किया गया। उसने आई. ए. एस. की परीक्षा पास की और उसी समय विदेश में उच्च अध्ययन के लिये फेलोसिप की स्वीकृति मिली। लेकिन तब तक उन्होंने अपने जीवन के प्रयोजन को समझ लिया था। उन्होंने न तो आई. ए. एस. बनना स्वीकार किया, न ही विदेश में उच्च शिक्षा के लिए जाना..। वे श्रीरामकृष्ण संघ में ब्रह्मचर्य व्रत में दीक्षित होकर आध्यात्मिक साधना में रत हो गये।

स्वजनों और परिजनों के लिए उनका विरागी होना एक अतुलनीय वज्रपात था। मगर वे कर भी क्या सकते थे ? सन् 1957 में ब्रह्मचारी तुलेन्द्र वर्मा विधिवत ब्रह्मचर्य मंत्र में दीक्षित हुए और उन्हें ''ब्रह्मचर्य तेज चैतन्य'' नाम दिया गया। श्रीरामकृष्ण आश्रम नागपुर में वे लगभग 8 वर्ष तक रहे। इन वर्षो में वे कठोर साधना में लीन रहे। ब्रह्मचर्य दीक्षा के उपरान्त ब्रह्मचर्य तेज चैतन्य में एक दैवीय विकलता का सूत्रपात हुआ। उन्हें स्पष्ट आभास होता था कि उनके जीवन की सुनिर्दिष्ट दिशा है और उन्हें एक महान कार्य करना है। किंतु कर्मक्षेत्र में पदार्पण करने के पूर्व वे आध्यात्म राज्य की महश्रम उपलब्धियों को प्राप्त करना चाहते थे। उन्हें प्रतीत होता था कि आध्यात्मिकता का महान् क्षेत्र हिमालय उनका आव्हान कर रहा है। सन् 1959 के प्रारंभ में वे कठिन आध्यात्मिक साधना के लिए निकल पड़े। अनेक संत महात्माओं के सत्संग में रहने के बाद कर्मक्षेत्र में पदार्पण करने को उद्यत हुए। उनका कार्यक्षेत्र अब स्पष्ट था। वे रायपुर को अपना कार्यक्षेत्र बनाना चाहते थे। इसे संयोग ही कहा जा सकता है कि स्वामी विवेकानंद अपने बाल्यकाल के दो वर्ष रायपुर में व्यतीत किये थे। उन्होंने रायपुर में एक आश्रम निर्माण की दिशा में प्रयास किया। नगर पालिका भवन में वे हर सप्ताह प्रवचन देने लगे। उनका अंतरगर्भी आध्यात्मिकता उन्हें अल्प समय में लोकप्रिय बना दिया। सन् 1960 में वे तपस्या करने अमरकंटक चले गये। यहां उन्होंने पुण्य सलिला नर्मदा के तट पर सन्यास ग्रहण किया और ''स्वामी आत्मानंद'' कहलाये। अमरकंटक से लौटने पर वे रायपुर में आश्रम निर्माण को गति प्रदान किये और स्वामी विवेकानंद आश्रम उनके संबल के कारण ही आकार ग्रहण कर सका। श्रीरामकृष्ण धारा को प्रचारित करने के लिए उन्होंने पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया। पुस्तकालय, औषधालय, छात्रावास और सत्संग भवन की योजना 3 वर्ष में पूरा किया। यह उनके जीवन साधना का सुफल और आध्यात्मिकता की साकार कहानी है।

स्वामी आत्मानंद की लोकोपयोगी योजना को फलिभूत करने के लिए म. प्र. शासन द्वारा श्रीरामकृष्ण सेवा समिति को भूमि प्रदान की और योजना साकार हो सकी। आश्रम का चलित औषधालय गांव गांव में निःशुल्क चिकित्सा प्रदान करता है। छात्रावास में विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। उनके पढ़ने के लिए पुस्तकालय भी है। सन् 1985 में सुदूर बस्तर के नारायणपुर और अबूझमाड़ क्षेत्र में ''वनवासी सेवा केंद्र'' की स्थापना की। दुर्गम स्थलों जैसे कुतुल दूरकभट्टी, आकाबेड़ा, कच्चापाल और कुंदला के माड़िया बस्तियों में रेसिडेंसियल स्कूल, उचित मूल्य की दुकानें और स्वास्थ्य सेवा केंद्रों की स्थापना करायी। 27 अगस्त सन् 1989 को नागपुर से रायपुर लौटते एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गयी। इतनी सहजता से उन्होंने मृत्यु का वरण कर लिया और हमें विलखता छोड़ गये... हमारी उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित है। छत्तीसगढ़ शासन ने उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए प्रदेश में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल और स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम आदर्श महाविद्यालय प्रारंभ कराया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से देकर बच्चों को राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना हैं। यह बहुत अच्छी पहल है और इसका चारों ओर स्वागत किया जाना चाहिए। आने वाले कुछ वर्षों में जब हमारे प्रदेश के बच्चे राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में अवश्य सफल होंगे।

हिन्द स्वराज्य

सभ्यता का दर्शन

प्रश्न- अब तो आपको सभ्यता की भी बात करनी होगी। आपके हिसाब से तो यह सभ्यता बिगाड़ करने वाली है।

उत्तर- मेरे हिसाब से ही नहीं, बल्कि अंग्रेज लेखकों के हिसाब से भी यह सभ्यता बिगाड़ करने वाली है। उसके बारे में बहुत किताबें लिखी गयी हैं। वहाँ सभ्यता के खिलाफ मण्डल भी कायम हो रहे हैं। एक लेखक ने सभ्यता, उसके कारण और उसकी दवा नामकी किताब लिखी है। उसमें उसने यह साबित किया है कि यह सभ्यता एक तरह का रोग है।

प्रश्न- यह सब हम क्यों नहीं जानते?

उत्तर- इसका कारण तो साफ है। कोई भी आदमी अपने खिलाफ जाने वाली बात करे ऐसा शायद ही होता है। आज की सभ्यता के मोह में फँसे हुए लोग उसके खिलाफ नहीं लिखेंगे, उलटे उसको सहारा मिले ऐसी ही बातें और दलीलें ढूंढ निकालेंगे। यह वे जान-बूझकर करते हैं, ऐसा भी नहीं हैं वे जो लिखते हैं उसे खुद सच मानते हैं। नींद में आदमी जो सपना देखता है उसे वह सही मानता है। जब उसकी नींद खुलती है तभी उसे अपनी गलती मालूम होती है। ऐसी ही दशा सभ्यता के मोह में फँसे हुए आदमी की होती है। हम जो बातें पढ़ते हैं वे सभ्यता की हिमायत करने वालों की लिखी बातें होती हैं। उनमें बहुत होशियार और भले आदमी हैं। उनके लेखों से हम चौधिया जाते हैं। यो एक के बाद दूसरा आदमी उसमें फँसता जाता है।

प्रश्न- यह बात आपने ठीक कही। अब आपने जो कुछ पढ़ा और सोचा है उसका खयाल मुझे दीजिये।

उत्तर- पहले तो हम यह सोचें कि सभ्यता किस हालत का नाम है। इस सभ्यता की सही पहचान तो यह है कि लोग बाहरी (दुनिया) की खोजों में और शरीर के सुख में धन्यता-सार्थकता और पुरुषार्थ मानते हैं। इसकी कुछ मिसालें लें। सौ साल पहले यूरोप के लोग जैसे घरों मे रहते थे उनसे ज्यादा अच्छे घरों में आज वे रहते हैं; यह सभ्यता की निशानी मानी जाती है। इसमें शरीर के सुख की बात है। इसके पहले लोग चमड़े के कपड़े पहनते थे और भालों का इस्तेमाल करते थे। अब वे लम्बे पतलून पहनते हैं और शरीर को सजाने के लिए तरह-तरह के कपड़े बनवाते हैं; और भाले के बदले एक के बाद एक पाँच गोलियाँ छोड़ सके ऐसी चक्करवाली बन्दूक इस्तेमाल करते हैं। यह सभ्यताकी निशानी है।

क्रमशः ...

नेताओं के टिकट पर नौकरशाहों का दावा

समीर चौगांवकर

राजस्थान की राजनीति में विधायकों को अपना टिकट बचाने के लिए नेताओं के साथ-साथ इस बार रिटायर्ड नौकरशाहों से भी तगड़ी चुनौती मिल रही है। सेवानिवृत्त हो चुके नौकरशाह और टिकट के लिए नौकरी छोड़ने वाले अधिकारियों की एक लंबी फौज है, जो कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों से टिकट के लिए दावा ठो?क रहे हैं। राजनीतिक दलों को भी ऐसे नौकरशाहों का साथ पसंद आ रहा है। कांग्रेस और भाजपा दोनों दल अधिक से अधिक नौकरशाहों को अपने साथ जोड़ने की मुहिम में जुटे हैं लेकिन इस मामले में फिलहाल भाजपा का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। हर बार की तरह इस बार भी सत्ता परिवर्तन की संभावना को देखते हुए ज्यादातर ब्यूरोक्रेट्स की पहली पंसद भाजपा बनी हुई है।

राजस्थान में 90 दिन के भीतर विधानसभा चुनाव होने है और इस बार राजस्थान में दो दर्जन से ज्यादा नौकरशाह चुनावी मैदान में ताल ठोकने की तैयारी में है। मध्य प्रदेश के पूर्व डीजीपी पवन जैन, सेवानिवृत्त जज किशन लाल गुर्जर ने भाजपा की सदस्यता लेकर राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने की मंशा जताई है। इसके पहले पूर्व आईपीएस जसवंत सम्पतराम, पूर्व आईएएस डॉ सत्यपाल सिंह, पूर्व आईएएस मनोज शर्मा, रिटायर्ड मुख्य आयकर आयुक्त केआर मेघवाल और रिटायर्ड अतिरिक्त आयुक्त स्टेट जीएसटी दिनेश रंगा ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है।

ऐसा नहीं है कि नौकरशाह सिर्फ भाजपा का दामन थाम रहे हैं। कांग्रेस से भी टिकट मिलने की संभावना को देखते हुए कई नौकरशाह कांग्रेस से भी नजदीकियां बढ़ा रहे हैं। जनवरी 2022 में राजस्थान के मुख्य सचिव पद से रिटायर हुए निरंजन आर्य कांग्रेस के टिकट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। निंरजन आर्य की दलितों में पकड़ मानी जाती है। आर्य सीएम गहलोत के प्रमुख शासन सचिव (सीएमओ) भी रहे हैं। निरंजन आर्य की पत्नी संगीता आर्य को कांग्रेस ने 2008 में सोजत (पाली) से विधायक का चुनाव लड़वाया था, हालांकि वे हार गईं थीं। बाद में गहलोत ने संगीता आर्य को राजस्थान लोक सेवा आयोग का सदस्य बना दिया। अब निरंजन आर्य खुद राजनीतिक पारी की शुरुआत करना चाहते हैं और सोजत (पाली) से कांग्रेस का टिकट चाहते हैं।

पदोन्नत होकर आईपीएस बने अनिल गोठवाल चाकसू आरक्षित सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री

अशोक गहलोत के भरोसेमंद आईपीएस अफसर रहे हरिप्रसाद शर्मा राजनीति में भी अशोक गहलोत के भरोसेमंद राजनेता बनना चाहते हैं। 2018 में हरिप्रसाद शर्मा ने फुलेरा से विधायक का चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली थी, लेकिन कांग्रेस से टिकट नहीं मिल सका। बाद में अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री बनने पर उन्हें कर्मचारी चयन बोर्ड का अध्यक्ष बना दिया था। इस बार संभावना है कि कांग्रेस उन्हें फुलेरा सीट से उम्मीदवार बना सकती है।

राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त रह चुके चंद्रमोहन मीणा भाजपा के टिकट पर बस्सी से ताल ठोंकना चाहते हैं। भाजपा भी चंद्रमोहन मीणा को बस्सी से उतारने पर गंभीरता से विचार कर रही है क्योंकि जयपुर की बस्सी सीट पर भाजपा कमजोर है। भाजपा पिछले तीन चुनाव से इस सीट पर हार रही है। आश्चर्य की बात यह है कि यहां से निर्दलीय चुनाव जीत रहे हैं। 2018 के चुनाव में बस्सी सीट से सेवानिवृत्त आईपीएस लक्ष्मण मीणा ने निर्दलीय के रूप में जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा बस्सी सीट को हर हाल में जीतना चाहती है, इसलिए निर्दलीय मीणा को पार्टी का सिंबल दे सकती है।

इसके अलावा जयपुर जिले की जमवारामगढ़ सीट भी भाजपा पिछले दो चुनाव से हार रही है। इस बार जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने कुछ मा?ह पूर्व उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए आईपीएस गोपाल मीणा को पार्टी की सदस्यता दिलवाकर जमवारामगढ़ में काम करने को कहा है। इसी तरह भाजपा करौली जिले की सपोटरा विधानसभा सीट से लगातार हार रही है। वर्तमान में यहां से कांग्रेस के रमेश मीणा विधायक हैं और गहलोत सरकार में पंचायती राज मंत्री है। भाजपा ने सेवानिवृत्त आईएएस पीआर मीणा को पाटी में शामिल कर लिया है। इस बात की संभावना है कि भाजपा इस पूर्व ब्यूरोक्रेट को सपोटरा से चुनाव लड़वा सकती है।

इसी तरह जाट बाहुल्य सीकर सीट को अपने खाते में करने के लिए भाजपा रिटायर्ड आईपीएस रामदेव सिंह खैरवा को यहां से मैदान में उतार सकती है। पिछले चुनाव में यहां से कांग्रेस के बागी महादेव सिंह ने निर्दलीय जीत दर्ज की थी। रिटायर्ड आईपीएस सतवीर सिंह अलवर जिले की किसी आरक्षित सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। सतवीर सिंह भाजपा से टिकट के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। जयपुर में ट्रैफिक एसपी जैसे पद पर चुके विजय सिंह झाला बिलाड़ा (जोधपुर) से चुनाव लड़ना चाहते हैं। कांग्रेस की सदस्यता ले चुके हैं और अशोक गहलोत के भरोसेमंद माने जाते है। टोंक व दौसा जिले के कलेक्टर और जयपुर नगर निगम के आयुक्त रहे लालचंद असवाल बगरू से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और टिकट के लिए अपने राजनीतिक संपर्क खंगालने में लगे हैं।

अजमेर के एसपी रह चुके सेवानिवृत्त महेंद्र चौधरी भाजपा की ओर से बाड़मेर सीट के लिए जोर लगा रहे हैं। इसके अलावा भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके और जयपुर के संभागीय आयुक्त रहे हनुमान सिंह भाटी चाहते हैं कि भाजपा उन्हें पुष्कर विधानसभा सीट से उम्मीदवारी दे। सीबीआई में डायरेक्टर स्पेशल के पद से रिटायर हुए मदनलाल शर्मा अलवर जिले से अपना राजनीतिक जीवन शुरू करना चाहते हैं और भाजपा के बड़े नेताओं के संपर्क में है। मदनलाल शर्मा ने भाजपा अध्यक्ष नड्डा के जयपुर दौरे के दौरान उनसे मुलाकात भी की थी।

जयपुर के संभागीय आयुक्त रहे केसी वर्मा भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं और फिलहाल निवाई (टोंक) क्षेत्र में सक्रिय हैं। केसी वर्मा ने निवाई से टिकट के लिए भाजपा में आवेदन किया है। निवाई एससी के लिए आरक्षित सीट है। भाजपा के पास कोई दमदार प्रत्याशी न होने के कारण भाजपा निवाई सीट के लिए केसी वर्मा पर दांव लगा सकती है। भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाने वाली समिति के सदस्य और अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी का कहना है कि मोदी के नेतृत्व में समाज का हर वर्ग भाजपा से जुड़ना चाहता है। इसी कारण सेवानिवृत्त हो चुके ब्यरोक्रेट्स भाजपा के माध्यम से देश की राजनीति में सक्रिय होना चाहते हैं। इसमें कुछ गलत नहीं है। पार्टी और समाज को उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। भाजपा से टिकट के लिए लगभग दो दर्जन ब्यूरोक्रेट्स ने आवेदन किया है। इनमें से टिकट किसे मिलेगा यह केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा।

मप्र में मंत्रिमंडल विस्तार के बावजूद बढ़ सकती है भाजपा की मुश्किलें

राहुल संपाल

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से करीब दो माह पहले शनिवार को शिवराज मंत्रिमंडल में तीन नए मंत्रियों को शामिल किया गया है। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने तीनों मंत्रियों को राजभवन में शपथ दिलवाई। इन तीनों मंत्रियों में महाकौशल से गौरीशंकर बिसेन, विंध्य से राजेंद्र शुक्ला और बुंदेलखंड से पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के भतीजे राहुल लोधी शामिल है। बिसेन और शुक्ला को कैबिनेट मंत्री, जबकि लोधी को राज्यमंत्री बनाया गया है। शिवराज कैबिनेट में अब 33 मंत्री हो गए हैं। अभी भी 1 पद खाली है। विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कई बार प्रदेश का दौरा कर चुके हैं। शाह के दौरे पर ही वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी का मुद्दा उठाया गया था। इसके बाद कैबिनेट विस्तार को हरी झंडी दी गई थी। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने के बाद गठित मंत्रिमंडल को लेकर पूर्व सीएम उमा भारती कई बार कह चुकी थीं कि मंत्रिमंडल में जातीय संतुलन नहीं है। उमा के इस बयान के पीछे की वजह यह थी कि मंत्रिमंडल में लोधी समाज का एक भी मंत्री नहीं था, जबकि पिछली भाजपा की सरकारों में कुसुम महदेले और जालम सिंह पटेल मंत्री थे। 2014 में बनी केंद्र में मोदी सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती केंद्रीय कैबिनेट में शामिल थीं। विंध्य में 2018 की विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित सफलता मिलने के बाद भी दमदार नेता राजेंद्र शुक्ला कैबिनेट में शामिल नहीं हो पाए थे। इस वजह से उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ रही थी। गौरीशंकर बिसेन महाकौशल में ओबीसी का बड़ा चेहरा हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी हैं। प्रदेश के मालवा क्षेत्र से आने वाले एक वरिष्ठ विधायक कहते है कि, प्रदेश में आचार संहिता लगने में महज 50 दिन का समय बचा हुआ हैं। सारे विधायक और मंत्री यह मान चुके थे कि अब कोई विस्तार नहीं होगा। यहीं नहीं गृहमंत्री अमित शाह भी बैठक में इसके संकेत दे चुके थे कि संगठन और सत्ता में कोई परिवर्तन नहीं होगा। लेकिन क्षेत्रीय और जातिगत संतुलन को साधने के लिए भाजपा ने मंत्रिमंडल विस्तार किया। जिन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है उनका क्षेत्र में प्रभाव भी है।साथ ही वे जातिगत समीकरण में बिल्कुल फिट बैठते है। बावजूद इसके यह विस्तार पार्टी के लिए घाटे का सौदा साबित हो सकता है। क्योंकि प्रदेश में फिलहाल एक अनार और सौ बीमार जैसी सी स्थिति है। वरिष्ठ विधायक ने कहा, मंत्रिमंडल विस्तार की खबरों के बीच अजय विश्नोई, संजय पाठक, यशपाल सिंहसिसोदिया, नागेंद्र सिंह, सुरेंद्र पटवा, रामपाल सिंह, पारस जैन, करण सिंह वर्मा, महेंद्र हार्डिया और डॉ.सीताशरण शर्मा जैसे वरिष्ठ विधायक मंत्री बनने की आस संजोए बैठे थे। लेकिन उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हुई। कई वरिष्ठ विधायक मंत्री बनने की दौड़ में थे लेकिन उनकों मौका नहीं मिला। इस विस्तार से अंसतोष पनपने का डर है। क्योंकि 45 दिन के लिए मंत्री का पावर का उपयोग कर ये तीन नेता कुछ खास कमाल तो नहीं कर सकेंगे। पार्टी को इन तीन के बदले में उससे ज्यादा नेताओं की नाराजगी का अंजाम भुगतना पड़ सकता है। प्रदेश में अक्टूबर के पहले हफ्ते में आचार संहिता लग सकती है। इसलिए नए मंत्रियों को मंत्रालय संभालने और काम करने के लिए महज डेढ़ माह का ही समय मिलेगा। ऐसे में उन्हें अपने क्षेत्र के लोगों के कामों और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए बहुत कम समय है। इन डेढ़ माह में मंत्रियों पर अपने पद के दायित्वों को पूरा करने का दबाव लगातार बना रहेगा। इस दौरान लोगों के काम नहीं हुए तो उन्हें चुनाव में इसकी खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। विंध्य से पूर्व मंत्री और रीवा विधायक राजेंद्र शुक्ल फिर से मंत्री बनाए गए है। शुक्ला विंध्य में पार्टी का बड़ा ब्राह्मण चेहरा हैं। पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में विंध्य में कांग्रेस से कांटे की टक्कर मिलती दिख रही है। आम आदमी पार्टी भी कड़ी टक्कर दे रही है। सिंगरौली महापौर सीट पार्टी के हाथ से निकल गई। इसे क्षेत्र में पार्टी के प्रति नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट में भी पार्टी की स्थिति ठीक नहीं है। ऐसे में अब शुक्ल को मंत्री बनाकर पार्टी क्षेत्र की जनता को साधने की कोशिश में है।

बसपा के सामने भविष्य का संकट

अनिल सिंह

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में बुधवार को एक बैठक बुलाई थी। इसमें पार्टी के जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मायावती के भाई आनंद कुमार और भतीजे आकाश आनंद भी मौजूद थे। इस दौरान मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों के सामने आकाश आनंद को अपने पास बुलाकर आशीर्वाद भी दिया। मायावती के इस राजनीतिक आशीर्वाद से बसपा के भविष्य के नेतृत्व का संदेश भले मिल गया हो लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि खुद बसपा का भविष्य क्या है? क्या बसपा इस साल विधानसभा चुनावों सहित 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ खास कर पायेगी? यह सवाल हर उस व्यक्ति के जेहन में उठ रहा है, जिसकी राजनीति में तनिक भी दिलचस्पी है। ट्विटर तक सिमट चुकी मायावती की राजनीति, लगातार घटना जनसमर्थन, जातीय जनाधार वाले नेताओं के पलायन तथा कम होता प्रतिनिधित्व खुद बसपा के भविष्य को सवालों के घेरे में खड़ा कर रहा है। दरअसल, कांशीराम के अवसान के बाद दलित आंदोलन के दौलत आंदोलन में परिवर्तित हो जाने के बाद दलित एवं पिछड़ी जातियों का बसपा से लगातार मोहभंग होता चला गया। कांशीराम ने डीएस-फोर के दौर से ही तमाम दलित एवं अति पिछड़ी जातियों को गोलबंद करके बसपा का गठन किया था। उन्होंने सभी जातियों से लीडरशिप पैदा कर हाशिये पर पड़े वर्ग को एक साथ जोड़ा था। सवर्णों के खिलाफ आक्रामक एवं उत्तेजक नारों के जरिए कांशीराम ने कमजोर जातियों में चेतना पैदा की। मायावती के हाथों में बसपा की बागडोर आने के बाद पार्टी ने 2007 में अपने उरूज को छुआ, लेकिन जातीय क्षत्रपों के धीरे-धीरे बसपा से निकलने और निकाले जाने के बाद पार्टी कमजोर होती चली गई। कुछ समय पूर्व तक अटकलें लगाई जा रही थीं कि मायावती बसपा को मजबूत करने के लिये इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन सकती हैं। बहरहाल, लखनऊ में बसपा के जिलाध्यक्ष से लेकर जोनल एवं नेशनल कोआर्डिनेटरों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में सुप्रीमो मायावती ने स्पष्ट कर दिया है कि 2024 की लड़ाई पार्टी अकेले अपने दम पर लड़ेंगी। दरअसल, कांग्रेस नेतृत्व यूपी में बसपा से गठबंधन करने की पहल कर रहा है लेकिन कांग्रेस फिलहाल इंडिया गठबंधन का हिस्सा है जिसमें सपा भी शामिल है। कांग्रेस का यूपी में इतना जनाधार नहीं है कि वह सपा पर दबाव बनाने वाली स्थिति में हो। लिहाजा सीट बंटवारे को लेकर सपा-कांग्रेस में मामला फंसने की आशंका है। कांग्रेस इसीलिये सपा की बजाय बसपा से गठबंधन का प्रयास कर रही है ताकि वह ज्यादा सीटों पर लड़ सके। कांग्रेस यूपी में जितनी ज्यादा सीटें जीतेगी, केंद्र में उसकी संभावना उतनी ज्यादा मजबूत होगी। राजनीतिक तौर पर बसपा को गठबंधन की जरूरत दिख रही है, लेकिन समीक्षा बैठक में मायावती ने कार्यकर्ताओं को संदेश दे दिया है कि वह अकेले चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। मायावती ने कहा कि गठबंधन होने पर बसपा अपना वोट सहयोगी दल को ट्रांसफर करा देती है, लेकिन दूसरे दल का वोट बसपा को नहीं मिलता है। गठबंधन से बसपा को फायदा नहीं होता है। मायावती पार्टी को बचाये रखने के लिये अन्य राज्यों में भी अपनी पुरानी रणनीति को बदलने जा रही हैं। मायावती ने संकेत दिया है कि सत्ता से दूरी बनाये रखने वाली बसपा दूसरे राज्यों में भी सरकार में शामिल होने की संभावना तलाशेंगी तथा सत?ता संतुलन के जरिये कमजोर वर्ग का उत्थान करेगी। दरअसल, बसपा के छिटपुट विधायक कई राज्यों में जीत हासिल करते रहे हैं, लेकिन बसपा कभी किसी सरकार में शामिल नहीं हुई। इस रणनीति का नुकसान यह होता है कि विधायक बसपा से पल्ला झाड़ सत्ताधारी दल में शामिल हो जाते हैं। माना जा रहा है कि कार्यकर्ताओं को बसपा से जोड़े रखने के लिये मायावती ने सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं।

अपने नेताओं की हिंदू मुस्लिम राजनीति में उलझी कांग्रेस

अजय सेतिया

मध्य प्रदेश के तीन वरिष्ठ नेताओं ने विधानसभा चुनावों से ठीक पहले अपनी पार्टी को हिन्दू-मुस्लिम विवाद में धकेल दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजीज कुरैशी ने राजीव गांधी के जन्मदिन पर विदिशा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में कहा कि मुसलमान कांग्रेस के गुलाम या बंधुआ मजदूर नहीं हैं, जो आदेशों के अनुसार काम करेंगे और आपको वोट देंगे। जबकि कांग्रेस सरकारों ने पुलिस, रक्षा बलों और बैंकों में उनको नौकरियां नहीं दीं। आज उनकी दुकानें, पूजा स्थल और घर जलाए जा रहे हैं, उनके बच्चे अनाथ हो रहे हैं, वे एक हद तक सहन करेंगे। वे कायर नहीं हैं, अगर यह सीमा पार कर गई, तो 22 करोड़ मुसलमानों में से एक या दो करोड़ को अपनी जान देने में कोई नुकसान नहीं होगा।

याद कीजिए पाकिस्तान के निर्माण के लिए जिन्ना ने इसी तरह के डायरेक्ट एक्शन की कार्रवाई शुरू की थी, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। अब उसी तरह की धमकी कांग्रेस के एक ऐसे नेता ने दी है, जिसे कांग्रेस ने एमएलए, मंत्री, सांसद और राज्यपाल तक बनाया। अजीज कुरैशी उदारवादी मुसलमान माने जाते रहे हैं। जब वह उत्तराखंड के राज्यपाल थे, तब वह अक्सर भगवान राम की बात किया करते थे। जब उनका उत्तराखंड से मिजोरम में तबादला हुआ था, तब उन्होंने सतपाल महाराज के गंगा किनारे स्थित प्रेम नगर आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि हिन्दुस्तान भगवान राम की धरती है, इस्लाम के पैगंबर ने भी हिंदुस्तान को भगवान राम की धरती बताया है। भगवान राम का वजूद मनवाने के लिए किसी के आदेश की जरूरत नहीं है, विश्व में वे बदनसीब व्यक्ति हैं जो भगवान राम के वजूद को नहीं मानते हैं।

उन्होंने यहां तक कहा था कि भगवान राम के आदर्शों को अपनाए बिना विश?व का कल?याण संभव नहीं है। लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें राज्यपाल पद से हटाया तब से उनके सुर ही बदल गए। वह पिछले सात आठ साल से हिन्दुओं के खिलाफ तल्खी भरे बयान दे रहे है।

दूसरी तरफ कमलनाथ फिर से मुख्यमंत्री बनने के लिए जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं। उन्हें पता है कि भाजपा के हिंदुत्व का मुकाबला करने के लिए उन्हें भी हिंदुत्व की

लाईन अपनानी पड़ेगी। इसलिए वह भाजपा का मुकाबला करने के लिए भाजपाईयों से बड़े हिन्दू बनने की होड़ में लगे हैं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र छिंदवाडा में धीरेन्द्र शास्त्री की कथा करवाई, जिन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया हुआ है। वह खुलेआम भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करते हैं। उनकी हां में हां मिलाते हुए कमलनाथ ने भी कह दिया कि जिस देश में 82 प्रतिशत हिन्दू हैं, उसे कहने की क्या जरूरत है, वह तो हिन्दू राष्ट्र है ही।

इसके बाद कमलनाथ के खिलाफ कांग्रेस में बवाल मच गया है। मध्यप्रदेश के ही पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य दिग्विजय सिंह ने खुल कर कहा कि जो संविधान की शपथ लेकर हिन्दू राष्ट्र की बात करता है, उसे तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। साफ़ है कि उन्होंने कमलनाथ पर हमला बोला है, जो केंद्र में मंत्री, राज्य में मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद अब भी संविधान की शपथ लेते हुए विधायक तो हैं ही।

अब उसके बाद अजीज कुरैशी का बयान आया है, जिन्होंने भाजपा के हिंदुत्व पर ही नहीं, बल्कि राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह के हिन्दुइज्म पर भी हमला बोल दिया। अजीज कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस के नेता अब हिंदुत्व के बारे में बात कर रहे हैं। वे जय गंगा मैया, जय नर्मदा मैया, गर्व से कहो हिंदू हैं के नारे लगा रहे हैं, धार्मिक यात्राएं निकाल रहे हैं और मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मूर्तियां स्थापित कर रहे हैं, जो कि शर्मनाक हैं।

इस तरह अजीज कुरैशी ने तो दिग्विजय सिंह और कमलनाथ दोनों पर हमला किया है। साथ ही इन दोनों पर हमला करते समय उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी लपेटे में ले लिया। दिग्विजय सिंह ने 2018 में लाव लश्कर के साथ 192 दिन तक 3300 नर्मदा परिक्रमा पदयात्रा की थी। इसी साल अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने नर्मदा के किनारे मां नर्मदा की आरती की थी, जहां जय मां नर्मदा के नारे लगे थे। राहुल गांधी ने पिछले साल हरिद्वार में हर की पेड़ी पर उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ गंगा आरती में भी हिस्सा लिया था, उस समय जय मां गंगा के नारे गूंज उठे थे।

यहां सबको आश्चर्यचकित कर देने वाली बात यह है कि कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और अज़ीज़ कुरैशी तीनों ही मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के राजनीतिक अनुयायी रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस में जब शुक्ल खेमा और अर्जुन सिंह खेमा हुआ करता था, तो ये तीनों नेता अर्जुन सिंह कैंप में थे। तीनों ने राजनीतिक शिक्षा दीक्षा अर्जुन सिंह के चरणों में बैठ कर हासिल की थी।

इधर मुस्लिम परस्ती को लेकर दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के अन्य नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णम भी इसी अर्जुन सिंह कैंप से जुड़े रहे हैं। वे अब खुल कर कह रहे हैं कि कांग्रेस ने हिन्दुओं की उपेक्षा की, इसलिए कांग्रेस की आज यह दशा हुई है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि मुस्लिमपरस्ती करने वालों और भारत के टुकड़े टुकड़े करने के नारे लगाने वालों को कांग्रेस की कार्य समिति का सदस्य बनाया जा रहा है, जबकि हिन्दुइज्म की बात करने वालों को किनारे किया जा रहा है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम का इशारा दिग्विजय सिंह और हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को कांग्रेस कार्यसमिति में शामिल किए जाने की ओर था। कन्हैया कुमार जब जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष थे, तो वहां अक्सर भारत तेरे टुकड़े होंगे के नारे लगा करते थे, ऐसे अनेक वीडियो मौजूद हैं, जिनमें वह खुद यह नारा लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कन्हैया कुमार की पृष्ठभूमि कम्युनिस्ट पार्टी की है। जेएनयू से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद 2019 में सीपीआई की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने वाले कन्हैया कुमार पिछले साल ही सीपीआई छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। राहुल गांधी ने उन्हें कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई का इंचार्ज बना दिया। इस नाते अब वह कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य बन गए हैं।

गठबंधन जरूरी या महाराष्ट्र में सबकी मजबूरी ! आखिर क्या है समीकरण

अमिताभ श्रीवास्तव

कभी अकेले दम सत्ता को अपने कब्जे रखने वाली कांग्रेस, एक समय अपनी ताकत से सरकार बनाने का सपना देखने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) और एक पार्टी की दोबारा सरकार बनाने की हिम्मत जुटाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सभी इन दिनों परेशान हैं। राज्य में सत्ता के समीकरणों में सबसे आदर्श कौन-सा होगा, किसी को पता नहीं है। यही वजह है कि हर दल के बाजुओं को किसी न किसी के सहारे की आवश्यकता दिखाई देने लगी है। नेताओं की महत्वाकांक्षा के चलते बिखराव इस कदर बढ़ चुका है कि अच्छे-अच्छे नेताओं का आत्मविश्वास टूट चुका है। वर्ष 1999 में कांग्रेस से अलग होकर राकांपा या फिर वर्ष 2006 में शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का बनना दोनों दलों में टूट तो थी, लेकिन सीधा विभाजन या फिर पूरी पार्टी का दूसरे पाले में चला जाना नहीं था। वर्ष 2019 के बाद से महाराष्ट्र की सत्ता के गलियारों में पूरी की पूरी पार्टी के दूसरे पाले में बैठकर खुद को मूल दल बताने का सिलसिला आरंभ हो गया है।

शिवसेना के बाद राकांपा भी इसी मुश्किल से गुजर रही है। इसी के चलते किसी भी दल से 'एकला चलो रे' का नारा धीमी जुबान में भी सुनाई नहीं दे रहा है। वर्ष 2014 से भाजपा ने राज्य में अपनी ताकत को बढ़ाया है, जिसमें उसे केंद्र सरकार का सहारा मिला। वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में उसे 122 सीटें मिलीं, जो वर्ष 2009 की तुलना में मिली 46 सीटों से दोगुनी से अधिक थीं। हालांकि वर्ष 2019 में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई और सीटें 105 तक जा पहुंचीं। बावजूद इसके मतों में कमी केवल दो प्रतिशत ही दर्ज की गई। इतनी ताकत होने के बाद भी भाजपा का अकेले दम पर चुनाव लड़ने का आत्मविश्वास पैदा नहीं हो पा रहा है।

एक तरफ तो वह सत्ता में रहते हुए अपने साथियों शिंदे सेना या अजित राकांपा को छोड़ने की गुस्ताखी नहीं कर सकती है, दूसरी तरफ मत विभाजन की संभावना इतनी अधिक हो चली है कि कांग्रेस या राकांपा के वोट बांटने से जीत सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। ऐसे में उसे स्वस्थ गठबंधन की जरूरत है। जैसा कि दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है, वैसा ही भाजपा के संभावित तालमेल का हाल है। शिवसेना से झटका खाने के बाद उसे कोई भरोसेमंद साथी नजर नहीं आ रहा है, हालांकि गठबंधन बिना उसकी गाड़ी भी आगे नहीं बढ़ पाएगी। कांग्रेस ने तो पहले ही पीछे की सीट पर बैठने का फैसला कर लिया है। वह अपनी कट्टर विरोधी शिवसेना से दूर होने की बात कहने से भी कतरा रही है। उसे अपनी ताकत का अहसास चुनाव के पहले से है। भतीजे अजित पवार से झटका खाने के बाद चाचा शरद

पवार हर सभा में खुद को अखाड़े का पहलवान बताने से नहीं चूक नहीं रहे हैं, लेकिन महाविकास आघाड़ी के नाम पर वह अभी-भी एकजुटता की बातें कर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस और शिवसेना अजित पवार की बगावत के बाद राकांपा के रुख पर संदेह जारी कर चुके हैं।

राज्य में चार प्रमुख दलों के अलावा सभी दल मौका देखकर ही काम करते हैं, भले ही उनके पास कितने भी विधायक हों। राज्य के चुनावी इतिहास पर नजर दौड़ाई जाए तो राकांपा ने वर्ष 1999 में 223 सीटों पर चुनाव लड़कर 22 प्रतिशत मत हासिल किए थे, जब वह कांग्रेस से अलग हुई थी। पिछले चुनाव में यह आंकड़ा 123 सीटों पर 16 प्रतिशत से थोड़ा अधिक रहा। कांग्रेस वर्ष 1999 में 249 सीटों पर 27 प्रतिशत मत हासिल कर सकी थी, जबकि वर्ष 2019 में 147 सीटों पर लगभग 16 प्रतिशत वोट ले पाई। शिवसेना 126 सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ 16 प्रतिशत से अधिक थी, जबकि वर्ष 2019 में 161 सीटों पर 17.33 प्रतिशत तक थी। शिवसेना का सबसे अच्छा प्रदर्शन वर्ष 1995 में था। जब उसने 169 सीटों पर चुनाव लड़कर 73 सीटें जीती थीं, मगर मतों का प्रतिशत 16 से थोड़ा अधिक था। उसी साल 80 सीटें जीतकर विपक्ष में बैठने वाली कांग्रेस को 31 प्रतिशत मत मिले थे। स्पष्ट है कि बीते सालों में कांग्रेस का मताधार कोई भी दल पा नहीं सका है। यद्यपि भाजपा ने वर्ष 2014 में 122 सीटें जीतीं थीं, लेकिन उसके मत 27 फीसदी तक ही थे। अब बदले हालात में जितने राजनीतिक दल खुद के अस्तित्व को लेकर भ्रमित हैं, उतने ही मतदाता भी भ्रमित हैं। यही वजह है कि शिवसेना और राकांपा भावनात्मक कार्ड के सहारे मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करना चाह रहे हैं, लेकिन अपनी ताकत और मजबूरी को समझ कर कोई भी गठबंधन की वकालत करने से चूक नहीं रहे हैं।

इस परिस्थिति में भाजपा की एकजुटता भी उसे चुनावी विजय का विश्वास नहीं दिला पा रही है। चाहे-अनचाहे मन से उसे गठबंधन करना है और अपनी कई सीटों को दूसरे दलों के लिए छोड़ना है। साफ है कि नेताओं के दल-बदल से आगे पार्टियों का विभाजन एक तरफ जहां जमीनी नेताओं के लिए समस्या का कारण है, वहीं दूसरी ओर उनके प्रशंसकों तथा समर्थकों के लिए बड़े असमंजस की स्थिति है। इसमें निष्ठा और गद्दारी जैसे शब्द प्रचलन में हैं। किंतु शब्दों के जाल से आम सभाओं में तालियां पिटवाई जा सकती हैं, उन्हें मतों में परिवर्तित करना आसान नहीं है। महाराष्ट्र की राजनीति गवाह है कि राज्य में तालियां पिटवाने वाले नेता कभी-भी 288 सीटों वाली विधानसभा के चुनाव में 75 सीटों का तक आंकड़ा पार नहीं कर पाए। इसलिए मतदाता के लिए राजनीति में नीति का स्पष्ट होना आवश्यक है। गठबंधन सत्ता हथियाने का मार्ग हो सकते हैं, लेकिन विचारधारा राजनीति के लक्ष्यों की पूर्ति का रास्ता बनती है, जिस पर भटक कर स्वयं को सही सिद्ध नहीं किया जा सकता है।

शिशु के पेट में गैस बनने पर आजमाएं ये उपाय, तुरंत मिलेगी राहत

नवजात शिशु को खास देखभाल की जरूरत होती है। माता-पिता को उन्हें दूध पिलाने से लेकर नहलाने और मालिश करने तक का खास ख्याल रखना पड़ता है। जरा सी भी गलती उनके लिए समस्या पैदा कर सकती है। नवजात शिशु बड़े बच्चों की तरह माता-पिता को अपनी समस्या बोलकर नहीं बता पाते हैं। ऐसे में मां ही उनके हाव-भाव देखकर उनकी परेशानियों को दूर करने की कोशिश करती है। ऐसी ही एक समस्या जो नवजात शिशु को अक्सर परेशान करती है वो है पेट में गैस बनना। अगर आपका बच्चा भी इस समस्या से परेशान रहता है तो अपनाएं ये घरेलू उपाय।

शिशु को गैस से राहत दिलाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे-

हींग-

गैस की शिकायत होने पर शिशु की नाभि पर हींग का पेस्ट बनाकर लगाएं। ऐसा करने से शिशु की गैस बाहर निकल जाएगी और उसे दर्द से निजात मिलेगी।

मालिश-

नवजात शिशु को गैस के दर्द से राहत दिलाने के लिए उसके पेट की मालिश करना न भूलें। इसके लिए शिशु को सबसे पहले पीठ के बल लिटाकर पेट पर थोड़ी देर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। शिशु की मालिश करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उसके पेट पर ढ्ढ, रु और ड्ढ अक्षर लिखने की नकल करें। इस %आई लव यू% मसाज तकनीक को अपनाने से शिशु की गैस बाहर निकल जाएगी।

दूध पिलाते समय बच्चे का सिर ऊपर रखें-

नवजात शिशु को बोतल से दूध पिलाते समय उसका सिर पेट से थोड़ा ऊपर की तरफ रखें। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार बच्चा बोतल से दूध पीते समय तेजी से दूध खींचता है, जिसकी वजह से उसके पेट में हवा चली जाती है। लेकिन दूध पिलाते समय शिशु के सिर ऊंचा रखने से वह आसानी से डकार के साथ गैस को बाहर निकाल पाएगा।

पेट की सिंकाई-

पेट में गैस बनने से शिशु अगर परेशान हो रहा है तो उसे तुरंत राहत पहुंचाने के लिए उसके पेट की सिंकाई करें। इसके लिए गुनगुने पानी में तौलिया भिगोकर निचोड़ लें। इस तौलिए को शिशु के पेट के ऊपर रखें। इस उपाय को करने से शिशु को पेट में गैस और ऐंठन की समस्या में आराम मिलेगा।

घुटनों से साइकिल चलवाएं-

शिशु जब गैस पास नहीं कर पाता है तो दर्द से रोने लगता है। ऐसे में उसे राहत देने के लिए पीठ के बल लिटाकर उसके घुटनों को मोड़ते हुए पैरों को उठाएं और साइकिल चलाने जैसा बिहेव करें। ऐसा करने से पेट में फंसी गैस बाहर निकल जाती है।

बच्चा नहीं सो रहा तब इस प्रेशर प्वाइंट पर दबाएं

बीमारियों में मिलेगी राहत

नवजात शिशु की मालिश करते समय रोजाना उसकी भौहों के बीच में मौजूद प्रेशर प्वाइंट को दबाएं। 10 से 20 सेकेंड तक इस हिस्से को हल्के हाथ से दबाने से जल्दी ही बच्चा सोने लगता है। बच्चा अगर रात को नहीं सोता है तो इस प्रेशर प्वाइंट पर दबाने से उसे नींद आने लगेगी।

शरीर में दर्द होने पर

बच्चों को मालिश करने से दर्द में आराम मिलता है। मालिश करते समय बच्चे पैर के पंजे और हथेलियों को हल्के हाथ से दबाकर मालिश करें। इन जगहों पर रिफ्लैक्स प्वाइंट होते हैं। जिन्हें दबाने से बच्चे को आराम मिलता है और वो गहरी नींद में सोता है।

बच्चा नहीं सो रहा तब इस प्रेशर प्वाइंट पर दबाएं

नवजात शिशु की मालिश करते समय रोजाना उसकी भौहों के बीच में मौजूद प्रेशर प्वाइंट को दबाएं। 10 से 20 सेकेंड तक इस हिस्से को हल्के हाथ से दबाने से जल्दी ही बच्चा सोने लगता है। बच्चा अगर रात को नहीं सोता है तो इस प्रेशर प्वाइंट पर दबाने से उसे नींद आने लगेगी।

कब्ज होने पर

बच्चे को कब्ज की शिकायत हो गई है और नवजात को दवा देना नहीं चाहती हैं तो प्रेशर प्वाइंट तकनीक को फॉलो करें।

नवजात की नाभि के चारों ओर उंगलियों को रखें और पेट को उंगिलयों से धीरे-धीरे थपथपाएं।

फिर नाभि के दोनों तरफ दस बार थपथपाएं।

नाभि के चारों ओर उंगलियों को गोलाई में फेरें।

सबसे आखिर में नवजात के पेट को पूरा गोलाई में उंगलियों से फेरें। ऐसा करने से बच्चे की कब्ज में राहत मिलती है।

खांसी

नवजात शिशु को अगर खांसी आ रही है और उसका सीना जकड़ा हुआ महसूस हो रहा है तो नाखूनों के ठीक नीचे और पोर के ऊपर बने प्रेशर प्वाइंट को दबाएं।

इस हिस्से को हल्के हाथों से दबाएं लेकिन ध्यान रहे कि बच्चे को चुटकी ना काटे। इससे बच्चे को राहत मिलेगी।

इसके अलावा सरसो के तेल से बच्चे की छाती और गर्दन पर भी धीरे हाथ से मालिश करें।

बुखार आने पर

नवजात शिशु को अगर बुखार हो रहा तो अंगूठे के नाखून के ठीक नीचे मौजूद प्रेशर प्वाइंट को दबाएं।

10-20 सेकेंड तक इसे दबाने से बच्चे को राहत मिलती है।

जब तक बच्चे के शरीर का तापमान कम नहीं हो जाता हर दो से तीन घंटे के बीच इस प्रेशर प्वाइंट को दबाते रहें।

सावधानः एल्युमीनियम फॉइल में रोटी लपेटकर टिफिन में ले जाते हैं हो सकता है कैंसर

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसको लेकर जताई चिंता

दाल हो या सब्जी, अगर आप हर चीज के साथ रोटी खाना पसंद करते हैं तो ये खबर आपके लिए हैं। जी हां, रोटी खाने के शौकीन लोगों को शायद ही पता हो कि अगर वो रोटी पकाने के सही तरीका नहीं जानते हैं तो अनजाने में ही सही लेकिन वो कैंसर जैसे रोग को न्यौता दे रहे हैं। इसके अलावा अगर आप रोटी पकाकर उसे सही तरह से स्टोर करके नहीं रखते तो भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

सालभर पहले हुए अध्ययन में भी यह दावा किया गया था एल्युमीनियम फॉइल भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे कैंसर हो सकता है। अध्ययन में दावा किया गया था कि कई लोग एल्युमीनियम फॉइल में रोटी लपेटकर टिफिन में ले जाते हैं, कई घरों में महिलाएं कैसरोल में रोटी इसमें लपेट रखती हैं। इससे हड्डियों से लेकर इम्युनिटी तक पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसको लेकर चिंता जताई थी।

रोटी पकाने का सही तरीका-

अध्ययन में बताया गया है कि कुछ लोग रोटी को तवे पर कम पकाते हैं और तेज आंच पर उसे सेकते हैं। इसकी वजह से रोटी अंदर से कच्ची रह जाती है। ऐसी रोटी का सेवन करना सेहत के लिए खतरनाक है। रोटी को सही तरीके से पकाने के लिए 15 से 20 मिनट पहले आटा गूंथ ले। इसके बाद हल्की आंच पर तवे में रोटी को अच्छी तरह से सेक लें और फिर इसे सीधे आग पर पकाएं। इससे रोटी अंदर से पक जाएगी। जो सेहत के लिए अच्छी है।

सिगरेट-शराब की लत से मिल सकती है छुटकारा

लौंग के अंदर मौजूद यूजेनॉल तत्व हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन इसका लाभ लेने के लिए लौंग का सही तरीके से सेवन किया जाना चाहिए। लौंग के नियमित सेवन से सिगरेट-शराब आदि की लत से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

लौंग को एक फायदेमंद जड़ी-बूटी होती है। लौंग के सेवन से व्यक्ति को अनगिनत फायदे होते हैं। लेकिन इसके फायदे के लिए लौंग का सही तरीके से सेवन किया जाना जरूरी होता है। आपको बता दें कि प्रतिदिन 2 लौंग नियमित रूप से चूसने से व्यक्ति की शराब और सिगरेट पीने की आदत पर कंट्रोल किया जा सकता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लौंग चूसने के फायदे और इसके सही तरीके से सेवन किए जाने के बारे में बताने जा रहे हैं।

इन लतों से मिलता छुटकारा

मीठा खाने की लत
मुंह की बदबू
शराब की लत?
दांत का दर्द
अपच

की समस्या
फंगल इंफेक्शन
जी मिचलाना और उल्टी
सिगरेट व धूम्रपान की लत

सेवन का सही तरीका

एक्सपर्ट्स की मानें तों लौंग को मुंह में रखकर इसको धीरे-धीरे चूसना चाहिए। जितने लंबे समय तक आप इसके रस को चूसने की कोशिश करेंगे, यह उतना ही लाभकारी होगी। बता दें कि लौंग को फौरन चबाने या निगलने की गलती नहीं करनी चाहिए। लौंग के अंदर पाए जाने वाले तेल में इसके औषधीय गुण छिपे होते हैं। इसलिए इसका धीरे-धीरे चूसकर सेवन किया जाना लाभकारी होता है।

सिगरेट और शराब की लत ऐसे छोड़ें

अधिकतर सभी लोगों के लिए यह घरेलू उपाय असरदार साबित होता है। हालांकि कुछ लोगों पर इस घरेलू उपाय का असर न के बराबर दिख सकता है। यदि आपको इस उपाय से फायदा नहीं होता है तो आप शराब व सिगरेट की लत को छोड़ने के लिए किसी डॉक्टर की मदद बी ले सकते हैं।

लौंग के फायदे

लौंग के रस में यूजेनॉल तत्व पाया जाता है।

[भविष्यफल]

मेष

आज आपका मन नए-नए कामों में लगेगा। दोस्तों के साथ मिलकर आप कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं। फिजूलखर्ची पर कंट्रोल रखें अन्यथा भविष्य में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। यात्रा योग बन रहे हैं। खरीददारी कर सकते हैं। बच्चों के साथ भावनात्मक सम्बन्ध बनेंगे।

वृष

आज आपकी आज आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। बिजनेस करने वाले लोगों को मिलाजुला फल मिलेगा। आपके सामने कई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती है जिसका सामना करने के लिए आप तैयार रहें। अनजाने लोगों के ऊपर जरूरत से ज्यादा भरोसा मत कीजिए। सामाजिक क्षेत्र में मान-प्रतिष्ठा

मिथुन

आज आपका आज का दिन बहुत शुभ रहेगा। आपको अपनी किस्मत का भरपूर सहयोग मिलने वाला है। पुराने रुके हुए काम पूरे होंगे। आपको अपनी मेहनत का मन मुताबिक फायदा मिल सकता है। जो लोग काफी लंबे समय से नौकरी की तलाश कर रहे थे.

कर्क

आज आपका आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण नजर आ रहा है। आप जिस क्षेत्र में कोशिश करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आपकी किसी बड़ी योजना का अच्छा फायदा मिल सकता है। भविष्य के लिए धन इकट्ठा करने में आप सफल रहेंगे।

सिंह

आज आपका आज का दिन फायदेमंद साबित होगा। रुके हुए कामों में गति आएगी। धार्मिक यात्रा योग। आप अपने विरोधियों को परास्त करेंगे। अचानक अपनों से कोई खुशखबरी मिल सकती है। पैसा कमाने के कई मार्ग हासिल होंगे। आज आप पैसों का उधार लेन-देन मत कीजिए।

कन्या

आज आपका आज का दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। किसी पुरानी बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। अचानक किसी महत्वपूर्ण मामले में फैसला लेना पड़ेगा। आपके द्वारा लिया गया फैसला फायदेमंद साबित हो सकता है। प्यार के मामले में आप भाग्यशाली होंगे।

तुला

आज आपका आज का दिन बेहतरीन रहेगा सामाजिक क्षेत्र में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बेरोजगार लोगों को अच्छी नौकरी मिल सकती है। आपकी सोच सकारात्मक रहेगी। जीवन में आज ढेरों खुशियां आएंगी। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा। प्रेम जीवन में सुधार आने की संभावना है।

वृश्चिक

आज आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग नजर आ रहे हैं। कार्यालय में आपके कार्यों की सराहना होगी। अचानक लाभ मिलने के योग हैं। आप अपनी मधुर वाणी से लोगों को प्रभावित करेंगे। भाग्य प्रबल रहेगा। प्रेम जीवन में रोमांस का अवसर मिल सकता है।

धनु

आज का दिन मौज मस्ती भरा व्यतीत होने वाला है। सामाजिक मेलजोल से आपको खुशी और सुकून मिलेगा। कामकाज में अच्छे नतीजे हासिल होंगे। नौकरी के क्षेत्र का माहौल आपके पक्ष में रहने वाला है। जो लोग प्रेम प्रसंग में हैं, वह अपने प्रिय के साथ रोमांस भरा पल व्यतीत करेंगे।

मकर

आज आप जरूरतमंद लोगों की मदद करने का मौका मिल सकता है। व्यापार के सिलसिले में लाभदायक यात्रा पर जा सकते हैं। अचानक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आमदनी में हुई बढ़ोतरी इसको संतुलित कर देगी। आपको अपना नजरिया सकारात्मक रखना होगा।

कुंभ

आज सकारात्मक बने रहना होगा। आपके मन में कोई पुरानी बात चिंता का कारण बन सकती है। आप कहीं पैसा निवेश कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से आपको अपने किसी जरूरी काम में सफलता हासिल होगी। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा।

मीन

आज का दिन अति उत्तम रहेगा। लाभ के कई अवसर हाथ लग सकते हैं। आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार आएगा। खर्चों में कमी आएगी। बच्चों की तरफ से टेंशन कम होगी। पारिवारिक जीवन की परेशानियों का समाधान हो सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

एक्सपर्ट्स ने जानिए बेली फैट कर करने के खास टिप्स

इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मदद करेगा गोल्डन मिल्क

आजकल के दौर में अनहेल्दी लाइफस्टाइल के चलते मोटापा बढ़ जाता है। बेली के आसपास जमा फैट काफी जिद्दी होता है। मोटापा बढ़ने के कारण कई गंभीर बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने के लिए आप अपनी डाइट में इन चीजों को शामिल कर सकते हैं।

आजकल के दौर में मोटापा एक गंभीर समस्या बन गया है। मोटापे से न केवल हमारा फिगर खराब हो जाता है। बल्कि बढ़े हुए मोटापे के कारण कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। खासकर मोटापे के कारण पेट के आसपास के हिस्से में चर्बी जम जाती है। जो देखने में काफी ज्यादा खराब लगता है। बेली फैट को सबसे जिद्दी फैट माना जाता है। बेली फैट में कमर और पेट के आसपास फैट जमा हो जाता है। वहीं इससे छुटकारा पाना मुश्किल होता है। गलत खानपान और अनियमित लाइफस्टाइल के कारण मोटापा बढ़ने लगता है।

कुछ लोग मोटापे को कम करने के लिए कड़ी डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन इसके बाद भी पेट और कमर के आस-पास जमा फैट कम नहीं होता है। जिसके कारण कई बार इंसुलिन सेंसिटिविटी हो सकती है। आपको बता दें कि हमारे शरीर में मौजूद इंसुलिन एक ऐसा हार्मोन है जो हमारे ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। इंसुलिन पैंक्रियाज ग?लैंड में बनता है। यह हमारे ब्लड से शुगर को सेल?स में ले जाने में सहायता करता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंसुलिन सेंसिटिविटी क्या होता है। साथ ही इसका हमारी बॉडी पर क्या असर पड़ता है और इसको कैसे बढ़ाया जा सकता है।

इंसुलिन सेंसिटिविटी

डाइटीशियन मनप्रीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जानकारी देते हुए बताया कि जब भी हम खाना खाते हैं। तो हमारी बॉडी में पैंक्रियाज ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए इंसुलिन नाम का हार्मोन छोड़ता है। हमारी कोशिकाओं के दरवाजों को खोलने के लिए इंसुलिन एक चाबी की तरह काम करता है। यह ग्लूकोज को कोशिकाओं में भेजने का काम करने के साथ ही उसे ऊर्जा के रूप में काम करवाता है। जब इस प्रक्रिया से ग्लूकोज हमारी सेल्स में पहुंच जाता है। तब खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल फिर से नॉर्मल होता है।

वहीं जब इंसुलिन रेजिस्टेंस होता है तो हमारी कोशिकाएं इंसुलिन की ओर से सही प्रतिक्रिया नहीं देती है। जिसके कारण हमारा ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। पैंक्रियाज ब्लड शुगर लेवल को नॉर्मल करने के लिए कुछ और इंसुलिन भेजती है। लेकिन जो शुगर ब्लड में ऑब्जर्व नहीं हो पाती है तो बेली के आसपास चर्बी जमा होना शुरू हो जाता है। इसी कारण बेली फैट बढ जाता है।

इंसुलिन सेंसिटिविटी कैसे बढ़ाएं

इंसुलिन सेंसिटिविटी को अपनी डाइट में कुछ चीजों को शामिल कर बढ़ाया जा सकता है। ऐसा कर आप अपने बेली फैट को कम कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में किन-किन चीजों को बढ़ाना चाहिए।

गोल्डन मिल्क

हल्दी- एक चुटकी
मिर्च- एक चुटकी
घी- आधा टी स्पून
लौंग- एक
अदरक- आधा टी स्पून
दूध- 150 मि.ली

ऐसे बनाएं

सब चीजों को दूध में डालने के बाद इसे 5 मिनट के लिए उबाल लें। फिर इस दूध को सोने से पहले पीना चाहिए।

एलोवेरा-आंवला शॉट्स

आंवला जूस- 30 मि.ली
एलोवेरा जूस- 30 मि.ली
पानी- 60 मि.ली
ऐसे बनाएं

सब चीजों को एक साथ मिलाएं और पिएं। इसके बाद एक पानी का गिलास पी सकते हैं। ध्यान रखें कि इस पानी को सुबह के समय पीना चाहिए।

ये भी हैं लाभकारी

इंसुलिन सेंसटिविटी बढाने के लिए आप इन चीजों का सेवन कर सकते हैं।

सीलोन दालचीनी- लंच के कुछ देर बाद दालचीनी(दालचीनी के फायदे) की चाय पिएं।

अदरक वाली चाय- शाम के समय अदरक वाली चाय पिएं।

मेथी दाने का पानी- सुबह खाली पेट मेथी दाने का पानी पिएं।

एक सप्ताह में आएगी भाजपा प्रत्याशियों की बड़ी लिस्ट : ओम माथुर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी हार को देखकर छत्तीसगढ़ियावाद की बात कर रहे हैं

अंबिकापुर। अंबिकापुर में भाजपा के चुनाव प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों की एक बड़ी लिस्ट एक सप्ताह के अंदर आ जाएगी। भाजपा इससे पहले 21 प्रत्याशियों का नाम घोषित कर चुकी है। भाजपा में टिकट जिताऊ कैंडीडेट को दिया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता भी जिताऊ नहीं हैं, तो उन्हें टिकट नहीं मिलेगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। प्रदेश की भूपेश सरकार पर हमलावर ओम माथुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी हार को देखकर छत्तीसगढ़ियावाद की बात कर रहे हैं। आर्थिक अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार को लेकर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार घिरी हुई है। ईडी व आईटी सहित केंद्रीय जांच एजेंसियां रोज नए खुलासे कर रही हैं, जिसके कारण भूपेश बघेल इन संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगा रहे हैं।

उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के 14 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति की समीक्षा करने पहुंचे भाजपा के प्रदेश प्रभारी व चुनाव प्रभारी ओम माथुर शनिवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव में जुटी हुई है। प्रदेश में परिवर्तन की लहर है। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। चुनाव के 90 दिनों पूर्व ही 21 प्रत्याशी घोषित कर दिए गए हैं। इनमें से कुछ प्रत्याशियों का क्षेत्र में विरोध को लेकर माथुर ने कहा कि कहीं कोई विरोध की स्थिति नहीं है। एक जगह कई दावेदार होते हैं, जिनमें से किसी एक को टिकट मिलने पर कुछ नाराजगी की स्थिति मिलती है। पहले टिकट बांटे जाने का यह फायदा है कि वहां भाजपा डैमेंज कंट्रोल कर लेगी।

भाजपा चुनाव प्रभारी ने कहा कि भाजपा सिस्टम की पार्टी है, किसी परिवार की पार्टी नहीं है, किसी एक नेता की पार्टी नहीं है। उपर से नीचे तक सबकी राय लेकर भाजपा प्रत्याशी तय कर रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं होगा। भाजपा का चेहरा कमल निशान होगा। भाजपा में आईएएस अधिकारी, दूसरे दलों के विधायक एवं बड़ी संख्या में लोग प्रवेश कर रहे हैं। ओम माथुर ने कहा कि वे अपने प्रवास के दौरान भाजपा के बूथ स्तर तक के माइक्रो मैनेजमेंट की समीक्षा कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के भांजे को खैरागढ़ से टिकट देने का लेकर ओम माथुर ने कहा कि वे पहले से भाजपा के सदस्य एवं पदाधिकारी हैं। वे भाजपा परिवार के सदस्य हैं।

ईडी, आईटी पर आरोप लगाना गलत

भाजपा चुनाव प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार व आर्थिक अनियमितता चरम पर है। ईडी, आईटी व केंद्रीय जांच एजेंसियां रोज नए खुलासे कर रही हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पास बोलने को कुछ नहीं है। यूपीए कांग्रेस का शासन था कोई महीना ऐसा नहीं गया जब इन्ही संस्थाओं ईडी, आईटी व सीबीआई ने कार्रवाई न की हो। तत्कालीन केंद्रीय मंत्रियों एवं उनके नेताओं पर कार्रवाई हुई और वे जेल गए तो क्या तब भी ये संस्थाएं नरेंद्र मोदी के नियंत्रण में थीं? ये संवैधानिक संस्थाएं हैं, उनके केस का एक प्रोसेस है। उस समय भाजपा शासित राज्यों में भी इन संस्थाओं ने कार्रवाई की तब भाजपा ने शोर नहीं मचाया।

आज ये संस्थाएं यदि राहुल गांधी को पूछताछ के लिए बुला लेती हैं तो पूरे देश में आंदोलन चलने लगता है। कांग्रेस का मुख्यमंत्री इन संस्थाओं की रोज शिकायत कर रहा है। इन संस्थाओं पर सवाल उठाना गलत है। ओम माथुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी हार देखकर छत्तीसगढ़ियावाद की बात कर रहे हैं। इसका कोई असर नहीं होने वाला है।

कोर कमेटियों से मांगे प्रत्याशियों के नाम

सरगुजा संभाग के पहले दिन ओम माथुर ने शुक्रवार को जशपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र जशपुर, कुनकुरी व पत्थलगांव विधानसभा सीटों के कोर कमेटियों की बैठक ली। देर शाम अंबिकापुर पहुंचे ओम माथुर ने यहां अंबिकापुर, सीतापुर एवं सामरी विधानसभाओं के कोर कमेटियों की बैठक ली। भाजपा ने इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं की है।

ओम माथुर ने तीनों विधानसभाओं में भाजपा की स्थिति व चुनावी तैयारी की समीक्षा की एवं कोर कमेटियों से संभावित प्रत्याशियों के तीन-तीन नाम मांगे। कोर कमेटी की बैठक के बाद ओम माथुर ने सभी को चुनाव में जीत का मंत्र भी दिया। शनिवार को ओम माथुर बैकुंठपुर के लिए रवाना हो गए हैं, जहां वे बैकुंठपुर, भरतपुर-सोनहत एवं मनेंद्रगढ़ विधानसभाओं के कोर कमेटियों की बैठक लेगें एवं संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चा करेंगे।

खल्लारी की जनता इस बार किसे चुनेगी अपना नेता

महासमुंद। छत्तीसगढ़ की राजनीति में महासमुंद जिले का नाम काफी अहम है।क्योंकि इस क्षेत्र से बड़े राजनेता निकले हैं।इस क्षेत्र की खासियत ये है कि यहां रहने वाले वोटर्स को किसी भी दल के लिए अपने पक्ष में करना टेढ़ी खीर है।शिक्षित मतदाता होने की वजह से इस क्षेत्र में मुद्दे हमेशा हावी रहे हैं। महासमुंद जिले में रहने वाले मतदाता विकास को देखते हुए ही वोटिंग करते हैं। ऐसे तो जिले में चार विधानसभाएं बसना, सरायपाली, महासमुंद और खल्लारी हैं। जहां से इस बार बीजेपी ने एक बार फिर महिला उम्मीदवार उतारा है।

बीजेपी ने खल्लारी विधानसभा से अलका चंद्राकर को टिकट दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस सीट पर महिला वोटर्स की संख्या ज्यादा है।साथ ही साथ ओबीसी वोट 50 फीसदी ज्यादा है।इसलिए बीजेपी को लग रहा है कि कहीं ना कहीं इस बार वो अपने फॉर्मूले पर कामयाब होगी। बात करें अलका चंद्राकर की तो वो दूसरी बार जिला पंचायत सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुई हैं।अलका वर्तमान में प्रदेश बीजेपी महिला विंग की उपाध्यक्ष भी हैं।अलका के पति गैस एजेंसी चलाते हैं।इसलिए इलाके में जनाधार भी काफी अच्छा माना जाता है।

कौन हो सकता है कांग्रेस से उम्मीदवार-वहीं ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि एक बार फिर कांग्रेस द्वारिकाधीश पर भरोसा जता सकती है।क्योंकि पिछले चुनाव में द्वारिकाधीश ने बड़े अंतर से बीजेपी की उम्मीदवार को शिकस्त दी थी। 2020 में संसदीय सचिव भी बनाया गया। स्कूल, शिक्षा, आदिमजाति विकास पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास से संबंधित कामों को करवाने की जिम्मेदारी द्वारिकाधीश ने निभाई है।कांग्रेस के शासन काल में खल्लारी में कई विकास कार्य भी हुए हैं।जिसमें व्यवहार न्यायालय, कोमाखान में कॉलेज, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, नए बैंक की स्थापना और किसानों के लिए कई सुविधाएं मिली हैं। यदि इस सीट से द्वारिकाधीश को दोबारा टिकट मिलता है तो कांग्रेस को हराने के लिए बीजेपी को कड़ी मेहनत करनी होगी।

जातिगत समीकरण- खल्लारी विधानसभा की बात करें तो ये इलाका आदिवासी बाहुल्य है। लेकिन सबसे ज्यादा 50 फीसदी से ज्यादा ओबीसी वोटर्स हैं। इसके बाद 30 फीसदी आदिवासी वोट बैंक है।वहीं 25 फीसदी साहू वोटर्स भी किसी भी प्रत्याशी की जीत और हार में अहम भूमिका अदा करते हैं। इस विधानसभा में 10 फीसदी एससी, 4 फीसदी सामान्य और 2 फीसदी ही अल्पसंख्यक वोट हैं। इसलिए हर दल इस विधानसभा से ओबीसी या आदिवासी प्रत्याशी को टिकट देता आया है।

मुद्दे और समस्याएं- कांग्रेस शासन काल में क्षेत्र का विकास तो हुआ फिर भी कई चीजें ऐसी हैं जिनकी मांग अब भी की जा रही है।इस क्षेत्र का मुख्य व्यवसाय खेती किसानी ही है।रोजगार के साधन नहीं होने के कारण पढ़ाई के बाद युवा पलायन कर जाते हैं। स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर सिर्फ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। जिसमें सिर्फ मौसमी बीमारियों का इलाज होता है।सड़कों की हालत इतनी जर्जर है कि बारिश में चलना मुश्किल हो जाता है।गर्मी के दिनों में भूजल स्तर नीचे चला जाता है।जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या पैदा होती है।किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है।रेल यातायात की कोई सुविधा नहीं है।सड़क मार्ग में सीधी बस सेवा नहीं होने से शाम होते ही आने जाने में दिक्कत होती है।

मतदाताओं की स्थिति - खल्लारी विधानसभा के मतदाताओं की संख्या पर नजर डाले तो कुल 199185 मतदाता हैं। जिनमें से महिला वोटर्स की संख्या 1 लाख 6 सौ 19 है। जबकि पुरुष मतदाता 98 हजार 5 सौ 58 हैं।

अब एक क्लिक पर घर बैठे बनाएं स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोगों को अब ड्राइविंग लाइसेंस के लिए परिवहन विभाग के दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अगर आपका लाइसेंस पुराना हो गया है, तो उसे खुद ही स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस बना सकते हैं। नए लाइसेंस के लिए भी दफ्तर नहीं जाना पड़ेगा। अब घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर लर्निंग लाइसेंस बना सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने का पूरा प्रोसेस इस खबर के माध्यम से देख सकते हैं। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' योजना के तहत अब तक प्रदेश में 22 लाख से अधिक स्मार्ट डीएल और आरसी घर पहुंचाया जा चुका है। बता दें कि पुराने फार्मेट का ड्राइविंग लाइसेंस कई प्रदेशों या विदेश में नहीं चलता है।

आप ने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार को संवेदनहीन कहा तो कांग्रेस ने दिया जवाब

रायपुर। जैसे जैसे चुनाव पास आ रहे हैं आम आदमी पार्टी प्रदेश में सक्रिय होती जा रही है। पार्टी नेता लगातार किसी ना किसी मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी ने अब आम आदमी पार्टी ने वेतन विसंगति को लेकर हड़ताल पर बैठे स्वास्थ्यकर्मियों पर एस्मा लगाने को लेकर छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार को घेरे में लिया है। आप नेता का कहना है कि सरकार प्रदर्शनकारियों की आवाज सुनने की बजाय उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने की कोशिश कर रही है सरकार- आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता विजय झा का कहना है कि राज्य के स्वास्थ्य कर्मचारी अपने वेतन विसंगति को लेकर लगातार मांग करते हुए आंदोलन कर रहे हैं। स्वास्थ्यकर्मियों के आंदोलन से आम लोगों को भी काफी परेशानी हो रही है। लेकिन सरकार इस पर संज्ञान नहीं ले रही है। विजय झा ने स्वास्थ्य मंत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मंत्री उनकी मांगों को सुनने की बजाय उन पर एस्मा लगा रहे हैं। उन्होंने कहा अपनी आवाज उठाना हमारे देश का लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन भूपेश सरकार उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी स्वास्थ्य कर्मचारियों का पूरा समर्थन करती है।

कांग्रेस ने आप नेता को बताया नौसिखिया- इधर कांग्रेस ने आप नेताओं को नौसिखिया नेता बता दिया। कांग्रेस के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला का कहना है कि आप नेताओं में परिपक्वता का अभाव है। शुक्ला ने कांग्रेस सरकार का बखान करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार देश की अकेली ऐसी सरकार है, जिसने

लगातार कर्मचारियों के हित में काम किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कर्मचारियों को सुरक्षित रखने के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम योजना लागू की हैं। अनियमित कर्मचारियों के लिए 27 फीसदी एक मुश्त वेतन, केंद्र के बराबर डीए छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को मिल रहा है। ऐसे में राज्य के कर्मचारियों को भी इसका ध्यान रखना चाहिए। स्वास्थ्य कर्मचारी ऐसे समय में हड़ताल पर गए हैं जब पूरे प्रदेश में डेंगू और चिकनगुनिया फैला हुआ है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी छोड़कर हड़ताल पर जाएंगे तो सरकार मजबूर होगी एस्मा लगाने में।जनता का कल्याण हमारी हमेशा से पहली प्राथमिकता रही है। हम कर्मचारियों के हित में भी निर्णय लेते हैं और आगे भी लेते रहेंगे।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्यकर्मी पिछले 6 दिन से हड़ताल पर है। स्वास्थ्कर्मी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। स्वास्थ्यकर्मियों की हड़ताल से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है।

प्रत्याशियों को अपने क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी देना अनिवार्य : राजीव कुमार

अखबार में कराना होगा कम से कम तीन बार प्रकाशित

- **केंद्रीय हो या राज्य की एजेंसी एक-दूसरे से करें जानकारी साझा**

रायपुर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यहां कई दुर्गम इलाकें हैं, जहां चुनाव आयोग की टीम बहुत चैलेंजेस फेस कर जाती है और सफलता पूर्वक निर्वाचन कार्य संपन्न कराती है। आगामी चुनाव को लेकर सारे एजेंसियों, चाहे वह केंद्रीय हो या राज्य की सख्त हिदायत दी गई है कि वे एक दूसरे से जानकारी साझा करें। प्रत्याशियों को अपने क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी देना अनिवार्य है और अखबार में कम से कम तीन बार प्रकाशित करवाना होगा।

उन्होंने बताया कि हमने यहां न केवल छत्तीसगढ़ चुनाव आयोग की सारी तैयारियों की समीक्षा की बल्कि प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, सभी संभागों के आयुक्त तथा पुलिस रेंजों के महानिरीक्षक के साथ बैठक कर विधानसभा आम निर्वाचन की तैयारियों की जिलेवार समीक्षा की। यहां कई दुर्गम इलाकें हैं, जहां चुनाव आयोग की टीम बहुत चैलेंजेस फेस कर जाती है और सफलता पूर्वक निर्वाचन कार्य संपन्न कराती है। उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव को लेकर सारे एजेंसियों, चाहे वह केंद्रीय हो या राज्य की सख्त हिदायत दी गई है कि

वे एक दूसरे से जानकारी साझा करें। एक-दूसरे से समन्वय बनाकर कार्य करें। चाहे वह शराब का मामला हो या रुपए बांटने का सख्त कार्रवाई की जाए। खासकर चैक पोस्ट पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी गई है। इसी तरह सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के अंतर्गत फेक न्यूज पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अफसरों को स्पेशल सेल का गठन करने कहा गया है। सभी को अपने प्रत्याशी के बारे में जानना चाहिए, इसके लिए नो योर केंडिडेट एप से जानकारी मिल सकेगी। इसमें प्रत्याशियों को अपनी पूरी जानकारी देनी होगी। साथ ही प्रत्याशियों को अपने क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी देना अनिवार्य है। अखबार में कम से कम तीन बार प्रकाशित करवाना अनिवार्य है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव आयोग की तरफ से छत्तीसगढ़ वासियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए आगामी चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में लगा दावेदारों का मेला

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने पहली सूची जारी की। जिसके बाद दूसरे दलों में भी जल्द से जल्द टिकट की सूची जारी करने का दबाव बढ़ा है।वहीं दूसरी तरफ बाकी बची सीटों के लिए बीजेपी के दावेदार प्रदेश कार्यालय में इकट्ठा होने लगे हैं।छत्तीसगढ़ के अलग-अलग विधानसभा से दावेदार अपना बायोडाटा लेकर आ रहे हैं। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश प्रभारी, प्रदेश सह-प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से दावेदार अपने कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात करके अपनी ताकत बता रहे हैं।वहीं इस दौरान सामाजिक संगठन भी टिकट की दावेदारी को लेकर बीजेपी के आला नेताओं से मीटिंग कर रहे हैं।

सामाजिक संगठनों ने की टिकट की मांग- कवर्धा विधानसभा की बात करें तो इस क्षेत्र में साहू और कुर्मी समाज के वोटर्स की संख्या जाता है। दोनों ही समाज से जुड़े पदाधिकारियों ने जिले की दो विधानसभा के लिए टिकट मांगा है।जिसमें एक विधानसभा में कुर्मी और दूसरे विधानसभा में साहू समाज को टिकट देने की मांग की गई है। दावेदार कौन हैं और किस पर अबकी बार दांव लगाना सही होगी।इस बात की भी जानकारी लेकर दावेदार कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश कार्यालय में चक्कर लगा रहे

हैं।

साहू समाज ने टिकट की दावेदारी की पेश- कबीरधाम से जिला साहू संघ अध्यक्ष शीतल कुमार साहू ने कहा राजनीति उद्देश्य से कुर्मी समाज और साहू समाज भाजपा कार्यालय में आए हैं। हम अपनी बातें रख रहे हैं।कवर्धा जिले में दो विधानसभा हैं। दोनों विधानसभा में परम्परागत साहू और कुर्मी समाज के लोगों को बीजेपी टिकट देती आई है।इसलिए अबकी बार साहू और कुर्मी समाज को ही टिकट देने की मांग की जा रही है।

क्या है कुर्मी समाज का कहना- वहीं चंद्राकर समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र चंद्राकर के मुताबिक हमने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के तीन प्रमुख पदाधिकारियों से मुलाकात की है। हम लगभग 100 की संख्या में कुर्मी समाज और साहू समाज के लोग आए हैं। पिछले तीन पंचवर्षीय से दोनों समाज के व्यक्तियों को उम्मीदवारी पार्टी ने दी है।

कुर्मी समाज जिलाध्यक्ष वीरेंद्र चंद्राकर ने कहा पंडरिया और कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में कुर्मी और साहू समाज के लोग चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाने में सक्षम हैं। हमारा 46 प्रतिशत वोट है। हम 2023 विधानसभा चुनाव में कुर्मी और साहू समाज से एक-एक सीट देने की मांग की है।व्यक्ति कोई भी हो जो पार्टी के फॉर्मूले में फिट बैठता हो उन्हें टिकट दी जाए। लेकिन हमारी मांग है कि दोनों समाज से एक एक सीट दी जाए। हमारे समाज से अगर टिकट दी जाती है तो हम आश्वासन देते है कि दोनों सीट भाजपा के झोली में डालेंगे।

प्रदेश प्रभारी और बड़े नेताओं से मिलने की होड़- विधानसभा चुनाव में टिकट पाने के लिए प्रदेश के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र से दावेदार बीजेपी कार्यालय में जुट रहे हैं। दावेदार अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और सह प्रभारी नितिन नबीन से मिलने के लिए प्रयासरत हैं। प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बड़ी संख्या में दावेदार अपना बायोडाटा लेकर पहुंचे हैं।

कांग्रेस ने बीजेपी के टिकट बंटवारे पर उठाए सवाल- आपको बता दें कि कांग्रेस ने बीजेपी की टिकट बंटवारे पर सवाल उठाए हैं।साथ ही साथ कांग्रेस के टिकट देने के तरीके को लोकतांत्रिक बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर की माने तो कांग्रेस ने ब्लॉक स्तर पर आवेदन जमा करने की प्रक्रिया शुरु की। उसमें कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अलावा मौजूदा मंत्री भी ब्लॉक में जाकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत किए हैं। यही कांग्रेस की लोकतंत्र की खूबसूरती है। सभी लोगों को अपनी इच्छा जाहिर करने का भी अधिकार है।लेकिन बीजेपी में तानाशाही है।

कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कांग्रेस में जो टिकट की प्रक्रिया चली है उसके बाद लगातार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का आक्रोश सामने आया है।भारतीय जनता पार्टी के अंदर जो हिटलर शाही चलती है उस बात का भाजपा के लोग भी विरोध करने लगे हैं।भाजपा में यह नहीं पूछा जा रहा है कि उम्मीदवार कौन होगा। कांग्रेस पार्टी में पूछ परख होती है और मंथन होता है। उसके बाद निर्णय लिया जाता है।यही दोनों पार्टी में अंतर है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर मांगे छत्तीसगढ़ के बकाया 6000 करोड़

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर भारत सरकार द्वारा लंबित देनदारियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस पत्र में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने लिखा है कि वर्तमान स्थिति में भारत सरकार/भारतीय खाद्य निगम के स्तर पर राज्य की एजेन्सियों की लम्बित देनदारियां लगभग 6,000 करोड़ रूपये की हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि केंद्रीय पूल में राज्य सरकार की ओर से जमा चावल के बाद बचे शेष धान के निराकरण में भी राज्य सरकार को बड़ी हानि उठानी पड़ती है, जिसकी भरपाई भारत सरकार द्वारा नहीं की जाती है। इससे राज्य सरकार को अतिरिक्त आर्थिक भार वहन करना पड़ता है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से अनुरोध करते हुए इस पत्र में कहा है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें कि वे राज्य की एजेन्सियों की लम्बे समय से लम्बित समस्त देनदारियों की समय-सीमा निर्धारित कर निराकरण करें तथा राज्य के विधिक क्लेम की राशि शीघ्र राज्य सरकार को अन्तरित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

कांकेर से टिकट पाने के लिए कांग्रेस के दावेदारों ने किया शक्ति प्रदर्शन

कांकेर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। कांकेर विधानसभा के लिए भाजपा द्वारा प्रत्याशी घोषित करने के बाद कांग्रेस में भी प्रत्याशी चयन को लेकर कार्यकर्ताओं का मन टटोलने के लिए पर्यवेक्षकों की टीम आज कांकेर पहुंची है। पर्यवेक्षकों को लुभाने के लिए टिकट के दावेदारों ने शक्ति प्रदर्शन किया। शहर के पुराने कम्युनिटी हॉल में पर्यवेक्षक कांग्रेस से टिकट मांग रहे दावेदारों से चर्चा की। इस दौरान दावेदारों ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ शक्ति प्रदर्शन कर कम्युनिटी हॉल पहुंचे। गौरतलब हो की कृषि विभाग में पदस्थ सहायक उप संचालक सरजू शोरी ने वीआरएस लेकर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। सरजू शोरी ने कांकेर विधानसभा से अपनी दावेदारी ठोकी है। सरजू शोरी ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ अपने निवास से रैली निकालकर कम्युनिटी हॉल पहुंच दावेदारी ठोकी। कांकेर विधानसभा से भाजपा द्वारा आशाराम नेताम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस से पांच दावेदारों के नामों पर चर्चा हो रही है। कांग्रेस पार्टी की बात करे तो इसमें प्रमुख दावेदारों में वर्तमान विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व विधायक शंकर ध्रुवा, नितिन पोटाई, सरजू शोरी, नरेश ठाकुर के नामों चर्चा की जा रही है। दावेदारों के नाम पर मुहर लगाने के लिए महाराष्ट्र आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक नामदेव उसेंडी कांकेर दौरे पर है।

राज्यपाल हरिचंदन से ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र की बहनों ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र रायपुर की संचालिका सुश्री सविता एवं अन्य बहनों ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित शांति सरोवर, सड्डू रायपुर में 31 अगस्त को आयोजित होने वाले सकारात्मक परिवर्तन समारोह के लिए राज्यपाल को न्यौता दिया। इस अवसर पर लीना बहन, नथमल भाई एवं महेश भाई भी उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी कृषि विवि को मिला राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर को भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा अकादमिक/अनुसंधान संस्थान द्वारा नागरिक केंद्रिक सेवाओं पर उत्कृष्ट शोध के लिए %%राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2023'' स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इंदौर के ब्रिलियंट कंवेंशन सेटर में आज यहां आयोजित ई-गवर्नेंस की दो दिवसीय 26वीं राष्ट्रीय कार्यशाला में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने स्वर्ण ट्राफी, प्रशस्ति पत्र एवं 10 लाख रूपये नकद प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रबंध सूचना प्रणाली के नोडल अधिकारी डॉ. रवि सक्सेना तथा एन.आई.सी. के वैज्ञानिक श्री अभीजित कौशिक भी उपस्थित थे।

मरीन ड्राइव वाकेथॉन, मतदाताओं को जागरूक करने दौड़े रायपुरियंस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मतदान जागरुकता के लिए आज तेलीबांधा में वाकेथॉन का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम आज सुबह तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव से शुरू हुआ। यहां से होते होकर घड़ी चौक, कलेक्टोरेट होकर वापस मरीन ड्राइव में खत्म हुआ। दौड़ेगा रायपुर, वोट करेगा रायपुर के तर्ज पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी वर्ग के लोग शामिल हुए। इसके तहत शत-प्रतिशत मतदान करने के संदेश दिया गया। 18 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक किया गया। वाकेथॉन में शहर के युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, तृतीय लिंग समुदाय के लोग, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों समेत शासकीय अधिकारी कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। वाकेथॉन की शुरुआत पर निर्वाचन आयोग के सदस्यों ने बोर्ड पर हस्ताक्षर कर लोगों को मतदान के लिए संदेश लिखा। उन्होंने चुनाव में मत अधिकार का उपयोग करने की अपील की है।

भूपेश बघेल के सभी मंत्री लड़ेंगे चुनाव

कहा जा रहा है कि भूपेश बघेल सरकार के सभी मंत्री 2023 में विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। किसी भी मंत्री का टिकट नहीं कटने वाला है। माना जा रहा है कि छह सितंबर को पहली ही सूची में सभी मंत्रियों को उम्मीदवार बनाए जाने की घोषणा हो जाएगी। खबर है कि पहली सूची में जीत वाले विधायकों को प्रत्याशी घोषित कर दिया जाएगा। कांग्रेस की पहली सूची में 35 से 40 उम्मीदवारों का नाम हो सकता है। चर्चा है कि मंत्री गुरु रुद्रकुमार इस बार अहिवारा की जगह नवागढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं। भाजपा से हाल ही में कांग्रेस में आए नंदकुमार साय को टिकट मिलने की संभावना नहीं है। वैसे नंदकुमार साय ने टिकट के लिए दावेदारी किया है। बताते हैं कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भी विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। दीपक बैज 2018 में चित्रकोट सीट से विधायक चुने गए थे। 2019 में सांसद बनने के बाद विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था।

2018 के प्रत्याशियों पर कैंची चला सकती है भाजपा

कहते हैं 2018 में चुनाव लड़ चुके लखनलाल देवांगन के बाद अब किसी को भी 2023 के लिए चुनाव मैदान में नहीं उतारा जाएगा। कहा जा रहा है नए चेहरे उतारने के लिए भाजपा ऐसा फार्मूला अपनाने जा रही है। माना जा रहा है कि इस फार्मूले में डॉ. रमन सिंह,बृजमोहन अग्रवाल,नारायण चंदेल, धरमलाल कौशिक,अजय चंद्राकर जैसे दिग्गज चुनाव मैदान से बाहर हो जाएंगे। बृजमोहन अग्रवाल,धरमलाल कौशिक, ओपी चौधरी और अजय चंद्राकर को लोकसभा लड़ाने की चर्चा है। आपराधिक मामलों में उलझे नेता भी टिकट से वंचित हो सकते हैं। भाजपा जुझारू और साफ सुथरे छवि वाले नेताओं को ही उम्मीदवार बनाना चाहती है। इस फार्मूले में उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले भाजपा नेता आलोक दुबे को इस बार अंबिकापुर से मौका मिल सकता है। इसी तरह विवादों में उलझे बिना सांसदी कर रहे सुनील सोनी को रायपुर के किसी सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

रवि भोई

कौन होगा दीपक बैज का प्रमुख महासचिव

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने नई कार्यकारिणी की घोषणा तो कर दी है, लेकिन सबको इंतजार है प्रमुख महासचिव का। मोहन मरकाम की टीम में रवि घोष को महासचिव प्रशासन बनाया गया था, लेकिन पावरफुल महासचिव अमरजीत चावला थे। दीपक बैज ने नई कार्यकारिणी में रवि घोष को रखा है, पर अमरजीत चावला की छुट्टी कर दी है। दीपक बैज ने नई कार्यकारिणी में 23 महासचिव बनाए हैं, पर पीसीसी में प्रशासन देखने वाला महासचिव ही प्रमुख और पावरफुल होता है। महासचिव प्रशासन के लिए मलकीतसिंह गेंदू का नाम चर्चा में हैं। गेंदू को दीपक बैज का करीबी माना जाता है। दीपक बैज बस्तर के हैं और मलकीतसिंह गेंदू भी बस्तर से हैं। अब देखते हैं दीपक बैज कब तक और किसे महासचिव प्रशासन की जिम्मेदारी देते हैं।

भाजपा में टिकट के बाद बवाल

भाजपा हाईकमान ने चुनाव के करीब तीन महीने पहले कुछ प्रत्याशी घोषित कर छत्तीसगढ़ में नया प्रयोग किया। अब यह प्रयोग कितना सफल या असफल होता है, यह तो चुनाव नतीजों से पता चलेगा, फिलहाल तो प्रत्याशियों को लेकर विरोध के सुर बुलंद हो रहे हैं। लुंड्रा में प्रबोध मिंज को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने से भाजपा और आदिवासी समाज के कुछ लोग खफा हैं। यहां तो प्रबोध मिंज के खिलाफ कुछ हिंदूवादी संगठन आंदोलन कर चुके हैं। सराईपाली में सरला कोसरिया को प्रत्याशी बनाए जाने से 2018 में भाजपा उम्मीदवार रहे श्याम तांडी ने अपने समर्थकों के साथ दो दिन पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजिम में रोहित साहू को उम्मीदवार बनाए जाने से भी पार्टी के एक धड़े में नाराजगी है। कहते हैं असंतुष्टों को मनाने और लोगों की नाराजगी दूर करने के लिए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और पार्टी के दूसरे नेता दौरा कर समझाइश दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि पिछले दिनों अजय जामवाल और दूसरे नेता राजिम गए तो लोगों का चेहरा फूला मिला। कोई उन्हें चाय-पानी तक भी नहीं पूछा।

सीईसी ने की महिला कलेक्टरों की तारीफ़

कहते हैं कलेक्टर-एसपी की बैठक में देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने कांकेर की कलेक्टर प्रियंका शुक्ला और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की कलेक्टर फरिया आलम सिद्दीकी की तारीफ़ की। कहा जा रहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों के काम को सराहा और उनके प्रजेंटेशन से भी प्रभावित हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त ने 25 अगस्त को रायपुर में मतदाता सूची पुनरीक्षण और 2023 के विधानसभा चुनाव में कानून-व्यवस्था को लेकर कलेक्टर-एसपी की बैठक ली। चर्चा है कि इस बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ने दो कलेक्टरों की प्रशंसा के साथ एक कलेक्टर और एक एसपी की खिंचाई कर दी। खबर है कि कलेक्टर-एसपी दुर्ग संभाग के जिलों के हैं। बताते हैं कि एसपी साहब के पाठ से मुख्य चुनाव आयुक्त नाराज हो गए और एसपी साहब को आड़े हाथों ले लिया।

आचार संहिता लगते ही बदलेंगे कई कलेक्टर-एसपी

चर्चा है कि 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगते ही कई जिलों के कलेक्टर और एसपी बदले जाएंगे। कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग कई कलेक्टर और एसपी के काम से खुश नहीं है। माना जा रहा है कि बड़े जिले ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। कहते हैं भाजपा ने भी कुछ जिलों के कलेक्टर-एसपी को लेकर शिकायत की है। माना जा रहा है कि आचार संहिता लगते ही राज्य का प्रशासनिक अमला चुनाव आयोग के अधीन हो जाएगा, ऐसे में भाजपा की शिकायत पर एक्शन भी हो जाएगा और आयोग अपने पसंद के अफसरों को जिलों में तैनात कर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए कवायद शुरू कर देगा।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की डीजीपी की शिकायत

कहते हैं कि भाजपा ने चुनाव आयोग से छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा को हटाने की मांग की है। भाजपा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर उनकी नियुक्ति को अवैध बताया है। भाजपा ने डीजीपी के अलावा संविदा में नियुक्त डीजी स्तर के एक अधिकारी के खिलाफ भी शिकायत की है। इसके अलावा एसीएस स्तर के एक अधिकारी, दो रेंज आईजी और कुछ एसपी की शिकायत की है। आबकारी और माइनिंग अफसरों की भी शिकायत की है। भाजपा ने सबसे ज्यादा जिला खनिज निधि (डीएमएफ) के चेयरपर्सन की शिकायत की है।

हाथ खड़े किए भाजपा जिला इकाइयों ने

कहते हैं 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए पहुंचे दूसरे राज्यों के भाजपा विधायकों के सेवा-सत्कार से भाजपा जिला इकाइयों के हाथ-पांव फूलने लगे हैं। भाजपा की योजना राज्य के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में अन्य राज्यों के एक-एक विधायकों की तैनाती की है। अभी 57 विधायकों को अलग-अलग सीटों में भेजा गया है। 33 विधायक जल्द आने वाले हैं। इन भाजपा विधायकों का सेवा-सत्कार जिला इकाइयों को करना है। कहा जा रहा है कि कुछ दिनों तक जिलों इकाइयों ने किया, अब हाथ खड़े करने लगे हैं। चर्चा है कि जिला इकाइयों के पास बजट नहीं है और प्रदेश संगठन से भी उन्हें इस काम के लिए कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है।

हाईकमान की मुहर के पहले ही प्रत्याशी घोषित

कहा जा रहा है कि आईएएस की नौकरी छोड़कर भाजपा आए नीलकंठ टेकाम को केशकाल विधानसभा से टिकट देना पक्का था, लेकिन केंद्रीय चुनाव समिति की मुहर के बैगर उम्मीदवारी घोषणा से लोग आश्चर्य में पड़ गए। टेकाम को केशकाल विधानसभा से प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने की है। रमन सिंह ने टेकाम को जितवाने की अपील भी आदिवासी समाज के लोगों से की। चर्चा है कि भाजपा सतनामी समाज के धर्मगुरु बालदास साहेब के बेटे गुरु खुशवंत दास साहेब को आरंग विधानसभा से उम्मीदवार बना सकती है। बालदास साहेब ने पिछले दिनों परिवार के सदस्यों और समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश किया। सतनामी समाज के एक धर्मगुरु विजय गुरु पहले से ही भाजपा में हैं। विजय गुरु के बेटे गुरु रुद्रकुमार कांग्रेस में हैं और भूपेश बघेल सरकार में मंत्री हैं।

सीएजी नहीं सीए से चलाओ काम

कहते हैं निर्माण कार्य से जुड़े एक विभाग के मुखिया ने नई युक्ति का प्रस्ताव दिया। प्रस्ताव दिया कि विभाग में कराए जाने वाले निर्माण कार्यों की आडिट सीएजी की जगह एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से कराया जाना चाहिए। कहा जाता है कि इस विभाग में निर्माण कार्यों के लिए एक स्वतंत्र उपक्रम भी है। सीएजी के किच-किच से बचने के लिए उपक्रम का आडिट सीए से कराने का प्रस्ताव विभाग के मुखिया ने बनाया,जिसको आला अफसर सहर्ष मान गए। बताते हैं उपक्रम को भारत सरकार से काफी फंड मिलता है। भारत सरकार से फंड मिलता है, इस कारण आडिट के लिए सीएजी के लोग अलग-अलग जिलों में भी पदस्थ हैं। अब भारत सरकार के पैसे से काम कराकर भी अफसर शार्टकट तरीका अपनाना चाहते हैं, तो फिर क्या कहा जाय। चर्चा है कि इस विभाग में भी ईडी जल्दी घुसने वाली है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)

भाजयुमो का अनोखा प्रदर्शन गड्ढापुर बन गई राजधानी

रायपुर। भाजयुमो ने रायपुर में अनोखा प्रदर्शन किया। मोर्चा के कार्यकर्ता यमराज और चित्रगुप्त का वेश धारण कर रायपुर की सड़कों पर उतरे। राजधानी रायपुर की सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होने पर लोगों को संभलकर चलने के लिए कहा। ऐसा नहीं करने पर जान गंवाने की बात कही। सदर बाजार, सत्ती बाजार चौक से लेकर जयस्तंभ चौक तक पैदल मार्च कर लोगों को चेताया कि आप संभलकर चलें नहीं तो जान से हाथ धो बैठ सकते हैं। कुछ दिनों तक यमराज और चित्रगुप्त ऐसी गड्ढों वाली सड़क पर ही घूमत रहेंगे। दावा करते हुए कहा कि पूरे देश-विदेश से ज्यादा रायपुर में हादसे हो रहे हैं। फिर भी राज्य सरकार मौन है। इस दौरान भूपेश सरकार और नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

भाजयुमो जिला अध्यक्ष गोविंद गुप्ता ने कहा कि किस रायपुर को गड्ढापुर बना दिया गया है। आए दिन लोग गड्ढों में गिरकर अपनी जान गंवा रहे हैं। कांग्रेस का विकास मॉडल खराब हो चुका है। आरोप लगाते हुए कहा कि ये सरकार केवल भ्रष्टाचार करने में लगी है।

गरीबों के आवास हड़पने वाले भूपेश शौचालय पर राजनीति कर रहेः चौधरी

रायपुर। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शौचालयों के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ के लाखों गरीबों के प्रधानमंत्री आवास लटकाने वाले, उन्हें बेघर बने रहने मजबूर करने वाले मुख्यमंत्री को चुनाव के ठीक पहले गरीबों के शौचालयों की चिंता कैसे हो गई?मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गरीबों के शौचालय के नाम पर राजनीति करने की जो कोशिश कर रहे हैं, वह हर गरीब को अच्छी तरह समझ में आ रही है कि अब तक केंद्रीय योजनाओं में अड़ंगा लगाने वाले मुख्यमंत्री चुनाव के पहले पिछली सरकार द्वारा 15 लाख परिवारों को उन्नत शौचालय सुविधा से वंचित करने का आरोप लगा रहे हैं!आश्चर्य की बात है कि भूपेश बघेल को उनकी सरकार के अंतिम समय में यह पता चल रहा है। यदि ऐसा है तो 5 साल से भूपेश बघेल की सरकार कहां सो रही थी? भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गरीबों को यह मालूम है कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आवास दिया है। उन्हें यह भी मालूम है कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश की महिलाओं को सम्मान देने के लिए छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में शौचालय का निर्माण कराया है।

अंहकार के रास्ते पर चलकर क्रूर हो गयी कांग्रेस सरकार : कौशिक

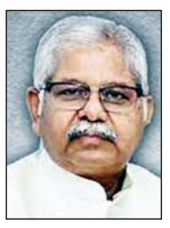

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा किये जा रहे हड़ताल का समर्थन करते हुए कांग्रेस सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के मांगो को गंभीरतापूर्वक ध्यान में रखकर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव दोनों को सोच विचार करना चाहिए और चिकित्सकों से बात-चीत करके उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए। किन्तु कांग्रेस की सरकार एवं उनके मंत्रीगण अंहकार के रास्ते पर चलकर क्रूर हो गयी है वे आज उनके पास अस्पतालों के डॉक्टर्स और उनके कर्मचारियों से बात करने के लिये समय नहीं है यही कांग्रेस के अंहकार और घमंड का जिता-जागता उदाहरण है। आज प्रदेश का हर वर्ग अपनी मांगों के लिये सड़कों पर उतर चुका है जिसकी मूल वजह कांग्रेस की वादाखिलाफी सरकार है। आज डॉक्टरों के हड़ताल का दुस्प्रभाव प्रदेश की जनता पर साफ दिख रहा है। लेकिन इस बात की चिंता न मुख्यमंत्री बघेल को है और न ही उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक ने कहा कि पिछले पांच सालों में कांग्रेस ने दिल्ली का दौड़ लागाने के सिवाय कुछ नहीं किया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

अब की बार भाजपा दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंचेगी : बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि अब की बार भाजपा दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंचेगी। कांग्रेस सरकार के कामों से राज्य की जनता के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन हुआ है। अपनी सरकार के कामों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण है। कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाने का संकल्प विधानसभा स्तरीय संकल्प शिविरों में ले रहे है। कांग्रेस के संकल्प शिविर में हर बूथ से 10 से अधिक कार्यकर्ता आ रहे है। हर विधानसभा क्षेत्र में 2500 से 3000 बूथ स्तरीय कार्यकर्ता फिर से सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर अपने क्षेत्रों में जा रहे। इन्हीं कार्यकर्ताओं की मजबूती और सरकार के पांच सालों के दम पर 75 से अधिक सीटों के साथ प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी चयन में पार्टी के कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को भी टिकट मांगने का अधिकार दिया है। पार्टी में सभी के आवेदनों का गुण दोष के आधार पर निर्णय लिया जायेगा। भाजपा ने तो बिना किसी की राय लिये 21 प्रत्याशियों के नाम की सूची घोषित कर दिया, जिसके कारण भाजपा का कार्यकर्ता अपने आपको अपमानित महसूस कर रहा है। भाजपा में तो प्रदेश चुनाव समिति की भी कोई अहमियत नहीं है।

जनता का विश्वास और भरोसा आज भी कायम हैः ठाकुर

रायपुर। भाजपा के पत्रकारवार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है उसे पूरा करती है। भाजपा का चरित्र वादा करके सुनना है। कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति की बैठक के बाद भाजपा नेताओं की बेचैनी बढ़ गई है। 2018 की जनघोषणा पत्र पर उमड़ी जनता का विश्वास और भरोसा आज भी कायम है। प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जारी होने वाले कांग्रेस की घोषणा पत्र का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। वहीं भाजपा गली-गली घूम कर जो घोषणा पत्र के लिए सुझाव मांग रही है उसे जनता सुझाव देना भी मुनासिब नहीं समझ रही है क्योंकि 15 साल तक पूर्व रमन सरकार ने प्रदेश की जनता से और 9 साल से नरेंद्र मोदी की सरकार देश की जनता के साथ वादा खिलाफी धोखा कर रही है। किसानों से किये वादा को सिर्फ भूपेश सरकार ने पूरा किया रमन, मोदी ने बारी-बारी से धोखा दिया है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेताओं को 15 साल के रमन सरकार और 9 साल के मोदी सरकार की घोषणा पत्र को निकालना चाहिए और देखना चाहिए कि उन घोषणा पत्र में कितना वादा उन्होंने पूरा किया है। कांग्रेस की सरकार ने 36 बिंदुओं में से 34 बिंदुओं के वादा को पूरा करके जनता के बीच मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक किया है और विपक्षी नेताओं को भी एक-एक कॉपी भेज दिया है इतनी हिम्मत वही कर सकता है जिसे जनता से किये वादे को पूरा किया है।

महादेव एप्प को भाजपा, योगी सरकार का संरक्षणः शुक्ला

रायपुर। महादेव एप्प को भाजपा की केंद्र सरकार और यूपी की योगी सरकार का संरक्षण है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ईडी द्वारा महादेव एप्प को लेकर की गयी कार्यवाही भाजपाई हुक्मरानों को बचाने तथा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से की गयी है। महादेव एप्प बना कर संगठित आर्थिक अपराध सट्टा खिलाने का नेटवर्क पूरे देश में चलाया जा रहा था। छत्तीसगढ़ में महादेव एप्प के संचालन की जानकारी सामने आयी थी। इस प्रकार की गतिविधियों की जानकारी सामने आने के बाद महादेव एप्प में छत्तीसगढ़ पुलिस लगातार कार्यवाही की जा रही है। बड़े पैमाने पर अपराधियों की छत्तीसगढ़ और देश भर में गिरफ्तारियां भी की गयी। इस गैर कानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की कार्यवाही की जा रही है। एकमात्र छत्तीसगढ़ पुलिस इस मामले में कार्यवाही कर रही है। अभी तक छत्तीसगढ़ पुलिस ने 98 आरोपियों पर कार्यवाही कर चुकी है। अगर शामिल नहीं होते तो आजाद भारत का यह पहला मामला है जब छत्तीसगढ़ की पुलिस उत्तर प्रदेश में अपराधियो को पकड़ने जाये और अपराधियों को संरक्षण देने के लिये उत्तर प्रदेश की पुलिस छत्तीसगढ़ पुलिस के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लेती है।

अकबर को मिला है जनता को झांसा देने का ठेकाः अनुराग

रायपुर। बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आज कांग्रेस सरकार पर जमकर बरसे। बीजेपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि वो एक महिला होते हुए भी कांग्रेस के पिछले घोषणा पत्र में शराबबंदी के वादे को लागू करने से इंकार किया है। उनका बयान छत्तीसगढ़ में शराबबंदी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस का पिछला घोषणा पत्र बनाने वाले टीएस सिंहदेव ने घोषणा पत्र पर अमल नहीं होने पर हाथ खड़े कर दिए हैं। लिहाजा, इस बार जनता को झांसा देने का ठेका मोहम्मद अकबर को दिया गया है, जिन्होंने उस घोषणा पत्र को पढ़ा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि जब पिछली घोषणाएं 33 फीसदी से आगे नहीं बढ़ीं तो कांग्रेस को अब नया घोषणा पत्र बनाने की जरूरत क्या है? कांग्रेस अपने पिछले घोषणा पत्र को फिर से प्रस्तुत करे और जनता से माफी मांगे कि 5 साल में जन घोषणाएं दरकिनार कर केवल घपले, घोटाले, कमीशनबाजी, भ्रष्टाचार किया है। आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी के कथन से स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस ने शराब को अवैध कमाई का जरिया मान रखा है। जितना राजस्व सरकार के खजाने में गया, उससे ज्यादा कांग्रेस की तिजोरी में गया। 2 हजार करोड़ का शराब घोटाला करने के बाद अब कांग्रेस को शराबबंदी की जरूरत महसूस नहीं हो रही। जाहिर है कि रामद्रोही कांग्रेस काली कमाई की खातिर गंगाद्रोही भी बन गई है।

शराबबंदी के वादे से अपना पल्ला झाड़ लिया : ठोकने

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी नलिनीश ठोकने ने कहा है कि शराब और ड्रग्स के प्रदेश में चल रहे गोरखधंधे पर चुनाव आयोग ने रोक लगाने की जरूरत बताकर प्रदेश सरकार को बेनकाब कर आईना दिखाने का काम किया है। आगामी विधानसभा चुनाव में शराब और ड्रग्स का व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल हो सकता है, इसकी आशंका व चिंता चुनाव आयोग ने अधिकारियों की कॉन्फ्रेंस में व्यक्त कर दी है। श्री ठोकने ने कांग्रेस प्रभारी शैलजा के उस बयान को भी आड़े हाथों लिया जिसमें कांग्रेस प्रभारी ने महासमुंद में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा था कि छत्तीसगढ़ में शराबबंदी की फिलहाल कोई जरूरत नहीं है। एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफिंग में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि शराब और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की गंध अब छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूरे देश में फैल रही है। गंगाजल हाथ में लेकर प्रदेशभर में घूम-घूमकर पूर्ण शराबबंदी की कसमें खाने वाली कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने शराबबंदी के वादे से अपना पल्ला झाड़ लिया और हजारों करोड़ रुपए के शराब घोटाले को अंजाम देकर प्रदेश की जनता, खासकर मातृ शक्ति के साथ खुली धोखाधड़ी की। चुनाव आयोग की टीम ने दो दिन तक प्रदेश में प्रवास और लोगों से चर्चा करने के बाद एसपी-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में शराब और ड्रग्स के परिवहन, तस्करी व आपूर्ति पर चुनाव से पहले पूरी तरह रोक लगाने पर बल दिया है।

प्रदेश में मेडिकल हब बनने की असीम संभावनाएंः सीएम बघेल

- **सीजीएमपी न्यूरोकॉन 2023 कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश की भारत के नक्शे में स्थिति ऐसी है कि यहां एक बड़ा मेडिकल हब बनने की असीम संभावनाएं हैं। यहां की भौगोलिक स्थिति और वातावरण स्वास्थ्य के अनुकूल है। वे आज शाम राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित 21 वें सीजीएमपी न्यूरोकॉन 2023 कार्यक्रम के संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने वरिष्ठ न्यूरोसर्जन द्वारा लिखी पुस्तक 'ब्रेन डेथ, ऑर्गन डोनेशन और ट्रांसप्लांटेशन' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में आगे कहा कि पिछले पौने पांच सालों में हमने छत्तीसगढ़ में बड़ा मेडिकल-नेटवर्क स्थापित करने में कामयाबी हासिल की है। यहां शासकीय और निजी क्षेत्र के मेडिकल संस्थानों ने अद्भुत तालमेल और प्रतिभा से इस उपलब्धि को हासिल किया है। प्रदेश में न्यूरो चिकित्सा के क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाएं सुलभ हुई है और विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ छत्तीसगढ़ के मरीजों को लगातार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 5 साल पहले यह स्थिति थी कि मलेरिया से लोगों की जानें जाती थी, मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने में हम सफल हुए हैं। आज हाट-बाजार क्लिनिक योजना से स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है और दूर-दराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा बढ़ा है। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि आज हमारे यहां चिकित्सा के क्षेत्र में एक मजबूत अधोसंरचना भी तैयार हो चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब नक्सलियों पर बात नहीं होती बल्कि कृषि, संस्कृति, सामाजिक उत्थान और नए छत्तीसगढ़ को लेकर बातें हाती है जिससे प्रदेश की नई पहचान बनी है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष श्री गौतम चौड़रिया और वरिष्ठ चिकित्सक श्री एस एन मढ़रिया और श्री संदीप दवे ने भी संबोधित किया।

डोंगी में सवार कर ट्रांसफार्मर को पहुंचाया नदी पार जिससे रोशन हुआ पखांजुर का बांगोघोड़िया गांव

रायपुर । जब मौसम की मार के आगे सब बेमानी हो जाता है तब इंसान का हौसला की उसे आगे बढ़ता है। प्रदेश के वनाच्छादित क्षेत्र कांकेर के पखांजूर में ऐसा ही एक वाकया सामने आया। पखांजूर के बांगोघोड़िया गाँव में खराब ट्रांसफार्मर बदलने के लिए विद्युत कर्मियों ने प्रतिकूल परिस्थिति होने पर भी नए ट्रांसफार्मर को डोंगी में रख नदी पार पहुंचाया और जल्द ही उसे बदलकर वहाँ के घरों की बिजली बहाल की। घटना शुक्रवार 25 अगस्त की है जब छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के पखांजूर संभाग के छोटेबेथिया वितरण केन्द्र अंतर्गत बांगोघोड़िया गांव में बिजली आपूर्ति करने के लिए ट्रांसफार्मर बदलने पहुँचे।

पखांजूर के कार्यपालन अभियंता श्री आदित्य ठाकुर ने बताया कि कोटरी नदी के पार लगभग 20 ङ्क 30 घरों वाले गाँव बांगोघोड़िया में ट्रांसफार्मर में खराबी आने से बिजली की आपूर्ति प्रभावित हो गई थी। ऐसे में पखांजुर के सहायक अभियंता श्री आर एस करपाल और छोटेबेठिया वितरण केन्द्र के कनिष्ठ अभियंता श्री डोमेंद्र ठाकुर नया ट्रांसफार्मर लेकर बांगोघोड़िया के लिए रवाना हुए पर मौसम की प्रतिकूलता और नदी नाले के उफान में होने के कारण गाँव का सड़क संपर्क सभी तरफ से टूट गया था। ऐसे में गाँव में नया ट्रांसफार्मर पहुँचाने के लिए बीच में पड़ने वाले कोटरी नदी को पार करना ही एक मात्र रास्ता था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.